नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :02 | अंक : 169 | नई दिल्ली, मंगलवार 17 सितम्बर 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

करीना की फिल्म का हाल बेहाल ➤ पेज-12

एक नजर

जम्मू-कश्मीर विस चुनाव: सपा ने जारी की 20 स्टार प्रचारकों की सूची चाचा शिवपाल का नाम गायब

लखनऊ, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव में इस बार समाजवादी पार्टी ने भी दांव आजमाया है। इसको लेकर सपा ने अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। सपा ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए 20 स्टार प्रचारकों को मैदान में उतारा है जो सपा के लिए वोट मांगेंगे। इस सूची में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सात सांसद, दो राष्ट्रीय सचिव और एक विधायक तक को शामिल किया गया है, लेकिन चाचा शिवपाल सिंह यादव का नाम गायब है। शिवपाल का नाम गायब होने को लेकर एक बार फिर सियासी महकमे में हलचल पैदा हो गई। समाजवादी पार्टी ने जिन 20 स्टार प्रचारकों को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए मैदान में उतारा है उनमें राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा, सांसद अवधेश प्रसाद, सांसद धर्मेन्द्र यादव, राज्यसभा सांसद जावेद अली, सांसद हरेंद्र मलिक, सांसद इकरा हसन, सांसद प्रिया सरोज, सांसद पुष्पेंद्र सरोज, विधायक कमाल अख्तर, विधान परिषद सदस्य जासमीर अंसारी, पूर्व विधान परिषद सदस्य उदयवीर सिंह, राष्ट्रीय सचिव राम आसर विश्वकर्मा और आकिल मुर्तजा, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य फरूख सियर, जम्मू एवं कश्मीर प्रदेश अध्यक्ष जिलालाल वर्मा, जम्मू-कश्मीर खालिद तुफैल डार, जम्मू-कश्मीर महासचिव फैयाज अहमद भट्ट, जम्मू-ककश्मीर प्रदेश कोषाध्यक्ष विजय अबरोल और जम्मू कश्मीर समाजवादी पार्टी के मोहम्मद आजम का नाम शामिल है।

हमें अन्ना हजारे जी से हमदर्दी : किरेन रिजिजू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार (15 सितंबर) को दो दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया। इसके बाद राजनीति गरमा गई। सीएम केजरीवाल के इस फैसले पर समाजसेवी अन्ना हजारे ने प्रतिक्रिया दी। अन्ना हजारे की इस प्रतिक्रिया पर केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने अपनी राय रखी।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री ने ट्विटर पर अन्ना हजारे का एक वीडियो पोस्ट किया है। उन्होंने पोस्ट में लिखा है, हमें अन्ना हजारे जी से हमदर्दी है, लेकिन अन्ना जी से ज्यादा यह दिल्ली के लोगों और कुछ हद तक पूरे देश के लिए बहुत बड़ा बोझ बन गया है। हमने कभी नहीं सोचा था कि अराजकता और भ्रष्टाचार को एक सद्गुण बना दिया जाएगा। गौरतलब है कि अन्ना हजारे ने सीएम केजरीवाल को लेकर कहा था, ह्लजब सीएम अरविंद केजरीवाल मेरे साथ थे, तब मैं उनसे कई सालों से कह रहा था अपना आचरण सुधारो, अपना व्यवहार और विचार शुद्ध रखो । जीवन में त्याग करो। हमने उनसे इतना कहा है लेकिन पैसा शराब से कमाया जाता है और उन्हें पैसे का नशा हो गया। इसके बाद वो अलग हो गए। उन्होंने आगे कहा, मैंने सीएम अरविंद केजरीवाल से पहले ही कहा था कि राजनीति में मत आइए, बल्कि समाज की सेवा कीजिए। इससे आप बड़े आदमी बनेंगे। हम कई सालों तक साथ रहे, उस समय मैं उनसे बार-बार कह रहा था कि राजनीति में मत आइए। समाज सेवा से जीवन में आनंद आता है। मैं आनंद में डूबा रहने वाला व्यक्ति हूं। अब जो हुआ सो हुआ। उनके दिल में क्या है, मैं नहीं जानता।

काम पर लौटेंगे डॉक्टर, मीटिंग में बनी बात!

कोलकाता पुलिस कमिश्नर और हेल्थ डिपार्टमेंट के दो अधिकारी हटाए गए

- काम कर गई सीएम ममता बनर्जी की भावुक अपील
- सरकार ने मान ली डॉक्टरों की अधिकतर मांगें

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता रेप-मर्डर केस को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों से मुलाकात के बाद बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की है कि वह प्रदर्शनकारी डॉक्टरों की पांच में से तीन मांगों पर सहमत हो गई हैं। इन तीन मांगों में से दो मांगों - स्वास्थ्य विभाग के दो शीर्ष अधिकारियों और कोलकाता पुलिस प्रमुख को हटाने की मांग को मान लिया गया है।

इसके साथ ही उत्तरी क्षेत्र के पुलिस प्रमुख को भी हटा दिया जाएगा। कल शाम चार बजे नए कमिश्नर अपना पद ग्रहण करेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि बैठक सकारात्मक रही। मुझे यकीन है कि वे (जूनियर डॉक्टर) भी यही सोचते हैं।

सीएम ने कहा कि अब जबकि हमने उनकी मांगे मान ली है। तो मुझे पता है कि वह क्या करेंगे। वह जाएंगे और फिर चर्चा करेंगे और फिर धरना खत्म करने के विषय में फैसला करेंगे। मैंने उनसें कहा है कि आप काम पर लौट आइए किसी भी प्रदर्शनकारी के खिलाफ कोई ऐक्शन नहीं लिया जाएगा। मैंने उन बीमार लोगों का हवाला देते हुए उनसे कहा है कि आप मेरे लिए नहीं, किसी के लिए नहीं तो कम से कम उन मरीजों के लिए काम पर वापस लौट आइए जो आपकी गैर-मौजूदगी में अस्पतालों में इलाज के लिए तरस रहे हैं। वैसे भी हमारे कुछ जिलों में अभी बाढ़ के हालात हैं ऐसे में उनको डॉक्टरों की ज्यादा जरूरत है।

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता और प्रदर्शनकारी डॉक्टरों के बीच में यह पांचवी बैठक थी। करीब ढ़ाई घंटे चली इस मीटिंग के बाद सीएम ममता की यह घोषणा आधी रात को हुई। ममता बनर्जी की इस घोषणा को प्रदर्शनकारी डॉक्टरों के सामने उनके झुकने के रूप में देखा जा रहा है। क्योंकि ममता बनर्जी ने कुछ ही दिनों पहले कहा था कि वह पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल को दुर्गा पूजा तक उनके पद पर बनाए रखेंगी।

बातचीत रिकॉर्ड करने के लिए स्टेनोग्राफर साथ ले गए थे डॉक्टर

आज हुई इस मीटिंग में डॉक्टरों का प्रतिनिधि मंडल अपने साथ दो स्टेनोग्राफ्रर्स को भी लेकर गया था। क्योंकि पहली चार मीटिंग में डॉक्टर्स की तरफ से डिमांड की गई थी कि मीटिंग को लाइव टेलीकास्ट या फिर इसकी वीडियो रिकॉर्डिंग की जाए। लेकिन इस मांग को सरकार ने मानने से इंकार कर दिया था इसके चलते यह मीटिंग हो नहीं पाई थी। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से भी कहा गया था कि प्रदर्शन कारी डॉक्टर वापस काम पर लौट जाएं किसी के खिलाफ कोई एक्शन नहीं होगा। इस मीटिंग के बाद सरकार की तरफ से बताया गया कि डॉक्टर्स की तरफ से 42 लोगों ने मिनिट्स ऑफ मीटिंग पर हस्ताक्षर किया और सरकार की तरफ से मुख्य सचिव मनोज पंत ने साइन किए।

आज सीबीआई सुप्रीम कोर्ट में दाखिल करेगी अपनी स्टेटस रिपोर्ट

कोलकाता रेप-मर्डर मामले में सीबीआई आज अपनी दूसरी स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करेगी। 9 सितंबर को दाखिल की गई अपनी पहली रिपोर्ट में सीबीआई ने कई बड़े खुलासे किए थे, जिसके बाद कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल घोष की मुश्किलें बढ़ गई थीं।

9 अगस्त को आरजी कर मेडीकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप-मर्डर के मामले में ममता सरकार ने प्रदर्शनकारी छात्रों की कुछ मांगों को मान लिया है। अब गेंद डॉक्टरों के पाले में है कि उनकी तरफ से इस मामले पर क्या कहा जाता है। क्योंकि डॉक्टर मुख्य रूप से पांच मांगों को लेकर गए थे, जिनमें से केवल तीन मांगों को माना गया है।

मोदी सरकार-3 की विफलताओं के 100 दिन : कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार केंद्र में सरकार के गठन के पहले 100 दिन यू-टर्न और विफलताओं से भरे रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आज नरेंद्र मोदी सरकार के 100 दिन पूरे हुए हैं। ये सौ दिन देश की अर्थव्यवस्था,किसानों, युवाओं, महिलाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर, रेल टीवीवे और संस्थाओं पर बहुत भारी पड़े हैं। उन्होंने कहा 'इन 100 दिनों में साबित हो गया कि श्री मोदी के पास देश की समस्याओं से निपटने के लिए कोई विजन नहीं है।

मोदी सरकार के 100 दिन अस्थिरता, अनिर्णायकता और अपरिपक्वता का प्रतीक हैं। श्री मोदी चुनाव प्रचार के दौरान अपने 100 दिन के प्लान का जिक्र किया करते थे, लेकिन आज उनके सामने विफलताओं का एक पुलिंदा खड़ा है। कांग्रेस प्रवक्ता ने मोदी सरकार को यूटर्न सरकार करार दिया और कहा "इस यू-टर्न सरकार ने कई नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। रेल ध्वस्त है, महिला असुरक्षित है, बेरोजगारी बढ़ रही है। ये आपका रिपोर्ट कार्ड है। पिछले 100 दिन से यू-टर्न सरकार चल रही है। इस सरकार को यू-टर्न के लिए देश के लोकतंत्र, विपक्ष और जनता ने मजबूर किया है। साफ है कि

सरकार का अहंकार अब नहीं चलेगा। आपकी सरकार का कोई भी फैसला यदि देश को प्रभावित करता है तो वो कानून नहीं बनेगा और हम उसे यू-टर्न कराकर दम लेंगे।"

उन्होंने कहा "मोदी सरकार ने 100 दिनों में भारतीय रेल को बर्बाद कर दिया है। इस अवधि में 38 रेल हादसे हुए हैं जिनमें 21 लोगों की मौत हुई है। बालासोर हादसे के बाद लगा था कि सरकार उससे कुछ सबक सीखेगी, सरकार रेल को सुचारू रूप से चलाने का प्रबंध करेगी लेकिन आज भी कोई दिन नहीं बीतता, जब रेल हादसा न होता हो। असलियत ये है कि 21 मौतों के बाद भी कवच सालाना 2 किमी पर लग रहा है और देश के रेल मंत्री इसे बेशर्मी से 'छोटी- छोटी' घटनाएं बता रहे हैं।"

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फिर से न पनपने की हद तक खत्म होगा: शाह

जम्मू, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि जब तक केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार है, कोई भी ताकत जम्मू क्षेत्र में नब्बे के दशक की तरह के आतंकवाद को पुनर्जीवित नहीं कर सकती। श्री शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार आतंकवाद को इस हद तक खत्म कर देगी कि वह फिर से कभी नहीं पनप सके।

श्री शाह ने किश्तवाड़ क्षेत्र के पद्दार-नागसेनी विधानसभा क्षेत्र में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा,राष्ट्र-विरोधी और शांति-विरोधी तत्व जम्मू क्षेत्र में 90 के दशक जैसा माहौल वापस लाने की कोशिश कर रहे हैं। मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि हम आतंकवाद को जमीन से कई फुट नीचे धकेल देंगे, ताकि वह फिर से न पनपे।

उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के प्रमुख डॉ. फारूक अब्दुल्ला पर तीखा हमला करते हुए कहा,जब किश्तवाड़ में खून-खराबा अपने चरम पर था, तब वह कहां थे। उन्होंने

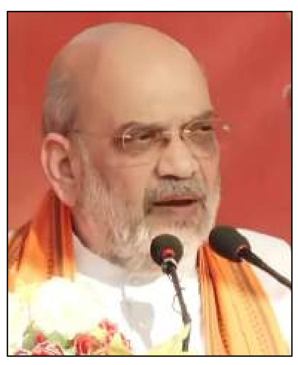

व्यंग्यात्मक लहजे में कहा,अगर वह यहां आते हैं तो उनसे पूछा जाना चाहिए। लेकिन मुझे पता है कि वह उस समय कहां थे। वह लंदन के समुद्र तटों पर मौज-मस्ती कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नेकां-कांग्रेस गठबंधन ने हमेशा से ही जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और अलगाववाद के लिए आधार तैयार किया है। उन्होंने कहा,इन पार्टियों ने महाराजा हरि सिंह को जम्मू-कश्मीर से खदेड़ दिया। बाद में, केवल उनका पार्थिव शरीर ही जम्मू-कश्मीर लौट सका। ये पार्टियां 1990 में कश्मीरी पंडितों के सामूहिक पलायन के लिए भी जिम्मेदार हैं।

छह सितंबर के बाद से अपने दूसरे दौरे पर जम्मू पहुंचे श्री शाह ने कहा कि ग्राम रक्षा गार्ड (वीडीजी) और विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) को नवीनतम हथियारों और शक्तियों से लैस किया गया है। उन्होंने कहा,यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि शांति भंग करने के लिए यहां आने वाले घुसपैठियों को पहाड़ों में ही दफनाया जाए और उन्हें अंदरूनी इलाकों में प्रवेश न करने दिया जाए। किसी को भी आतंकवाद के लिए भारतीय धरती का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा, यह अनुच्छेद भारत के इतिहास का पुराना अध्याय बन गया है।

भारत के संविधान में अनुच्छेद 370 के लिए अब कोई जगह नहीं : अमित शाह

किश्तवाड़। किश्तवाड में सोमवार को एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि एनसी और कांग्रेस कहती है कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे अनुच्छेद 370 को फिर से लागू करेंगे। उन्होंने कहा कि क्या अनुच्छेद 370 वापस होना चाहिए?... पहाड़ी और गुर्जर भाइयों को जो आरक्षण मिलता है, अनुच्छेद 370 बहाल होने पर वह नहीं मिल पाएगा। गृहमंत्री ने कहा कि मैं कश्मीर का माहौल देख रहा हूं, न तो फारूक अब्दुल्ला और न ही राहुल गांधी यहां सरकार बना रहे हैं। अनुच्छेद 370 अब इतिहास का हिस्सा बन चुका है। भारत के संविधान में अनुच्छेद 370 के लिए कोई जगह नहीं है। कश्मीर में कभी भी दो प्रधानमंत्री, दो संविधान और दो झंडे नहीं हो सकते। वहां केवल एक झंडा होगा और वह हमारा तिरंगा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मैंने गुर्जरों से वादा किया था कि पहाड़ियों को आरक्षण मिलेगा लेकिन इससे गुर्जर प्रभावित नहीं होंगे और अब मोदी सरकार ने गुर्जर आरक्षण को छुए बिना पहाड़ियों को आरक्षण दिया है। उन्होंने कहा कि अब गुर्जरों और पहाड़ियों को आदिवासी आरक्षण मिला है, अब आपके बच्चे भी कलेक्टर और डीएसपी बन सकते हैं।

सियासत: लालू यादव जैसी चालाकी करेंगे अरविंद केजरीवाल या चलेंगे हेमंत सोरेन की राह!

- आप नेता ने निकाला हल?
- राजनीतिक गर्माहट

दीपक कुमार तिवारी

नई दिल्ली/पटना। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल मंगलवार को इस्तीफा देंगे। रविवार को उन्होंने अपना फैसला सार्वजनिक कर दिया। उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि जेल से उनकी ही तरह जमानत पर रिहा हुए मनीष सिसोदिया भी सत्ता से दूर रहेंगे। संभव है इस बाबत दोनों में मशविरा हुआ हो। इसके साथ ही यह जिज्ञासा भी बढ़ गई है कि नया सीएम कौन बनेगा। कई नामों पर कयास लगाए जा रहे हैं। इनमें एक नाम अरविंद की पत्नी सुनीता केजरीवाल का भी है।

अरविंद केजरीवाल के जेल जाने पर पार्टी में उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल की काफी सक्रिता रही। 'इंडिया ब्लॉक' की बैठकों में वे शामिल होती रहीं और सोशल मीडिया पर अपने विचार जाहिर करती रही हैं। पार्टी की बैठकों में भी वे शामिल होती रही हैं। विपक्षी नेताओं से उनके संपर्क का दायरा भी बढ़ा है। इसलिए उनकी सीएम की

दावेदारी पुख्ता दिखती है। सीएम चयन का निर्णय आम आदमी पार्टी के विधायकों को लेना है, लेकिन सच यही है कि अरविंद केजरीवाल का निर्णय ही आखिरी होगा। ऐसे में इस बात की प्रबल संभावना है कि अरविंद अपनी पत्नी को ही यह मौका दें।

बिहार का सीएम रहते हुए लालू प्रसाद यादव के सामने जब चारा घोटाले में जेल जाने की नौबत आई तो उन्होंने अपनी पत्नी राबड़ी देवी को सीएम बना दिया था। हालांकि अरविंद केजरीवाल ने जेल जाने पर नया नजीर पेश किया। वे 177 दिन जेल में रहे, लेकिन इस्तीफा नहीं दिया। इस्तीफा देने का फैसला उन्होंने जमानत पर जेल से रिहाई के बाद लिया है। जेल जाने वाले सीएम, झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता हेमंत सोरेन भी रहे। उन्होंने लालू की तरह अपनी पत्नी को सीएम बनाने का निर्णय आखिरी वक्त में बदल दिया था। उन्होंने पार्टी के सीनियर लीडर चंपई सोरेन को सीएम बना दिया, जिसकी महंगी कीमत उन्हें चुकानी पड़ी। जेल से बाहर आते ही चंपई से उन्होंने सीएम की कुर्सी ले ली तो वे बिदक गए। बाद में चंपई ने भाजपा ज्वाइन कर ली। हेमंत की जमानत मिलने पर चंपई ने इसे सत्य की जीत बताया था। अब उन्हें हेमंत सरकार को कठघरे में खड़ा करने से परहेज नहीं है।

ऐसे में सवाल उठता है कि अरविंद केजरीवाल किस राह पर चलेंगे। वे हेमंत सोरेन जैसी गलती करेंगे या लालू की तरह समझदारी से काम लेंगे। सुनीता को अगर केजरीवाल सीएम बनाते हैं तो पार्टी में किसी विवाद की गुंजाइश नहीं दिखती। अरविंद केजरीवाल के त्याग के आगे पार्टी के लिए यह बड़ी बात नहीं होगी। सुनीता अभी विधायक नहीं हैं, लेकिन संवैधानिक प्रावधानों के हिसाब से वे सीएम बन सकती हैं। अलबत्ता उन्हें छह महीने के अंदर विधानसभा का सदस्य निर्वाचित होना होगा। दिल्ली में अगले साल फरवरी में विधानसभा के चुनाव होने हैं। तब तक ऐसे ही छह महीने निकल जाएंगे। उन्हें चुनाव लड़ने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। केजरीवाल भी फ्री होकर चुनाव प्रचार के काम कर सकेंगे।

अरविंद केजरीवाल को जमानत देते समय सुप्रीम कोर्ट ने जिस तरह की शर्तें लगाई हैं, उसमें बतौर सीएम वे काम नहीं कर पाते। ऐसे में उन्होंने एक तीर से कई निशाने साधे हैं। अगर सुनीता केजरीवाल को पार्टी ने सीएम बना दिया तो फैसले परोक्ष तौर पर अरविंद केजरीवाल ही लेंगे। इस्तीफा देकर उन्होंने जो विक्टिम कार्ड खेला है, उसका भी थोड़ा-बहुत लाभ मिलेगा ही। पार्टी और चुनाव के लिए भी उनके पास पर्याप्त समय होगा। इस्तीफा देकर वे यह भी दिखाना चाहते हैं कि उनके लिए सत्ता से अधिक जनता की चिंता है।

भारत में हम सात करोड़ घर बना रहे हैं: मोदी

गांधीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को यहां कहा कि भारत में हम सात करोड़ घर बना रहे हैं। ये दुनिया के कई देशों की आबादी से भी ज्यादा है।

श्री मोदी ने सुबह गांधीनगर में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लाभार्थियों से बातचीत करने के बाद गुजरात के गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में चौथे वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन और एक्सपो (री-इनवेस्ट) का उद्घाटन किया। उन्होंने इस दौरान कहा, आप सभी जानते हैं कि भारत की जनता ने 60 साल बाद लगातार किसी सरकार को तीसरा कार्यकाल दिया है। हमारी सरकार को मिले तीसरे कार्यकाल के पीछे भारत की बहुत आकांक्षायें हैं। आज 140 करोड़ भारतवासियों, युवाओं और महिलाओं को भरोसा है कि उनकी आकांक्षाओं को पिछले 10 साल में जो पंख लगे हैं। वे इस तीसरे कार्यकाल में एक नई उड़ान भरेंगे।

देश के गरीब, दलित, पीड़ित, शोषित और वंचित को भरोसा है

कि हमारा तीसरा टर्म उनके गरिमापूर्ण जीवन जीने की गारंटी बनेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 140 करोड़ भारतीय देश को तेजी से टॉप तीन इकॉनोमी में पहुंचाने का संकल्प लेकर काम कर रहे हैं। एक बड़ी दूरदर्शिता, एक बड़े मिशन का हिस्सा है, ये 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की हमारे कार्रवाई योजना का हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि हमारे पहले 100 दिनों में हमारी प्राथमिकता, 'स्पीड और स्केल' की भी एक झलक मिलती है। इस दौरान हमने हर उस 'सेक्टर और फैक्टर' पर ध्यान दिया है, जो भारत के तेज विकास के लिये जरूरी है।

उन्होंने कहा, इन 100 दिनों में भौतिक और सामाजिक अवसरंचना के विस्तार के लिये अनेक महत्वपूर्ण फैसले लिये गये हैं। हमारे विदेशी अतिथियों को ये जानकर हैरानी होगी कि भारत में हम सात करोड़ घर बना रहे हैं। ये दुनिया के कई देशों की आबादी से भी ज्यादा है। सरकार के पिछले दो कार्यकाल में हम इसमें से चार करोड़ घर बना चुके हैं और तीसरे कार्यकाल में हमारी सरकार ने तीन करोड़ नये घर बनाने का काम शुरू भी कर दिया है।

केजरीवाल की दिल्ली में समय से पहले चुनाव कराने की अपील

संभव तभी जब चुनाव आयोग तैयार होगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार का मौजूदा कार्यकाल 23 फरवरी 2025 को समाप्त होने वाला है। इससे पहले ही आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे का ऐलान कर दिया है। अपनी जगह वह किसे मुख्यमंत्री बनाएंगे, इस पर मंथन शुरू हो चुका है। उधर, जिस तरह कार्यकताओं से संवाद के दौरान केजरीवाल ने समय से पहले दिल्ली में विधानसभा चुनाव कराने की अपील की है, ऐसे में सियासी गलियारे में चर्चा शुरू हो गई है कि क्या दिल्ली में भी महाराष्ट्र और झारखंड के साथ ही विधानसभा चुनाव होंगे?

हालांकि, चुनाव केंद्र की मर्जी पर निर्भर करता है। केंद्र के आदेश पर ही चुनाव आयोग दिल्ली में समय से पहले चुनाव की घोषणा कर सकता है। इसके लिए अअढ

को पहले विधानसभा भंग कर नए विधानसभा गठन की सिफारिश उपराज्यपाल से करनी होगी। राज्य निर्वाचन आयोग के कमिश्नर रहे विजय देव के अनुसार, समय से पहले चुनाव संभव है, लेकिन यह पूरी तरह से चुनाव आयोग पर निर्भर करता है। इसके लिए सत्तारूढ़ राजनीति दल को कैबिनेट बैठक बुलानी होती है और उपराज्यपाल को विधानसभा भंग करने और अगली विधानसभा के गठन की प्रक्रिया शुरू करने की सिफारिश करनी होगी।

चुनाव पहले कराने के लिए आयोग को करना होगा पूरा आकलनः उन्होंने बताया कि इसके अलावा चुनाव आयोग को कई अन्य पहलुओं पर भी विचार करना होगा। जैसे वोटर लिस्ट तैयार है या नहीं, चुनाव के दौरान पर्याप्त पुलिस वालों की उपलब्धता, पैरा मिलिट्री फोर्स उपलब्ध है या नहीं? इसके अलावा चुनाव में खर्च होने वाली धनराशि की स्थिति का भी आकलन होता है। मौजूदा स्थितियों में उपयुक्त सभी कुछ तय होने के बाद ही चुनाव समय से पहले कराया जा सकते हैं।

24 दिसंबर तक अपडेट होना है वोटर लिस्टः पिछले दिनों ही भारत के निर्वाचन आयोग के आदेशों के बाद दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की तरफ से दिल्ली की वोटर लिस्ट को अपडेट करने के लिए एक पूरा शेड्यूल जारी किया था। साथ ही दिल्ली के लोगों के लिए एक अपील भी जारी की गई है, जिसमें वोटर लिस्ट बनवाने से लेकर, कटवाने, संशोधन करवाने और खास तौर पर 1 जनवरी, 2025 को 18 साल के होने वाले युवाओं को भी वोटर लिस्ट में अपना नाम रजिस्टर्ड करने की विशेष अपील की गई है।

इसी महीने की शुरूआत में चुनाव आयोग ने दिल्ली ऑफिस को आदेश दिया है कि स्पेशल समरी रिवीजन के तहत 1 जनवरी, 2025 तक वोटर बनने वाले लोगों को इसमें शामिल किया जाए। वोटर लिस्ट को अपडेट करने की तारीख 24 दिसंबर 2024 निर्धारित की गई है। यानी इस तारीख के बाद दिल्ली में वोटर बनाने का कार्य बंद हो जाएगा। इस तारीख तक दिल्ली के मतदाताओं की तरफ से मिले दावों और आपत्तियों का समाधान किया जा सकेगा और फाइनल वोटर लिस्ट 6 जनवरी, 2025 को प्रकाशित की जाएगी।

शेड्यूल जारी होने के करीब छह महीने पहले आयोग शुरू करता है तैयारियांः दिल्ली वाले अगर वोटर लिस्ट में किसी तरह के दावे और आपत्ति जताना चाहते हैं तो उसके लिए 29 अक्टूबर से 28 नवंबर 2024 के बीच में दावा किया जा सकता है। दिल्ली सीईओ ऑफिस की तरफ से 29 अक्टूबर, 2024 को एकीकृत ड्राफ्ट रोल को प्रकाशित किया जाएगा। अधिकारी बताते हैं कि किसी भी राज्य में चुनाव जब शेड्यूल होता है उससे करीब छह महीने पहले ही आयोग तैयारियां शुरू कर देता है। दिल्ली विधानसभा चुनाव फरवरी में निर्धारित है इसलिए यह तैयारियां शुरू की गई है।

जनित बीमारी के मामलों में वृद्धि दिल्ली में डेंगू से पहली मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। वेक्टर (परजीवी, वायरस और बैक्टीरिया) जनित बीमारी के मामलों में वृद्धि के बीच दिल्ली में इस साल डेंगू से पहली मौत दर्ज हुई है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि पिछले हफ्ते लोक नायक अस्पताल में 54 वर्षीय एक व्यक्ति की डेंगू से मौत हो गई। इस व्यक्ति को पूर्वी दिल्ली के गांधी नगर के रहने वाले 27 अगस्त को लोक नायक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आधिकारिक रिकार्ड के अनुसार, उसे आठ सितंबर को मृत घोषित कर दिया गया। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि अभी डेंगू से पीड़ित पांच मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। उनका उपचार किया जा रहा है। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के अधिकारियों के मुताबिक, इस साल राष्ट्रीय राजधानी में डेंगू के 650 से अधिक मामले सामने आए हैं। 2023 में दिल्ली में डेंगू के 9,266 मामले और 19 मौतें दर्ज की गईं थी। पिछले साल के जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले नगर निकाय ने डेंगू के मामलों और मौतों पर साप्ताहिक रिपोर्ट जारी करना बंद कर दिया था, हालांकि नगर निगम समय समय पर डेंगू के प्रति लोगों को जागरूक करती है। राजधानी दिल्ली में डेंगू से पहली मौत होने का दावा भाजपा ने किया है।

निगम में नेता प्रतिपक्ष राजा इकबाल सिंह व भाजपा दिल्ली प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि बार-बार निगम की आप सरकार को चेतावनी देने के बाद भी कोई कदम मच्छर जनित बीमारियों को लेकर जमीनी स्तर पर उठाए जा रहे हैं। राजा इकबाल सिंह ने कहा कि खेदपूर्ण है कि बढ़ती वर्षा, जलजमाव एवं गंदगी के बावजूद महापौर ने मच्छर रोधी अभियान पर बिल्कुल ध्यान नही दिया, सिर्फ बयानबाजी की और उसके कारण दिल्ली की स्थिती पूरी तरह बिगड़ गई है और आज डेंगू मलेरिया दिल्ली में पैर पसार रहे हैं।

सीएम केजरीवाल के इस्तीफे के ऐलान के बाद हुई आप पीएसी की बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। आबकारी नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कार्यकताओं को संबोधित करने के दौरान अपने इस्तीफे का ऐलान कर दिया। उनके ऐलान के बाद राष्ट्रीय राजधानी की सियासी फिजा में हलचल तेज हो गई। मुख्यमंत्री कल (17 सितंबर) अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इस बीच, आज मुख्यमंत्री के आवास पर पीएसी (पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी) की बैठक हुई। बैठक में अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय शर्मा, दुर्गेश पाठक, आतिशी, गोपाल राय, इमरान हुसैन, राघव चड्ढा, राखी बिड़लान, पंकज गुप्ता, एनडी गुप्ता शामिल हुए।

इस बीच आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा, ह्वभारतीय जनता पार्टी की नाराजगी का आलम यह है कि ये लोग अब एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के पीछे पड़ चुके हैं। इसके लिए बीजेपी ने

पूरी ताकत लगा दी है। केजरीवाल जब जेल से बाहर निकले, तो उन्होंने सत्ता का सुख भोगना जरूरी नहीं समझा। उन्होंने लोगों के हितों को ज्यादा सर्वोपरि समझा। केजरीवाल ने दो टूक कह दिया कि जब तक दिल्ली की जनता नहीं कह देगी, मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा।ह्व भारद्वाज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आड़े हाथों लेते हुए कहा कि अब उनकी साजिश का पदार्फाश हो चुका है। देश की जनता इनके कुचक्र को समझ चुकी है, लेकिन इन लोगों से अब कुछ खास होने वाला नहीं है।

केजरीवाल के इस्तीफे के ऐलान के बाद लोगों के जेहन में यही सवाल है कि अब दिल्ली की कमान किसे सौंपी जाएगी? आखिर कौन होगा वो शख्स, जिसे आम आदमी पार्टी मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंप सकती है। इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी तो सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि शीर्ष नेतृत्व आतिशी, सुनीता केजरीवाल, गोपाल राय, कैलाश गहलोत और सौरभ भारद्वाज में से किसी का एक नाम सीएम पद के लिए फाइनल कर सकता है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने पद से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया था। इस पर बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि आखिर उन्हें अब इस्तीफा देना ही पड़ रहा है।

कांग्रेस नेता देवेंद्र यादव ने कहा कि उन्हें काफी पहले ही इस्तीफा दे देना चाहिए था। जिस तरह से पिछले चार महीने से दिल्ली की जनता विभिन्न प्रकार की दुश्वारियों से जूझ रही है, उसे ध्यान में रखते हुए उन्हें तो काफी पहले ही इस्तीफा दे देना चाहिए था, लेकिन उन्होंने नहीं दिया। इससे पहले जब सीएम केजरीवाल को आबकारी नीति मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी, तो आम आदमी पार्टी ने इसे सत्य की जीत बताया था। आप नेताओं ने एक सुर में कहा था कि सत्य को परेशान किया जा सकता है, लेकिन पराजित नहीं।

केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का फैसला मजबूरी में लिया: भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सोमवार को कहा कि आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल का मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देना 'मयार्दा' का पालन नहीं, बल्कि 'मजबूरी' में लिया गया फैसला।

सचदेवा ने आरोप लगाया कि केजरीवाल के शासन में दिल्ली सरकार का कोई भी विभाग भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं है।

आबकारी नीति मामले में जमानत पर तिहाड़ जेल से रिहा होने के दो दिन बाद रविवार को केजरीवाल ने कहा था कि वह 48 घंटे के भीतर अपने पद से इस्तीफा दे देंगे और दिल्ली में समय पूर्व चुनाव कराने की मांग करेंगे।

केजरीवाल ने कहा कि जब

तक लोग उन्हें "ईमानदारी का प्रमाणपत्र" नहीं दे देते, तब तक वह मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए सचदेवा ने कहा, "अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा देना मयार्दा का पालन नहीं, बल्कि एक मजबूरी है। उच्चतम न्यायालय ने साफ कह दिया है कि वह अपने दफ्तर नहीं जा सकते, किसी फाइल पर दस्तखत नहीं कर सकते, तो फिर केजरीवाल के पास क्या विकल्प था?"

उन्होंने दावा किया कि केजरीवाल ने इस मजबूरी को गरिमा के रूप में पेश करने की कोशिश की है और दिल्ली की जनता इसे समझती है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सवाल किया, "मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि वह जनता के बीच जाएंगे। मैं केजरीवाल को चुनौती देता हूं कि वह मेरे साथ उन घरों में चले जहां परिवारों ने अपने सदस्यों को खोया है। क्या केजरीवाल में उन लोगों के घर जाने की हिम्मत है, जिनकी भ्रष्टाचार के कारण मौत हो गई, नालों की सफाई नहीं होने और जलभराव के कारण जिन लोगों ने जान गंवाई?"

सचदेवा ने आरोप लगाया कि दिल्ली जल बोर्ड, स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग समेत ऐसा कोई विभाग नहीं है, जहां पिछले 10 वर्षों के दौरान भ्रष्टाचार नहीं हुआ हो।

उन्होंने केजरीवाल पर आरोप लगाते हुए कहा, "अदालत ने आपको आपकी चोरी के कारण जेल भेजा और आपको दिल्ली की जनता को जवाब देना होगा। जहां तक चुनाव का सवाल है, नवंबर तक इंतजार मत कीजिए, अक्टूबर में चुनाव कराइए। भाजपा तैयार है और दिल्ली की जनता भी तैयार है और वो जल्द से जल्द भ्रष्ट मुख्यमंत्री से छुटकारा पाना चाहती है।"

अस्पतालों में इंजेक्शन नहीं दर्द से तड़प रहे हीमोफीलिया के मरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। पटेल नगर के मुकुल गांधी हीमोफीलिया की बीमारी से जूझ रहे हैं। इंजेक्शन की डोज न मिलने से उन्हें असहनीय दर्द हो रहा है और चल तक नहीं पा रहे हैं। वह रविवार को जीटीबी अस्पताल की इमरजेंसी में हीमोफीलिया का इंजेक्शन लगवाने के लिए गए। इंजेक्शन न होने की बात कहकर उन्हें लौटा दिया गया। उन्होंने बताया कि करीब एक साल से इंजेक्शन नहीं मिल रहा है। अब तक हीमोफीलिया से ग्रसित एक मरीज की जान जा चुकी है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि सरकारी अस्पतालों में इसका इंजेक्शन उपलब्ध करा कर हीमोफीलिया के मरीजों को जान बचा लें। यह दर्द केवल मुकुल का ही नहीं, मुन्ना राय, दीपक, राहुल कुमार समेत दर्जनों मरीजों का है। एनएनजेपी अस्पताल में इंजेक्शन न मिलने की वजह से शनिवार को यह सभी मरीज डीडीयू अस्पताल गए। इंजेक्शन नहीं होने की बात कहकर उन्हें लौटा दिया गया। इसके बाद रविवार को सभी मरीज जीटीबी अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचे। यहां भी मरीजों को इंजेक्शन नहीं मिला। मुन्ना राय बताते हैं कि इंजेक्शन न मिलने की वजह से पैर में असहनीय दर्द हो रहा है। वह लंगड़ा कर चल रहे हैं।

राहुल कुमार को भी यही बीमारी है। राहुल का कहना है कि इसकी वजह से वह नौकरी पर भी नहीं जा पा रहे हैं। मुकुल बताते हैं कि दिल्ली के एनएनजेपी, डीडीयू और जीटीबी अस्पताल में हीमोफिलिया के इलाज की व्यवस्था है। लेकिन यहां करीब एक साल से इंजेक्शन नही मिल पर रहा है। ऐसे में मरीज की जान पर खतरा मंडरा रहा है। प्राइवेट अस्पताल में इसका हर महीने के इलाज खर्च लाखों रुपये है।

मिशन एडमिशन : डीयू में स्पॉट राउंड के पहले चरण के दाखिले 18 से

विश्वविद्यालय प्रशासन की घोषणा, 18 सितंबर से शुरू होगा स्पॉट राउंड

- राउंड के लिए खाली सीटों की जानकारी 18 सितंबर को जारी की जाएगी
- 18-19 सितंबर को हो सकेंगे आवेदन, अपग्रेड व दाखिला वापस लेने का अवसर नहीं मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के तहत स्नातक प्रोग्राम में दाखिले के तीन राउंड संपन्न होने के बाद अब भी सीटें खाली हैं। ऐसे में डीयू सीटों की समीक्षा के बाद दुबारा से दाखिला प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। सीटों को भरने के लिए स्पॉट राउंड-1 शुरू करने की घोषणा की गई है। स्पॉट राउंड-1 की शुरूआत 18 सितंबर सुबह 10 बजे से होगी। इसी समय पर डीयू की ओर से खाली सीटों की जानकारी जारी की जाएगी। जिसके आधार पर छात्र खाली सीटों पर दाखिले के लिए आवेदन कर सकेंगे। इस राउंड में वह ही छात्र दाखिला पाने के योग्य होंगे जिन्हें अब तक कहीं दाखिला नहीं मिल सका है। वहीं, छात्रों को अपनी सीट को अपग्रेड व दाखिला वापिस लेने (विद ड्रा) का अवसर नहीं मिलेगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय दाखिला डीन प्रो हनीत गांधी के अनुसार, 15 सितंबर तक 72,263 दाखिले हो चुके हैं। अब खाली सीटों को भरने के लिए स्पॉट राउंड-1 आयोजित करने जा रहे हैं। इससे पहले 18 सितंबर सुबह 10 बजे खाली सीटों की जानकारी छात्रों के डैश बोर्ड पर प्रदर्शित की जाएगी। खाली सीटों पर दाखिले के लिए छात्र 18 सितंबर सुबह 10 बजे से 19 सितंबर शाम 4:59 मिनट तक आवेदन कर सकेंगे। आवेदन के आधार पर छात्रों को सीट का आवंटन 21 सितंबर दोपहर तीन बजे तक किया जाएगा। डीयू में दाखिले के लिए तीन राउंड हुए, अंतिम राउंड (तीसरे) की प्रक्रिया 15 सितंबर को ही संपन्न हुई है। इसके बाद भी सीटें बचने पर स्पॉट राउंड से दाखिले किए जाने की घोषणा की गई है। इसमें वह छात्र दाखिला लेने के योग्य होंगे, जिन्हें 17 सितंबर शाम पांच बजे तक कहीं दाखिला नहीं मिला होगा।

फ्रीज मोड में चला जाएगा छात्रों का डैश बोर्ड

वहीं, अब तक दाखिला पाए सभी छात्रों का डैशबोर्ड अब फ्रीज मोड पर चला जाएगा और वह अपने पहले वाले दाखिले को वापस नहीं ले सकेंगे। इस राउंड में हिस्सा लेने के लिए छात्रों को अपने डैशबोर्ड के माध्यम से स्पॉट राउंड-1 का विकल्प चुनना होगा। दाखिला लेने के इच्छुक छात्र केवल उन्हीं कार्यक्रम-कॉलेज संयोजनों का चयन कर सकेंगे, जहां श्रेणी के अनुसार सीटें खाली होंगी। इस तरह से सीट की उपलब्धता के आधार पर ही सीट का आवंटन होगा। पहले के राउंड की तरह ही इस राउंड में भी छात्रों के लिए आवंटित सीट को स्वीकार करना जरूरी होगा। यदि वह सीट को स्वीकार नहीं करते तो वह कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस यूजी) से बाहर हो जाएंगे। इस स्पॉट एडमिशन राउंड में आवंटित सीट अंतिम होगी और स्पॉट एडमिशन के किसी भी बाद के राउंड में अपग्रेड नहीं की जाएगी। मालूम हो कि डीयू की करीब 71600 सीटों के लिए अब तक 72263 दाखिले हो चुके हैं। बताया जा रहा है कि अब भी विभिन्न कॉलेजों में करीब तीन हजार सीटें खाली हैं। इनमें अधिकतर खाली सीटें आरक्षित श्रेणी की ही हैं।

महत्वपूर्ण बातें

-उम्मीदवार केवल उन पाठ्यक्रम और कॉलेज के संयोजनों का चयन कर सकते हैं, जहां रिक्त सीटें उपलब्ध हैं।

-स्पॉट राउंड में आवंटित सीट पर प्रवेश लेना अनिवार्य होगा।

-यदि आवंटित सीट को स्वीकार नहीं किया गया तो उम्मीदवार की प्रवेश की पात्रता समाप्त हो जाएगी और वह सीएसएएस यूजी 2024 प्रक्रिया से बाहर हो जाएगा।

-इस राउंड में सीट को अपग्रेड या वापस लेने का कोई विकल्प नहीं होगा।

ये हैं प्रमुख तिथियां

-रिक्त सीटों का विवरणः 18 सितंबर 2024, बुधवार सुबह 10:00 बजे

-स्पॉट राउंड-1 के लिए आवेदनः 18 सितंबर 2024, सुबह 10:00 बजे से 19 सितंबर 2024, रात 11:59 बजे तक

-आवंटन की घोषणाः 21 सितंबर 2024, शनिवार दोपहर 3:00 बजे

-आवंटित सीट को स्वीकार करनाः 21 सितंबर 2024, दोपहर 3:00 बजे से 22 सितंबर 2024, रात 11:59 बजे तक

-कॉलेज द्वारा ऑनलाइन आवेदन की पुष्टिः 21 सितंबर 2024, शनिवार दोपहर 3:00 बजे से 23 सितंबर 2024, शाम 4:59 बजे तक

एक नजर

65 साल में सिर्फ 11 छात्राएं ही बनीं अध्यक्ष

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव 70वें साल में प्रवेश कर रहा है। विश्व के सबसे बड़े छात्र संघ चुनावों में शुमार डूसू में आधी आबादी की भागीदारी बेहद कम रही है। यह तब है जब विश्वविद्यालय में हर वर्ष छात्राओं का नामांकन छात्रों से अधिक रहता है। 65 सालों में हुए चुनावों में सिर्फ 11 छात्राएं ही अध्यक्ष रही हैं। डूसू में महिलाओं के लिए दो सीट आरक्षित करने के लिए हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। डीयू को इस पर फैसला लेना है। लेकिन, अधिकारियों का कहना है कि इस वर्ष इस पर कोई फैसला आना मुश्किल है। डूसू चुनाव 1954 से हो रहे हैं। आखिरी बार 2008 में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की प्रत्याशी नूपुर शर्मा अध्यक्ष चुनी गईं थीं। इससे पहले 1954 से 88 तक यानी 24 साल तक पुरुष ही अध्यक्ष रहे थे। 1989 में पहली बार महिला अंजू सचदेवा महिला अध्यक्ष चुनीं गईं थीं। एनएसयूआइ के दिल्ली प्रभारी हनी बग्गा ने कहा, छात्राओं के लिए अलग से घोषणापत्र ला रहे हैं। टिकट में उनकी बराबर भागीदारी हो, इसका पक्षधर संगठन हमेशा से रहा है। हालांकि वाम छात्र संगठन छात्राओं को टिकट देते हैं, लेकिन विश्वविद्यालय में उनका प्रभाव बेहद कम है। हाई कोर्ट में दाखिल याचिका पर डीयू प्राक्टर प्रो. रजनी अब्बी ने कहा, इस वर्ष आरक्षण पर विश्वविद्यालय की ओर से फैसला थोड़ा मुश्किल है। आने वाले वक्त में कोई फैसला लेने पर विचार किया जा सकता है।

34वां उर्दू ड्रामा फेस्टिवल 16 सितंबर से मंडी हाउस में होगा आयोजित

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के अंतर्गत उर्दू अकादमी 34वां उर्दू ड्रामा फेस्टिवल 16 सितंबर से 20 सितंबर को श्रीराम सेंटर, मंडी हाउस, नई दिल्ली में आयोजित करने जा रही है। ड्रामा फेस्टिवल में रोज नए -नए नाटकों का मंचन होगा। 16 सितम्बर को 'हंगामा है क्यों बर्पा', 17 सितम्बर को 'बी-लीवास', 18 सितम्बर को 'सराब-इ -तमन्ना', 19 सितम्बर को 'एका खूबसूरत औरत' और 20 को 'फरेब हस्ती' का आयोजन किया जाएगा। नाटक अलग-अलग निर्देशको के माध्यम से प्रस्तुत किये जाएंगे। कार्यक्रम के पहले दिन दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में खाद्य एवं रसद विभाग मंत्री इमरान हुसैन भी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि पांच दिनों तक चलने वाले कार्यक्रम में प्रवेश निशुल्क है।

संदिग्ध हालात में युवक की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहदरा जिला के जीटीबी अस्पताल परिसर में एक युवक की संदिग्ध हालात में मौत का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान अमित कुमार (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया।

अगले दिन परिजनों को उसकी पहचान के लिए बुलाया गया तो चौका देने वाला खुलासा हुआ। मृतक के शरीर पर चोट के निशान थे। इसके अलावा उसके चेहरे से खून भी बह रहा था। परिजन ने अमित की मौत पर संदेह जताते हुए उसकी हत्या की आशंका जताई है। पुलिस इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही है कि अमित की मौत कैसे हुई? इसके अलावा मरने के बाद उसके शव को चोट किसने पहुंचाई। पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से बुलंदशहर यूपी का रहने वाला अमित कुमार पिछले करीब सात साल से दिल्ली में रह रहा था। वह जीटीबी अस्पताल परिसर में रहने वाले डॉ. ऋतुराज के पास घरेलू सहायक की नौकरी करता था। अमित के भाई जितेंद्र ने बताया कि आखिरी बार चार सितंबर को उसकी भाई से बात हुई थी। पांच को शव मिला था। पुलिस ने मामले की जांच करने के बाद 15 सितंबर को केस दर्ज किया।

एनसीडीआरसी के सभी मामले हाईकोर्ट के लिए उपयुक्त नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। अदालत ने कहा कि एनसीडीआरसी का दफ्तर दिल्ली में होने से सभी मामले दिल्ली हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र में नहीं आते। न्यायमूर्ति मनोज जैन ने सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले को आधार बनाते हुए कहा कि एनसीडीआरसी के निर्णयों को चुनौती देने का अधिकार उस हाईकोर्ट के पास है जहां कार्रवाई का मूल कारण उत्पन्न हुआ था। पीठ ने कहा कि एनसीडीआरसी के सभी निर्णय को चुनौती देने के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय उपयुक्त मंच नहीं हो सकता है। पीठ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि न्यायिक समीक्षा के उपाय को केवल दिल्ली तक सीमित करना भारत के संविधान की भावना के विपरीत होगा।

तीन दिनों में डेंगू से पीड़ित दो मरीजों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में बीते तीन दिनों में डेंगू से दूसरी मौत का मामला सामने आया है। ताजा मामले में 10 सितंबर से सफदरजंग अस्पताल में भर्ती डेंगू से पीड़ित 32 वर्षीय मरीज की मौत हो गई। इससे पहले बीते सप्ताह लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में 54 वर्षीय मरीज की मौत हुई थी। हालत यह है कि इस साल दिल्ली में डेंगू के 650 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं।

सफदरजंग अस्पताल के मुताबिक, मरीज डेंगू हेमरेजिक फीवर (डेंगू की गंभीर स्थिति) से पीड़ित था। उसका इलाज शुरू किया गया, लेकिन हालत पहले से ही गंभीर होने के कारण परेशानी और बढ़ती चली गई। वह मल्टीपल ऑर्गन डिफ्यूजन सिंड्रोम की स्थिति में पहुंच गया। इसके बाद उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक ऐसी स्थिति मरीज के लिए खतरनाक हो जाती है और इसमें उसके बचने की संभावना बेहद कम हो जाती है।

24 घंटे में डेंगू के 13 संदिग्ध मरीज भर्तीः सफदरजंग अस्पताल में पिछले 24 घंटे में डेंगू के 13 संदिग्ध मरीज भर्ती हुए हैं। इससे पहले डेंगू से पीड़ित 15 मरीजों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। एक जुलाई से अब तक अस्पताल में डेंगू के 74 मरीज भर्ती हुए हैं। वहीं, लोकनायक अस्पताल समेत दिल्ली के अन्य अस्पतालों में भी बड़ी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं।

चोरी के मोबाइल फोनों की बांग्लादेश में तस्करी करने के तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने चोरी के मोबाइल फोन की बांग्लादेश में तस्करी करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उनकी गिरफ्तारी से दिल्ली में दर्ज चोरी के 10 मामलों का खुलासा हुआ है और उनके कब्जे से 60 महंगे मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मोरजेन हुसैन (35), मिठू शेख (28) और मोहम्मद आशिक (26) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि जांच से पता चला है कि चोरी किए गए मोबाइल फोन भारत से बाहर बांग्लादेश जैसे देशों में तस्करी किए जा रहे थे जहां इन मोबाइल फोन को अवैध तरीके से बेच दिया जाता था। पुलिस उपायुक्त (अपराध) राकेश पावरिया ने बताया, ह्यएक गुप्त सूचना मिली थी कि तीन संदिग्ध मोरजेन हुसैन, मिठू शेख और आशिक बड़ी संख्या में चोरी के मोबाइल फोन ले जा रहे हैं। एक टीम गठित करके उन्हें न्यू सीमापुरी इलाके में एक किराए के मकान से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी हुसैन को एनआईए ने भारत-बांग्लादेश सीमा के जरिए पाकिस्तान से 500 और 1000 रुपये के नकली भारतीय नोटों की तस्करी के सिलसिले में गिरफ्तार किया था और जेल से बाहर आने के बाद उसने कथित तौर पर चोरी के मोबाइल फोन का कारोबार शुरू कर दिया।

ग्रेटर नोएडा में हुआ फेलिक्स हॉस्पिटल का सॉफ्ट लांच

फेलिक्स हॉस्पिटल ने कुछ दिन पहले ही किया है चौहान संजीवनी हॉस्पिटल का टेकओवर

- डॉ. डी.के. गुप्ता ने किया ग्रेटर नोएडा में फेलिक्स हॉस्पिटल का शुभारंभ, कहा ग्रेटर नोएडा के लोगों को मिलेंगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा

ऋषि तिवारी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के प्लॉट नंबर एनएच - 14 ब्लॉक सी, गामा 1 में सोमवार को चेयरमैन डॉ. डी.के. गुप्ता और निदेशक डॉ. रश्मि गुप्ता ने फेलिक्स हॉस्पिटल में पूजा अर्चना कर हॉस्पिटल का सॉफ्ट लांच किया। डॉ. डी.के. गुप्ता ने बताया कि फेलिक्स हॉस्पिटल जो अपनी उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाओं के लिए जाना जाता है कुछ दिन पहले ही चौहान संजीवनी अस्पताल का आधिकारिक रूप से टेकओवर किया है। सोमवार को इसका नए तरीके से विधिवत शुभारंभ किया गया है।

अस्पताल अपनी चिकित्सा सेवाओं का विस्तार करते हुए स्थानीय समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के प्रयास में है। अस्पताल को टेक ओवर के बाद बेहतर और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। इसमें अकसे लैश कैथ लैब, 1.5 टेसला टफ्क, एडवांस उळ मशीन, मॉडुलर डळ, क्ळव एवं अन्य अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी`इस नए और उन्नत अस्पताल का उद्देश्य है कि ग्रेटर नोएडा और आसपास के क्षेत्रों में सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएं। हमारा लक्ष्य न केवल रोगियों को अत्याधुनिक चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है, बल्कि उन्हें एक ऐसा वातावरण भी प्रदान करना है जो संपूर्ण स्वास्थ्य का ख्याल रखे। ग्रेटर नोएडा के फेलिक्स अस्पताल में भी मल्टीस्पेशियलिटी सुविधाएं मिलेंगी। अस्पताल का मुख्य उद्देश्य है कि हर व्यक्ति को स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ और सस्ती दरों पर मिले।

फेलिक्स अस्पताल नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा में अब कुल मिलकर 800 बेड्स लाने वाला है। फेलिक्स ने नोएडा में जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने के उद्देश्य से नोएडा के अनेक सेक्टर्स में अस्पताल, पॉलीक्लीनिक एवं मेडिकल रूम स्थापित किए है। जिसमें नोएडा के सेक्टर 137, सेक्टर 135, सेक्टर 100, सेक्टर 143, सेक्टर 150, सेक्टर 144, सेक्टर 168, दिल्ली का न्यू अशोक नगर एवं ग्रेटर नोएडा शामिल है। अस्पताल को विभिन्न प्लेटफॉर्म जैसे एबीपी न्यूज, जी न्यूज, दैनिक जागरण, रोटरी क्लब, एसोचैम एवं फिक्की) पर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए सम्मान मिल चुका है। फेलिक्स हॉस्पिटल की मेनेजिंग डायरेक्टर डॉ. रश्मि गुप्ता ने बताया कि हमारा उद्देश्य नए अस्पताल के माध्यम से अपने चिकित्सा सेवाओं के स्तर को और ऊंचा उठाना और ग्रेटर नोएडा के लोगों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है।इस टेक ओवर के साथ ही उन्होंने घोषणा की है कि वे ग्रेटर नोएडा के नए फेलिक्स हॉस्पिटल में नई सुविधाओं और सेवाओं का विस्तार करेंगे, जिसमें 2477 आपातकालीन सेवाएं, विशेष चिकित्सा क्लिनिक और अत्याधुनिक डायग्नोस्टिक के साथ -2 हृदय रोग, नेफ्रोलॉजी, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी, न्यूरोलॉजी, और ऑन्कोलॉजी जैसी विशेषताएं शामिल होंगी।

आर्म्स एक्ट में पुलिस ने की धड़पकड़, अवैध हथियार बरामद

ऋषि तिवारी

ग्रेटर नोएडा। इकोटेक-1 थाना पुलिस ने सोमवार को आर्म्स एक्ट में एक युवक को गिरफ्तार किया है। जिसके पास से अवैध पिस्टल के साथ ही एक जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ है। लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूत्रों से अवैध हथियार का इस्तेमाल करने वाले अभियुक्त की जानकारी मिली थी। जिसपर एक्शन लेते हुए पुलिस ने अभियुक्त को डिक्सन कंपनी के आगे पीपली मंदिर के पास से गिरफ्तार किया है। अभियुक्त की पहचान सुन्दर नागर पुत्र फिरेराम के तौर पर हुई है।

पुलिस ने अभियुक्त को आर्म्स एक्ट में पकड़ा है। पुलिस को अभियुक्त के पास से एक अवैध पिस्टल.32 बोर मय और 1 जिंदा कारतूस .32 बोर बरामद हुआ है। आपको बता दें, आर्म्स एक्ट, 1959 भारत की संसद का एक अधिनियम है जो अवैध हथियारों और उनसे उत्पन्न हिंसा को रोकने के लिए हथियारों और गोला-बारूद से संबंधित कानून को समेकित और संशोधित करता है।

भूमिपूजन कर श्रीरामलीला मंचन की तैयारियों शुरू

ऋषि तिवारी

नोएडा। श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति ने आज सेक्टर-62,नोएडा के रामलीला मैदान में भूमिपूजन कर श्रीरामलीला मंचन की तैयारियों का श्रीगणेश कर दिया।आज से रामलीला की विधिवत तैयारियाँ शुरू हो गईं हैं।

इस शुभ अवसर पर श्रीराम मित्र मंडल नोएडा के चेयरमैन उमशंकर गर्ग, अध्यक्ष धर्मपाल गोयल, महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष राजेंद्र गर्ग,सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल,पवन गोयल, मुकेश अग्रवाल, एसएमगुप्ता, मुकेश गोयल,मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता, चक्रपाणि गोयल, मनीष गोयल,गिरिराज बहेड़िया, डॉ.एसपीजैन,शांतनु मित्तल,मनीष गुप्ता, साहिल चौधरी, कुलदीप गुप्ता, सुधीर पोरवाल, मोतीराम गुप्ता, अर्जुन अरोड़ा, आर के उप्रेती सहित शहर के अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। पूजा के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मणजी, और हनुमान जी की विशेष पूजा की गई, और इसके बाद आरती और प्रसाद वितरण किया गया।

श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के महासचिव मुन्ना कुमार शर्मा ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया एवं कहा कि इस वर्ष रामलीला मंचन 3 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक भव्य रूप में आयोजित की जाएगी, जिसमें 55 से अधिक कलाकार अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।07 अक्टूबर को श्रीराम बारात शोभायात्रा निकाली जायेगी।समिति के चेयरमेन उमाशंकर गर्ग एवं अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने सभी उपस्थितजनों को धन्यवाद दिया।मंचन के लिए 150 फुट के स्टेज को तीन हिस्सों में विभाजित किया जाएगा,जिसमें पहला हिस्सा जंगल, दूसरा हिस्सा पहाड़ और तीसरा हिस्सा राम दरबार के रूप में सजाया जाएगा। सभी अतिथियों, कलाकारों और दर्शकों की सुरक्षा के लिए व्यापक व्यवस्था की जा रही है। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

श्रीराम लखन धार्मिक लीला कमेटी ने रामलीला के लिए किया भूमि पूजन 3 अक्टूबर से शुरू होगा मंचन...

ऋषि तिवारी

नोएडा। श्रीराम लखन धार्मिक लीला कमेटी की ओर से सेक्टर 46 स्थित ए ब्लॉक रामलीला मैदान में 3 अक्टूबर से रामलीला महोत्सव के लिए आज भूमि पूजन का कार्यक्रम किया गया। अध्यक्ष विपिन अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष रामलीला महोत्सव का आयोजन 3 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक चलेगा जहां श्री राम की अद्भुत लीलाओं का मंचन देखने को मिलेगा। वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन व पूनम सिंह ने बताया कि इस वर्ष का आयोजन और खास होगा इसमें हजारों की संख्या में लोग शामिल होंगे। पंडित कृष्ण स्वामी ने बताया कि श्री राम के जीवन से प्रेरित लीला का मंचन करने से समाज में और युवा पीढ़ी में संस्कारों का प्रसार होता है। इसलिए रामलीला मंचन और ऐसी अन्य कथाओं का आयोजन आवश्यक है।

रामलीला भूमि पूजन के दौरान शहर के प्रमुख व्यक्तियों और अतिथियों ने इस आयोजन के सफलतापूर्वक संपन्न होने की शुभकामनाएं दी इस अवसर पर मौजूद मुख्य लोगों में भाजपा महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता, पूर्व विधायक विमला बाथम, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल, दीपक विग,मनीष शर्मा, उमेश त्यागी, युद्धवीर सिंह, धर्मेंद्र चौहान,योगेंद्र शर्मा, अशोक चौहान,टी सी गौर,नरेश कुंचल,डॉ वी के गुप्ता, राजीव त्यागी,सुदेश गुप्ता, राजीव कुमार गुप्ता,विपिन मल्हन ,राकेश कोहली ,मूलचंद गुप्ता ,अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, गिरिराज अग्रवाल, सुशील कुमार सिंघल, गौरव कुमार यादव,मूलचंद गुप्ता, ओपी गुप्ता, धर्मेंद्र गुप्ता ,रामवीर यादव, सुनील जैन,सी एल शुक्ला, डिंपल आनंद, भूपेंद्र शर्मा, राजकुमार बंसल, अमित सिंघल, प्रभात अग्रवाल,वी के राणा, अशोक गोयल, श्री कांत बंसल, विकास बंसल, सौरभ डायमंड,पी के अग्रवाल , भीष्म यादव, अरुण गोयल, संदीप अग्रवाल, अमित पालीवाल, सतपाल यादव, ठाकुर नेपाल सिंह, पंकज झा, भूपेंद्र गर्ग, शंकर मोदी, ललित सिंगला, रवि कांत मिश्रा, मुकेश अग्रवाल, नरेंद्र चोपड़ा, विकास जैन,सुशील गुप्ता (गेल) नवनीत गुप्ता, मनोज गोयल, बाबूलाल बंसल, गौरव सिंघल, संदीप चौहान, गिरीश कपूर, सौरव गोविल, देवेंद्र प्रताप सिंह, नरेंद्र पाल सिंह, अजय सिंघल, अरुण चौहान , मुख्य रूप से मौजूद रहे।

अवैध शराब की बिक्री करने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार

ऋषि तिवारी

नोएडा। थाना नॉलेज पार्क पुलिस द्वारा अवैध शराब की बिक्री करने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 81 पव्वे उ0प्र0 मार्का व 3,65,800 रुपए नगद बरामद किए है। इसके अलावा थाना बादलपुर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर उसके पास से 106 पव्वा देशी शराब बरामद किया है।

थाना नॉलेज पार्क के प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि एक सूचना के आधार पर उप निरीक्षक पंकज कुमार ने मुनेंद्र पुत्र जसराम तथा नवीन कुमार पुत्र गजराज को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि तलाशी लेने पर इनके पास से 81 पव्वा अवैध शराब तथा 3 लाख 65 हजार 8 सौ रुपए बरामद हुई है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपी काफी दिनों से अवैध रूप से शराब बेचने के धंधे में संलिप्त थे।

बजरंग रामलीला संचालिका समिति ने किया भूमि पूजन

ऋषि तिवारी

नोएडा। नोएडा में रामलीला मंचन की तैयारी शुरू हो गई है। इस सिलसिले में बड़े स्तर पर रामलीला मंचन कराने वाली बजरंग रामलीला संचालिका समिति ने रविवार को सेक्टर 12 के आदर्श प्राथमिक विद्यालय में भूमि पूजन किया। इस दौरान बजरंग रामलीला संचालिका समिति के निर्देशक अशोक कुमार पांडेय और सचिव एवं मीडिया प्रभारी विनय जोशी ने बताया कि उनकी कमेटी के मंचन में रामायण आधारित कई नवीन प्रसंग को इस बार मंचन में दिखाया जाएगा।

बजरंग रामलीला संचालिका समिति, सेक्टर 12 के क्यू ब्लॉक में आदर्श प्राथमिक विद्यालय में रविवार को भूमि पूजन वैदिक रीति - रिवाजों के साथ मंत्रोच्चारण के बीच किया गया। उन्होंने बताया कि इस वर्ष रावण की भूमिका गुरु दयाल विज, राम की भूमिका में कमलाकर त्रिपाठी, लक्ष्मण की भूमिका में पद्माकर त्रिपाठी, हनुमान की भूमिका में हरी शंकर त्रिपाठी, दसरथ की भूमिका में अशोक पांडे निभाएगगे। इस मौके पर मुख्य संरक्षक राधाकृष्ण गर्ग, अध्यक्ष कुलभूषण राय नगर, कार्यकारी अध्यक्ष नितिन पांडे, उपाध्यक्ष आलोक अग्रवाल, सचिव एसएन पांडेय, विनय जोशी, हरिशंकर त्रिपाठी, संयुक्त सचिव देवेश राय, गुरु दयाल विज, मुकेश सिंह, सह सचिव मनोज तिवारी, गौरव गोगना, कोषाध्यक्ष कमलाकर त्रिपाठी, सह कोषाध्यक्ष राहुल पांडे, पद्माकर त्रिपाठी, निर्देशक अशोक कुमार पांडे समेत कई लोग मौजूद रहे

मुस्लिम फण्ड कमेटी ने जुलूस पर की फूलों की बारिश

द न्यूज फिफ्टीन

किरतपुर। ईद मिलादुन्नबी के जुलूस का मुस्लिम फंड कमेटी द्वारा उत्साह व हर्षोल्लास के साथ पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। मुस्लिम फण्ड कमेटी ने जुलूस मार्ग पर शिविर का आयोजन किया। जिसमें कमेटी सदर साइम राजा अपनी टीम के साथ ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद पेश की।

सोमवार को मदरसा अहले सुन्नत तालिमुल मुस्लिमीन से सुबह 10 बजे अपनी परम्परागत ढंग से बड़ी शानो-शौकत से ईदमिलादुन्नबी का जुलूस निकाला गया। मुस्लिम फण्ड कमेटी द्वारा किला चौक पर ईदमिलादुन्नबी के जुलूस का जोरदार स्वागत किया गया। आयोजित शिविर में कमेटी ने जुलूस शामिल तमाम लोगों को कोल्ड ड्रिंक पेश की और उन्हें गले लगा कर बधाई दी। वहीं कमेटी के पदाधिकारियों एंव स्टाफ कर्मियों ने जुलूस पर फूलों की बारिश की। जुलूस के जिम्मेदारों एंव उलेमा ए इकराम को फूल माला पहनाकर जोश खरोश के साथ स्वागत किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष साईम राजा, उपाध्यक्ष डा० फैजान खां, सचिव मुंशी हसीनुद्दीन, कोषाध्यक्ष यामीन अंसारी, शिराज अतहर खां, पप्पू जूनैदी, जीएम अकीलुद्दीन, मौ० शमीम, आसिम खां, हुमायूं खां आदि मौजूद रहे।

एक नजर

सांसद का ड्राइवर बताकर रोक रखा था रास्ता, गिरफ्तार

ऋषि तिवारी/नोएडा। रविवार को अपनी ड्यूटी खत्म करके पीआरवी वाहन पर तैनात आरक्षी गिझोड़ ग्राम की तरफ जा रहा था। जहां पर चार लोगों ने अपने वाहन इस तरह से खड़े किए थे, कि रास्ता रोक रखा था। जिसपर आरक्षी ने आपत्ति जताई और वाहन हटाने को कहा। इसपर चारों व्यक्तियों ने अपनी मोटरसाइकिल हटाने से इंकार कर दिया और साथ ही आरक्षी के साथ बदसलूकी भी करने लगे। आरोपियों की पहचान शिवकुमार पुत्र नरेंद्र यादव, दीपक पुत्र नरेंद्र यादव, शिवम पुत्र नरेंद्र यादव और अनूप पुत्र राजू यादव के तौर पर हुई है। इस पूरे मामले की जानकारी आरक्षी ने नोएडा सेक्टर-24 थाना को दी। जिसपर तुरंत एक्शन लेते हुए पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक, ये लोग सांसद का ड्राइवर होने की बात कर रहे थे। लेकिन पुलिस द्वारा बताया गया है कि चारों अभियुक्तों में कोई भी सांसद का ड्राइवर नहीं है। पुलिस मामले में आगे की कार्यवाही कर रही है।

एनडीआरएफ में 151 फल और छायादार पौधे लगाए

गाजियाबाद, एजेंसी। आठवीं बटालियन एनडीआरएफ में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया गया। वाहिनी कैम्पस में फल और छायादार के 151 पौधे लगाए गए। इनमें मुख्य रुप से आम, सेब, अनार, लीची, अमरूद, चीकू, आड़ू, आलूबुखारा, तथा बोटल ब्रुश के पौधे शामिल है। पौधरोपण में महानिदेशक पीयूष आनंद ने बताया कि जलवायु परिवर्तन की वजह से ही प्राकृतिक आपदाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही। ग्लोबल वार्मिंग का खतरा और बढ़ते तापमान को देखते हुए प्रत्येक नागरिक को ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने चाहिए, ताकि अचानक होने वाले मौसम परिवर्तन से बचा जा सके और प्राकृतिक आपदाओं में हो रही वृद्धि को रोका जा सके। पौधरोपण के बाद महानिदेशक ने वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन कोर्स, मियावाकी फोरेस्ट, निमार्णाधीन ओलंपिक साईज स्वीमिंग पूल का निरीक्षण किया। इसके अलावा राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण के तहत आपदा ग्रसित राष्ट्रों को भेजी जाने वाली राहत सामग्री की पैंकिग का निरीक्षण किया। इसके बाद भंडारण के लिए वेयरहाउस को शीघ्र बनाने के निर्देश दिए। मौके पर महानिरीक्षक नरेंद्र सिंह बुंदेला, सेनानी प्रवीण कुमार तिवारी समेत सभी अधिकारीगण और जवान शामिल रहे।

खेत में पानी भरने से मना करने किसान पर लाठी-डंडों से हमला

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। जेवर खादर गांव में किसान और उसके परिवार पर लाठी-डंडों से हमला करने का मामला सामने आया है। किसान का कहना है कि आरोपियों ने उसकी धान की फसल में पानीभर दिया था। किसान ने पानी रोकने के लिए कहा तो आरोपियों ने मारपीट कर दी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जेवर खादर गांव निवासी किसान विक्रम सिंह ने पुलिस को बताया कि वह रविवार को अपने खेत की तरफ गया था। उसने देखा कि गांव के रहने वाले ओमकार ने बारिश का पानी उनकी धान की फसल में भर दिया है। विक्रम ने ओमकार से पानी रोकने के लिए कहा तो दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इसी बीच ओमकार ने अपने बेटे और भतीजे के साथ मिलकर विक्रम को लाठी-डंडों से बुरी तरह पीटा। पीड़ित के शोर मचाने पर परिवार के लोग उसे बचाने आए तो आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि किसान की शिकायत पर आरोपी ओमकार, उसके बेटे सुभाष और भतीजे लायकराम और देवराज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बाइक हटाने के लिए कहने पर युवकों ने कांस्टेबल को पीटा

नोएडा, एजेंसी। गिझौड़ गांव में रविवार शाम चार युवकों ने कांस्टेबल के साथ मारपीट की। पीड़ित ने उन्हें सड़क पर खड़ी बाइक हटाने के लिए कहा था। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बताया जा रहा है कि एक आरोपी किसी अन्य जिले के सांसद के भतीजे का चालक है। हालांकि, पुलिस ने इस बात से इनकार किया है। एडीसीपी मनीष मिश्रा ने बताया कि कांस्टेबल विकास सिंह थाना सेक्टर-63 की पीआरवी पर तैनात है। वह रविवार शाम ड्यूटी समाप्त कर गिझौड़ गांव की ओर जा रहा था। इस दौरान चार युवक सड़क पर बाइक खड़ी किए हुए थे। उन्होंने चारों से बाइक को सड़क किनारे खड़ा करने के लिए कहा। इस पर दोनों पक्षों के बीच बहस होने लगी तो चारों युवकों ने कांस्टेबल के साथ मारपीट शुरू कर दी। वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह कांस्टेबल को छुड़ाया। इसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने कांस्टेबल को अस्पताल पहुंचाया। मेडिकल और प्राथमिक उपचार कराया गया। इसके बाद उसे घर छोड़ा गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने टीम गठित की। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य लोगों से पूछताछ के बाद चार आरोपियों शिव कुमार यादव, दीपक यादव, शिवम यादव और अनूप यादव को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। जहां से चारों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

उधारी वापस मांगने पर युवक को पीटा

मुरादनगर, एजेंसी। गांव जलालाबाद निवासी डब्बू ने बताया कि भाभी रेशम ने गांव में रहने वलो हातिम को उधार रकम दी थी। रविवार को वह उधारी वापस मांगने के लिए बड़ी मस्जिद के पास गया। वहां पैसे मांगने पर हातिम मारपीट कर दी। उसने अपने साथियों के साथ पिटाई की। एसीपी मसूरी सर्किल सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पुलिस ने समीर, सादाब और सलमान निवासी जलालाबाद को गिरफ्तार कर लिया। फरार हातिम की तलाश की जा रही।

भाजपा ने कार्यकारिणी चुनाव के लिए पांच पार्षदों के नाम घोषित किए

गाजियाबाद, एजेंसी। नगर निगम कार्यकारिणी चुनाव के लिए भाजपा ने सोमवार को पांच पार्षदों के नाम घोषित कर दिए। कार्यकारिणी के पूर्व उपाध्यक्ष राजीव शर्मा को भी इस बार पार्टी ने प्रत्याशी बनाया है। वहीं, विपक्ष भी चुनाव की तैयारी में जुटा है। छह सदस्यों के लिए चुनाव होगा। नगर निगम मुख्यालय में मंगलवार सुबह 11 बजे चुनाव शुरू होगा। भाजपा ने पार्षद राजीव शर्मा, अमित त्यागी, नीरज गोयल, नरेश भाटी और पूनम सिंह को कार्यकारिणी सदस्य के लिए प्रत्याशी बनाया है। कार्यकारिणी के 12 में से छह सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो गया था। ऐसे में रिक्त छह पदों के लिए चुनाव होगा। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि पूर्व में भाजपा ने चार सदस्यों के नाम घोषित किए थे। इस बार पांच पार्षदों को उतारा है।

संक्षिप्त खबरें

यूपी का मौसम: बंगाल की खाड़ी में बने दबाव से बदलेगा मौसम, इन जिलों में चलेंगी तेज हवाएं, होगी बारिश

लखनऊ। बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव क्षेत्र के असर से अगले दो से तीन दिन राजधानी समेत प्रदेश के अधिकांश हिस्से में मौसम प्रभावित रहने वाला है। यह प्रभाव दो से तीन दिन तक रह सकता है। मौसम विभाग की ओर से मंगलवार को मध्य प्रदेश से सटे दक्षिणी जिलों जैसे चित्रकूट, मिजार्पुर, सोनभद्र, प्रयागराज आदि के साथ ही पूर्वी यूपी के विभिन्न इलाकों में गरज चमक के साथ अच्छी बारिश की संभावना जताई गई है। वहीं प्रदेश के अधिकांश इलाकों में सोमवार से मंगलवार के बीच 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका है।

फिर बदलेगा मौसम

मौसम वैज्ञानिक एम दानिश के अनुसार राजधानी में भी फिर से मौसम में बदलाव की आहट है। सोमवार की शाम से लखनऊ में 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की आशंका और अगले दो से तीन दिन विभिन्न इलाकों में कहीं कहीं छिटपुट और कहीं माध्यम बारिश का पूवार्नुमान है। उन्होंने बताया कि उत्तर -पूर्व बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान यागी का यूपी पर कोई खास असर नहीं पड़ने वाला।

इन जिलों में होगा वज्रपात

मौसम विभाग ने सोमवार और मंगलवार को दक्षिणी यूपी के सोनभद्र, मिजार्पुर, चंदौली, वाराणसी, संत रविदास नगर के साथ ही पूर्वी यूपी के गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया और आसपास के इलाकों में गरज चमक के साथ वज्रपात की चेतावनी भी जारी की है।

बारावफात के जुलूस में हादसा: बिजली का तार छूने से डीजे में उतरा करंट, युवक की मौत, दो लोग झुलसे

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर के बंडा क्षेत्र में ईद मिलादुन्नबी (बारावफात) के जुलूस में शामिल ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखा डीजे से हाईटेंशन लाइन का तार छूटने से करंट उतर आया। ट्रॉली में बैठे तीन लोग झुलस गए। इनमें एक युवक को सीएचसी में मृत घोषित कर दिया गया। दो लोगों का उपचार चल रहा है।

बंडा में सोमवार को बारावफात पर जुलूस निकल रहा था। जुलूस में मोहल्ला मुरादपुर का नजीर (45) भी शामिल था। वह कई लोगों के साथ ट्रैक्टर ट्रॉली पर सवार था। ट्रॉली में रखा डीजे ऊपर से निकली बिजली की लाइन से छू गया। इससे ट्रॉली में करंट उतर आया। हादसे में नजीर समेत तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

आननफानन सभी लोगों को सीएचसी ले जाया गया। सीएचसी में नजीर को मृत घोषित कर दिया गया। अन्य लोगों का इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी होने पर एसडीएम संजय कुमार पांडेय व सीओ पंकज पंत मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का जायजा लिया।

दहेज के लिए हत्या: पीट-पीटकर 22 वर्षीय पत्नी को मार डाला, बाइक नहीं देने से नाराज था आरोपी, परिजनों का हंगामा

हसनपुर हसनपुर क्षेत्र के गांव बाईखेड़ा में दहेज के लिए पति ने पीट-पीटकर 22 वर्षीय पत्नी मीना की हत्या कर दी। करीब डेढ़ साल पहले मीना की शादी हुई थी। मायके वालों ने दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है। कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

बताते हैं कि कोतवाली क्षेत्र के गांव सोहरका निवासी किसान विजय सिंह ने अपनी 22 वर्षीय बेटी मीना की शादी करीब डेढ़ साल पहले अपनी हैसियत के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ही गांव बाईखेड़ा निवासी सुंदर सिंह के साथ की थी। सुंदर मजदूरी करता है। बताते हैं कि शादी के बाद से ही मीना का ससुराल वाले दहेज के लिए उत्पीड़न कर रहे थे।

रक्षाबंधन के त्योहार पर मीना ससुराल से अपने मायके गई थी और उसके बाद ससुराल नहीं गई। वह मायके में ही रुकी हुई थी। आरोप है कि एक दिन पूर्व ही उसका पति सुंदर मीना को अपने साथ बुलाकर उसकी ससुराल ले गया था। रविवार की रात को मीना की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई।

गला घोटने का भी आरोप लगाया गया है। मध्य रात्रि में पुलिस गांव पहुंची और शव पोस्टमार्टम को भेज दिया। उधर, मायके वालों ने पहुंच कर हंगामा किया। आरोप है कि दहेज में ससुराल वाले एक अपाचे बाइक और तीन लाख की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता की हत्या कर दी गई।

सीओ दीप कुमार पंत का कहना है कि विवाहिता की हत्या का मामला संज्ञान में है। शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट दर्ज की जा रही है।

महिला बोली-पति को झूठे मामले में फंसाना चाह रही पुलिस, परिवार को कर रही परेशान; एसपी से शिकायत

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एक महिला ने भोगांव पुलिस पर पति को झूठे मामले में फंसाए जाने का आरोप लगाते हुए एसपी कार्यालय में शिकायत दी। आरोप लगाया कि प्रभारी जान बूझ कर परेशान कर रहे हैं। विपक्षी को उनके खिलाफ धरने पर बैठा दिया है। मामले की निष्पक्ष जांच कर निर्दोष पति को न्याय दिलाने की मांग की है। मामला भोगांव थाना क्षेत्र के मुरली नगर की है। यहां की निवासी गीता देवी ने सोमवार को एसपी कार्यालय पहुंच कर शिकायत दी। बताया कि पड़ोसी हेमसिंह निवासी हरगनपुर की 25 जनवरी को हत्या कर दी गई थी। जिसमें शक के आधार पर चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया था। इसमें मृतक के सगे फूफा व पुत्रों का नाम आया था। उनका एक पुत्र दलवीर जेल भी भेजा गया था। उन्होंने पूरन से एक प्लॉट खरीदा था, जिस पर हेम सिंह का आधा मकान बना था। यह सब जानने के बाद प्रभारी निरीक्षक ने पति बिजेंद्र कुमार को मुल्जिम बनाना चाहा। वह आईजी के समक्ष पेश हुई तो जांच कराई गई। जांच में पति निर्दोष पाए गए। इसके बाद मामले में जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया। इसमें प्रभारी निरीक्षक भोगांव नहीं थे। इसके बाद भी 12 सितंबर को उनके मायके जाकर भाई व परिजन को धमकाया गया। उन्हें बेवजह परेशान किया जा रहा है। उनके पास पति के निर्दोष होने के संबंध में कुछ सबूत भी हैं। अब पुलिस ने विपक्षी को उकसा कर धरना पर बैठा दिया है। ताकि पुलिस दबाव में आकर पति के खिलाफ कार्रवाई करे। एसपी से मामले में निष्पक्ष जांच कराने व कार्रवाई की मांग की है। आरोपों को लेकर प्रभारी निरीक्षक गगन गौड़ का कहना है कि शिकायत करने वाली महिला आरोपी बिजेंद्र की पत्नी हैं। आरोप पूर्णतः निराधार हैं।

सीएम योगी बोले- मानवता का कैंसर है पाकिस्तान बिना ऑपरेशन इलाज संभव नहीं

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पाकिस्तान मानवता का कैंसर है, जो पूरी दुनिया के लिए नासूर बन चुका है। आजादी के समय का कांग्रेस नेतृत्व और जोगेंद्र नाथ मंडल अगर मिलकर मुस्लिम लीग की साजिश को विफल कर देते तो यह नासूर अस्तित्व में नहीं होता। उन्होंने कहा कि जब तक पाकिस्तान का ऑपरेशन नहीं होगा, तब तक इलाज संभव नहीं है। पाकिस्तान का उपचार शुरू हो चुका है। अब पाक अधिकृत कश्मीर के लोग भारत में शामिल होना चाहते हैं। बलूचिस्तान भी पाकिस्तान से अलग होना चाहता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा के साथ सिद्धेश्वरी मंदिर का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि संत ईश्वरीय सत्ता के प्रतिनिधि के रूप में इस धराधाम पर आकर कार्य कर रहे हैं। इतनी बड़ी संख्या में संत अगर किसी कार्य में जुड़ जाएंगे तो उसे सफल होना ही है। संतों के सानिध्य में हमें धर्म जागरण के अभियान को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा कि हमें मिलकर कार्य करना होगा और इस बात का ध्यान रखना है कि विधर्मियों को अवसर नहीं देना है। बांग्लादेश जैसे स्थिति की पुनरावृत्ति यहां न होने पाए, इसके लिए ऐसी शक्तियों को हमें समाप्त करना है। हमें देश और धर्म को सुरक्षित रखना है।

सीएम योगी ने कहा कि यहां के राजा में शक्ति एवं सामर्थ्य था, इसलिए त्रिपुरा स्वतंत्र एवं सुरक्षित रहा। यहां के राजा ने जनता को एकजुट करके त्रिपुरा को विधर्मियों एवं विदेशी आक्रांताओं से बचाए रखा। उन्होंने कहा कि जो सामर्थ्यवान होगा और ताकत का एहसास अपने दुश्मनों को कराएगा, वो हमेशा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जो अपनी ताकत खोकर अपने दुश्मन और मित्र को समझने में भूल करेगा, उसी प्रकार का खामियाजा भुगतेगा जैसा आज बांग्लादेश में हो रहा है। सीएम योगी ने कहा कि बांग्लादेश के हालात पर हमें चिंतन करने की आवश्यकता है कि इसके लिए कौन लोग जिम्मेदार हैं।

सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ इस बात को जानता था कि अगर हम कांग्रेस के द्वारा चलाई गई दुरभिसंधियों का शिकार होते रहेंगे तो कांग्रेस देश का विभाजन कराएगी, हिंदुओं का कत्लेआम कराएगी, उन्हें जातियों में बांटकर लड़ाएगी और भारत की परंपरा-संस्कृति को नष्ट एवं भ्रष्ट कर देगी। आरएसएस की बात सच साबित हुई और कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए देश का विभाजन कराया। उन्होंने कहा कि 1905 में बंगभंग आंदोलन के दौरान अगर बंगाल विरोध नहीं करता तो सबको पता है कि उस समय देश में क्या होता। सीएम योगी ने कहा कि आरएसएस-विश्व हिंदू परिषद अपनी सेवा का प्रोपेगेंडा और सौदेबाजी नहीं करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं संघ आज केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में विद्याभारती के माध्यम से हजारों

शिक्षण संस्थानों एवं सेवा के प्रकल्पों का संचालन कर रहा है। विश्व हिंदू परिषद पूरे देश में जनजातीय क्षेत्रों में एक लाख से अधिक गांवों में एकल विद्यालय का संचालन कर रहा है। श्रीराम वनवासी कल्याण आश्रम के माध्यम से विश्व हिंदू परिषद ने 1984 में गोरखपुर में जनजातीय छात्रावास प्रारंभ किया था, जिसमें नॉर्थ ईस्ट के बच्चे जाकर शिक्षा प्राप्त करते थे। उन्होंने कहा कि अब भारत का समय है इसलिए आज हम लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को दुनिया की एक बड़ी ताकत बनाने की ओर अग्रसर हैं।

महायज्ञ में शामिल हुए सीएम योगी...सीएम योगी ने नारियल फोड़कर मंदिर का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने विधि विधान से माता सिद्धेश्वरी की पूजा अर्चना की। उसके बाद सीएम योगी ने मंदिर प्रांगण में पौधरोपण भी किया। वे मंदिर में आयोजित महायज्ञ में भी सम्मलित हुए और आहुति डाली। साथ ही लोककल्याण की कामना की। कार्यक्रम में सीएम योगी के साथ महाराजा चित्त रंजन देबबर्मा, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद विप्लब देब, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य, एनडीए के सहयोगी एवं त्रिपुरा राज परिवार के राजकुमार प्रमोद बिक्रम माणिक्य देब बर्मा, विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय सह मंत्री सचिंद्रनाथ सिन्हा, त्रिपुरा सरकार के मंत्री, विधायक एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

शांति काली आश्रम द्वारा प्रबंधित हैं 24 मंदिर...बरकथल स्थित यह नवनिर्मित मंदिर पूर्वोत्तर राज्य में शांति काली आश्रम द्वारा प्रबंधित 24 मंदिरों में से एक है। शांति काली आश्रम के प्रमुख महाराजा चित्त रंजन देबबर्मा हिंदू संस्कृति, परंपरा और धर्म की रक्षा के लिए काम करते रहे हैं। उन्हें पिछले साल पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

'कुछ लोगों को मंदिर बनने से बुरा लग रहा है'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनने से पांच सदी का इंतजार समाप्त हुआ है। कुछ लोगों को मंदिर के बन जाने से बुरा लग रहा है, जिन्हें बुरा लग रहा है उनका हम क्या कर सकते हैं। हम भारत की बहुसंख्यक जनता की आस्था को सम्मान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या, मथुरा और काशी सनातन धर्म की आस्था के तीन प्रमुख स्तंभ हैं। ये तीनों स्थल जैसे आज पूज्य हैं, उसी रूप में आगे भी बढ़ते हुए दिखाई देंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म सर्वे भवन्तु सुखिनः की बात करता है, लेकिन ये तभी संभव है, जब हम सुरक्षित रहेंगे।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में आज पूरा देश एक भारत श्रेष्ठ भारत के लिए कार्य कर रहा है। आज त्रिपुरा में सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल है। आज से सात-आठ वर्ष पहले यह संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि एक ओर यहां की डबल इंजन की सरकार त्रिपुरा के सर्वांगीण विकास के लिए डबल स्पीड से कार्य कर रही है तो वहीं दूसरी ओर त्रिपुरा में धार्मिक क्षेत्र में भी प्रगति हो रही है। सीएम योगी ने कहा कि त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश में पहले पर्व और त्योहार के दौरान दंगे होते थे। आज हमने उत्तर प्रदेश में दंगाइयों के लिए बुल्डोजर और भक्तों को प्रभु श्रीराम का मंदिर दे दिया है। उन्होंने कहा कि हम सबको ध्यान रखना होगा कि धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः यानी अगर हम धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म आपकी भी रक्षा करेगा। वहीं अगर अपने स्वार्थ के लिए हम अपने धर्म का बलिदान करेंगे तो धर्म भी आपके साथ उसी प्रकार का व्यवहार करेगा। 'यतो धर्मस्ततो जयः' सनातन धर्म की यही शिक्षा है।

सीएम योगी ने कहा कि मां सिद्धेश्वरी की प्राण प्रतिष्ठा एवं मंदिर के उद्घाटन का यह कार्यक्रम हम सबके लिए महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि पूज्य संत शांतिकाली महाराज ने 1994 में आश्रम की श्रृंखला को आगे बढ़ाया था। शांतिकाली महाराज ने उस समय जो संकल्प लिए थे, उसे चितरंजन महाराज बिना रुके और बिना डिगे आगे बढ़ा रहे हैं। इसलिए भारत सरकार भी उनका सम्मान कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के एक हाथ में मुरली और दूसरे हाथ में सुदर्शन है। सुरक्षा के लिए केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, उसके लिए सुदर्शन आवश्यक है और जब सुदर्शन हाथ में होगा तो फिर किसी शांतिकाली महाराज को बलिदान नहीं देना पड़ेगा।

रात में कार से निकलते थे बदमाश, वाहनों से चुराते थे डीजल, पुलिस मुठभेड़ में चार गिरफ्तार

बरेली बरेली में रविवार रात इज्जतनगर थाना पुलिस और एसओजी टीम ने मुठभेड़ के दौरान चार बदमाशों को दबोच लिया। ये बदमाश रात में बाइक व कार लेकर निकलते थे और सुनसान इलाके में खड़े वाहनों से डीजल व उनका सामान चोरी करते थे। मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश को पैर में गोली भी लगी है। उनके पास से कार, बाइक, 100 लीटर डीजल और तमंचों समेत अन्य सामान बरामद हुआ है। दो अन्य बदमाश फरार हो गए। इज्जतनगर थाना इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय और एसओजी प्रभारी इंस्पेक्टर सुनील कुमार शर्मा रविवार रात करीब 12 बजे इलाके में गश्त कर रहे थे। उसी दौरान मुखबिर ने बताया कि जिस गिरोह के बदमाश लगातार वाहनों से डीजल रहे हैं। उनमें कई बदमाशों को धीमरी कलापुर नहर के नजदीक देखा गया है। उनके पास कार और बाइक भी है। इससे इज्जतनगर इंस्पेक्टर और एसओजी प्रभारी ने अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचकर बदमाशों की घेराबंदी शुरू कर दी।

दो बदमाश मौके से हुए फरार...पुलिस को देखकर बदमाश भाग खड़े हुए और पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की। इससे एक बदमाश शिवम उपाध्याय को गोली लग गई। पुलिस ने शिवम समेत चार बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि दो बदमाश मौके से भागने में सफल रहे। शिवम हाफिजगंज थाना क्षेत्र के गांव औरंगाबाद का रहने वाला है।

पकड़े गए बदमाशों में उसके गांव का गौरव गंगवार, बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के गांव पूरनापुर निवासी मनोज पटेल और कमुआपुर निवासी केशव पटेल शामिल हैं। इनके पास से एक कार, बाइक, 100 लीटर डीजल, खाली केन, पाइप, कीप, हथौड़ा और 3100 रुपये बरामद हुए हैं। पूछताछ में उन्होंने बताया कि औरंगाबाद निवासी प्रेम पटेल और कलारी गांव का अजय पटेल मौके से भाग गए थे।

चौकीदार को मारी थी गोली...ये सभी बदमाश बारादरी थाना क्षेत्र में किराये पर कमरा लेकर रह रहे थे। रोजाना रात में कार व बाइक लेकर निकलते थे। वाहनों से डीजल व अन्य सामान चोरी करते थे। उन्होंने 10 अगस्त की रात आशुतोष सिटी के सामने और तीन सितंबर की रात भोजीपुरा पुल के नीचे से वाहनों से डीजल चोरी किया था। एक चौकीदार को गोली मार दी थी। इसमें गौरव गंगवार घायल हुआ था।

यूपी के इस रेल मंडल को चौथी वंदे भारत की सौगात, ताजनगरी से जुड़ेगी धर्मनगरी

आगरा। ताजनगरी आगरा को एक और वंदेभारत सुपरफास्ट का तोहफा मिला है। कैंट स्टेशन से वाराणसी तक वंदेभारत ट्रेन का शुभारंभ सोमवार को 16 सितंबर को गया। इसका शुभारंभ रेल राज्य मंत्री रवनीश सिंह बिट्टू ने हरी झंडी दिखाकर किया। ताजनगरी से इलाहाबाद हाईकोर्ट और बाबा विश्वनाथ धाम वाराणसी जाने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी। महज सात घंटे में यह आगरा से वाराणसी की यात्रा को पूरा करेगी।

बताते चलें कि आगरा रेल मंडल को मिलने वाली यह चौथी वंदे भारत है। ताजनगरी आगरा को धर्मनगरी वारणसी से जोड़ने के लिए रेलवे बोर्ड ने एक वर्ष पूर्व आगरा-वाराणसी वंदे भारत सेमी बुलेट ट्रेन को चलाए जाने की घोषणा की थी। यूं तो इस ट्रेन को पिछली दिवाली पर चलाया जाना था, किंतु किन्ही कारणों से इसका संचालन नहीं हो सका था। अब सोमवार को रेल राज्य मंत्री ने हरी

झंडी दिखाकर इसका शुभारंभ कर दिया। ट्रेन संचालन के लिए तीन सितंबर को जारी नोटिफिकेशन में आठ कोच वाली इस ट्रेन के बारे में जानकारी दी गई थी। इसका शुभारंभ हो गया है। रेलवे ने इसके नियमित संचालन का टाइम टेबल जारी कर दिया है। हालांकि इससे पहले जारी नोटिफिकेशन में यह किन स्टेशनों पर रुकेगी, इसका जानकारी दे दी गई थी। लोगों को 160 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से दौड़ने वाली एवं हवाई यात्रा का अहसास कराने वाली इस ट्रेन के चलने का लंबे समय से इंतजार था। जो अब खत्म हो गया है। इस ट्रेन का ठहराव टूंडला, कानपुर और प्रयागराज स्टेशनों पर होगा। इससे बड़ी संख्या में यात्रियों को सफर करने में आसानी होगी।

वंदे भारत ट्रेन का शेड्यूल...रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार यात्रियों को यह ट्रेन आगरा से सुबह 6 बजे पकड़नी होगी। दोपहर 1 बजे तक वह वाराणसी पहुंच जाएंगे। वाराणसी से यह ट्रेन दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से चलकर रात 10 बजकर 20 मिनट पर आगरा पहुंच जाएगी।

पांच सौ के 80 जाली नोट बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

बरेली बरेली के नवाबगंज थाना पुलिस ने जाली नोटों के सिंडीकेट का भंड़ाफोड़ कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से पांच सौ के 80 जाली नोट बरामद हुए हैं। पुलिस व अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने दोनों आरोपियों से पूछताछ की। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया। वहीं, उनके चार साथी मौके से फरार हो गए।

शनिवार रात एसआई विश्वदेव सिंह पुलिस टीम के साथ बरेली-पीलीभीत हाईवे पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उनको हाईवे पर उप मंडी स्थल के पास संदिग्ध हालात में छह लोगों के खड़े होने की सूचना मिली। पुलिस ने घेराबंदी कर दो आरोपियों को मौके से पकड़ लिया, जबकि चार आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर दो बाइकों से बरेली की ओर फरार हो गए। पकड़े गए आरोपियों ने अपना नाम सीबीगंज के परसोाड़ा निवासी आशिक व नवाबगंज के रतनांदपुर निवासी शोएब बताया। पुलिस ने उनकी जेब से पांच सौ के 80 जाली नोट बरामद किए हैं।

ये आरोपी हुए फरार...आरोपियों ने अपने फरार साथियों के नाम नवाबगंज के गांव टाह प्यारी निवासी तालिब हुसैन, सीबीगंज के परधौली निवासी इरफान, परसाखेड़ा निवासी लालू व फतेहगंज पश्चिमी निवासी मुशाहिद बताए हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनको कोर्ट में पेश किया। वहां से उनको जेल भेज दिया। फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस दबिश दे रही है।

स्मैक तस्करों और वाहन चोरों से जुड़े हो सकते हैं तार...जाली नोटों के धंधे से जुड़े आरोपियों के तार स्मैक तस्करों से जुड़े होने की आशंका है। वाहन चोर गिरोह से भी मामला जुड़ सकता है। असली तस्कर फरार हो गए हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। सीबीगंज क्षेत्र की कथित महिला समाजसेवी आरोपियों की सिफारिश में थाने पर मंडराती रहीं।

जाली नोटों के साथ पकड़ा गया रत्नानंदपुर गांव निवासी शोएब महानगर में बाइक मैकेनिक है। टाह प्यारी गांव का फरार तालिब हुसैन भी बरेली में मोटर मैकेनिक है। शोएब ने तीन माह पहले तालिब से एक कार खरीदी थी, लेकिन बाद में उसे वापस कर दिया था।

सीएचसी में प्रसव कराने के नाम पर वसूले पांच हजार रुपये

बरेली। बरेली के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मीरगंज पर बृहस्पतिवार को रुपये लेकर प्रसव कराने का एक वीडियो वायरल हुआ था, वो मामला अभी शांत नहीं हुआ। इस बीच सीएचसी स्टाफ पर पांच हजार रुपये लेकर प्रसव कराने का आरोप फिर लगा है। सोमवार को जिला पंचायत सदस्य निरंजन यदुवंशी के नेतृत्व में

ग्रामीणों व भाजपा सदस्यों ने सीएचसी पर नारेबाजी कर धरना दिया। सूचना पर उपजिलाधिकारी तृप्ति गुप्ता पहुंचीं। उनके समझाने पर तीन घंटे बाद धरना समाप्त कर लोगों ने आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की। इस मामले में मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा और बरेली सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार से भी शिकायत की गई है। रविवार को गांव नथपुरा निवासी उमेश चंद्र की पत्नी अनीता देवी को प्रसव पीड़ा हुई। वह दोपहर तीन बजे अपनी पत्नी को लेकर सीएचसी पहुंचे।

खतरे के निशान के पास पहुंचकर स्थिर हुई गंगा, यमुना की रफ्तार भी थमी, एनडीआरएफ की टीम मुस्तैद

प्रयागराज। सोमवार को भी गंगा और यमुना के जलस्तर में वृद्धि लगातार जारी रही, हालांकि दोपहर 12 बजे की बुलेटिन के अनुसार गंगा फिलहाल स्थिर हो गई हैं। साथ ही यमुना की रफ्तार भी थम गई है। सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार फाफामऊ में गंगा 84.07 मीटर, छतनाग में में 83.41 मीटर पर बह रही हैं। इसी तरह यमुना का जलस्तर नैनी में 83.91 मीटर रिकॉर्ड किया गया। 24 घंटे में गंगा में 21 और यमुना में 39 सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। डेंजर लेबल 84.734 मीटर है। इस हफ्ते हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश हुई तो गंगा और यमुना नदी का जलस्तर बढ़ गया। शुक्रवार सुबह फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 79.58 मीटर था, छतनाग में 78.10 मीटर और नैनी में यमुना का जलस्तर 79.35 मीटर था। शनिवार को गंगा उफान पर आ गई। इससे संगम क्षेत्र डूब गया। किला की

दीवार से होते हुए बांध के नीचे पानी भर गया। रात आठ बजे तक छतनाग में गंगा का जलस्तर 4.51 मीटर बढ़कर 82.61 मीटर हो गया है।

इसके बाद यमुना में तेजी से पानी बढ़ा। इसकी सहायक नदियां चंबल, केन और बेतवा भी उफान पर हैं। कई जिलों से होते हुए प्रयागराज में पानी पहुंचा तो वह बाढ़ का रूप ले लिया। यमुना के सापेक्ष शुक्रवार को गंगा का पानी धीमी गति से बढ़ा। यमुना का वेग इतना तेज था कि रात तक लेटे हनुमानजी डूब गए।सुबह तक मंदिर परिसर में कमर तक पानी भर गया। फाफामऊ में गंगा का जलस्तर 3.34 मीटर बढ़कर 82.92 मीटर हो गया है। वहीं, नैनी में यमुना का जलस्तर 3.69 मीटर बढ़कर 83.03 मीटर हो गया है। बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता डीएन शुक्ला ने बताया कि यमुना धीमी हुई है और गंगा बढ़ रही है। रविवार के बाद पानी कम होने की संभावना है।

खतरे के निशान से करीब गंगा-यमुना...गंगा-यमुना का जलस्तर लगातार खतरे के निशान की ओर बढ़ रहा है। सिंचाई विभाग का बाढ़ खंड इसकी निगरानी कर रहा है। यहां खतरे का निशान 84.73 मीटर है। जिस गति से गंगा-यमुना का जलस्तर दो दिन में बढ़ा है, अगर वही गति कायम रही तो तटीय मोहल्लों के घरों में पानी भर जाएगा।

जलस्तर में वृद्धि लगातार जारी...सिंचाई विभाग बाढ़ खंड की बुलेटिन के अनुसार रविवार को दोपहर 12 बजे की गई निगरानी के अनुसार फाफामऊ में गंगा के जलस्तर में वृद्धि जारी है। यहां पर जलस्तर 83.88 मीटर पर बह रही हैं, जो खतरे के निशान से कुछ ही नीचे है। इसी तरह छतनाक में गंगा जलस्तर 83.09 मीटर है और लगातार वृद्धि जारी है। इसी तरह नैनी में यमुना का चलस्तर 83.71 मीटर है और लगातार वृद्धि जारी है। गंगा और यमुना करीब 10 सेंटीमीटर की रफ्तार से बढ़ रही हैं। खतरे का निशान 84.734 मीटर है। बाढ़ नियंत्रण इकाई की बुलेटिन के अनुसार गंगा और यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच रहा है। बाढ़ का पानी लगातार बस्तियों में बढ़ता जा रहा है। इससे लोगों में खलबली मच गई है।

नीतीश कुमार मेरी जासूसी करा रहे : तेजस्वी

तेजस्वी के आरोपों से बिहार की सियासत में खलबली

संवाददाता।

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। तेजस्वी का कहना है कि नीतीश कुमार, सीआईडी और स्पेशल ब्रांच के जरिए उनकी जासूसी करवा रहे हैं। तेजस्वी ने यह दावा झंझारपुर में कार्यकताओं के साथ बैठक के बाद किया। उन्होंने बताया कि बैठक में कुछ लोग संदिग्धजनक लगे, जो बाद में सीआईडी और स्पेशल ब्रांच के निकले। तेजस्वी यादव झंझारपुर में अपने कार्यकताओं से मिलने पहुंचे थे।

झंझारपुर में कार्यकताओं से बातचीत के बाद उन्होंने अतिथि गृह में मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि कैसे उनकी पार्टी की बैठक में सीआईडी और स्पेशल ब्रांच के लोग घुस आए थे। तेजस्वी ने कहा, 'एक जगह हमारी बैठक में सीआईडी और स्पेशल ब्रांच वाले बैठे हुए थे और नोट कर रहे थे। हमें लगा कि पत्रकार हैं। पार्टी की जो आंतरिक बैठक होती है उसमें फोटो लेने के बाद पत्रकार बाहर चले जाते हैं। मगर, कुछ लोग हिलने का नाम नहीं ले रहे थे। बाद में पता चला कि वो लोग स्पेशल ब्रांच और सीआईडी के लोग थे। बकायदा उन्होंने अपना कार्ड दिखाया।'

तेजस्वी ने आगे कहा कि नीतीश कुमार डरे हुए हैं और इसीलिए उनकी जासूसी करवा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री पूरी तरीके से जासूसी करवा रहे हैं, यह साफ हो चुका है। वो भयभीत हैं, डरे हुए हैं।'

तेजस्वी यादव के इस आरोप ने बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी है। विपक्ष तेजस्वी यादव के समर्थन में आ गया है और नीतीश सरकार पर हमलावर है। विपक्षी दलों का कहना है कि नीतीश सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है और विरोधियों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। ये मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है।

तेजस्वी यादव और सत्ताधारी पार्टी जदयू के बीच जासूसी का आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। जदयू ने तेजस्वी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि नेता प्रतिपक्ष होने के नाते उनकी सुरक्षा के लिए सीआइडी इनपुट देती है, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, 'सबसे पहली बात तो यह है कि राज्य के सीएम को ऐसा कोई आदेश जारी करने का दायित्व नहीं है। पुलिस-प्रशासन का दायित्व है कि वो प्रतिपक्ष के नेता हैं या कोई भी राजनीतिक घटनाक्रम हो, जुलूस हो या प्रदर्शन हो या धार्मिक समारोह हो तो सीआईडी तो इनपुट देता ही है। ये कौन सी बड़ी बात है। इसके राजनीतिक अर्थ नहीं हैं।'

नीरज कुमार ने आगे कहा, 'इसके भावार्थ यह है कि संवैधानिक पद पर बैठे हुए व्यक्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की होती है। पुलिस-प्रशासन की होती है। तो जगह-जगह जिला के अंदर स्कॉट क्यों दिया जाता है? स्कॉट आपको मिला हुआ हो तो स्कॉट क्यों लेते हैं? इसीलिए ना कि जिले के अंदर का जो पुलिस-प्रशासन है उसके संज्ञान में भी बात रहे। इसलिए ऐसे सवाल पर राजनीति करने से बेहतर है कि पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली की जानकारी रखनी चाहिए।'

तेजस्वी यादव ने अपने आरोपों में यह भी कहा था कि नीतीश कुमार भयभीत हैं, इसलिए उनके पीछे सीआईडी को लगाया जा रहा है। तेजस्वी ने कहा था, 'इससे अच्छा होता कि वो बिहार में अपराध पर लगाम लगाने पर ध्यान देते।'

इसपर नीरज कुमार ने कहा, 'बिहार की जनता ही भयभीत नहीं रहती है। जब रात के दो बजे भी कोई घर में बीमार होता है तो जनता आराम से सड़क पर निकल जाती है बिना डरे, तो नीतीश कुमार किस बात के लिए भयभीत होंगे। राजनीति में कोई भयभीत होता है? जब हमें साल 1995 में सात सीटें आई थीं, हमारे चार विधायक चले गए थे तब उस वक्त लोग कहते थे कि नीतीश कुमार की राजनीति खत्म हो गई। नीतीश कुमार की राजनीति फिर जिंदा हो गई। वो 2005 से लगातार राज्य के मुख्यमंत्री हैं।'

जदयू में फूट नीतीश कुमार की पार्टी में खटपट शुरू

बिजेंद्र यादव बोले- हम जेडीयू में नहीं हैं

संवाददाता।

पटना। बिहार के ऊर्जा मंत्री बिजेन्द्र यादव ने जेडीयू की बैठक से पहले पार्टी में होने से इनकार कर दिया है। यादव ने जदयू कार्यालय में कहा कि वह जेडीयू में नहीं हैं। यह घटना पार्टी की संगठनात्मक बैठक से पहले हुई है, जिसमे पार्टी नेताओं और कार्यकताओं के फोटो वाले बैनर में बिजेंद्र यादव की तस्वीर नहीं थी। बता दें कि जेडीयू की यह महत्वपूर्ण बैठक लोकसभा चुनाव के बाद हो रही है, जिसमें पार्टी के कई बड़े नेता शामिल हो रहे हैं। बैठक का उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति बनाना है।

बिजेन्द्र यादव के इस बयान से पार्टी में नाराजगी की खबरें आ रही हैं और माना जा रहा है कि इससे नीतीश कुमार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बैठक में जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान पार्टी कार्यकताओं से फीडबैक लिया जाएगा और उम्मीदवारों के नामों पर भी चर्चा हो सकती है। बताया जा रहा है कि बिजेन्द्र यादव पार्टी कार्यालय में लगे बैनर पर अपनी तस्वीर न देखकर नाराज हो गए थे। उन्होंने कहा कि हम जनता दल (यूनाईटेड) में नहीं हैं, काहे हमको बुलाए हैं। जेडीयू ने बैठक के लिए बड़े स्तर पर तैयारी की है और पार्टी के सभी बड़े नेताओं को इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। बैठक में बिहार की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा होगी और आगामी चुनावों के लिए रणनीति तैयार की जाएगी। हालांकि बिजेन्द्र यादव के बयान से पहले जदयू में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है, ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, पार्टी नेतृत्व ने इन अटकलों को खारिज कर दिया था। अब देखना होगा कि बिजेन्द्र यादव के इस बयान के बाद पार्टी क्या कदम उठाती है।

सदर अस्पताल के एसएनसीयू से नवजात की चोरी

संवाददाता।

बेगूसराय। सदर अस्पताल के एसएनसीयू से एक नवजात बच्चे को चोरी कर लिया गया। सीसीटीवी फुटेज में एक बुजुर्ग महिला बच्चे को कपड़े में लपेटकर ले जाती दिख रही है। खुशी की बात यह है कि 8 घंटे बाद ही बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया गया। यह घटना शनिवार रात की है जब लोहिया नगर निवासी नंदनी देवी को प्रसव पीड़ा के बाद सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रात लगभग साढ़े दस बजे नंदनी देवी ने एक बच्चे को जन्म दिया। नवजात को एसएनसीयू में रखा गया था। रविवार शाम जब परिजन बच्चे को दूध पिलाने पहुंचे तो पता चला कि बच्चा गायब है।

बच्चे के गायब होने की खबर से हड़कंप मच गया। परिजन आक्रोशित हो गए और उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। सबसे बड़ी हैरानी की बात यह है कि एसएनसीयू में मौजूद किसी भी कर्मचारी को बच्चे के चोरी होने की भनक तक नहीं लगी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिविल सर्जन प्रमोद कुमार चौधरी खुद रात साढ़े दस बजे अस्पताल पहुंचे और जांच शुरू की। उन्होंने कहा, 'गड़बड़ी हुई है, इसकी जांच की जा रही है। कभी-कभी बहुत से परिजन आ जाते हैं जिससे भ्रम की स्थिति बन जाती है, लेकिन बच्चा गायब है, इसकी पूरी जांच की जा रही है।' नगर थाना पुलिस को भी घटना की सूचना दी गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में महिला चोर को गार्ड से बात करते हुए देखा गया। पुलिस ने गार्ड को हिरासत में लेकर पूछताछ की। इसके बाद पुलिस ने लाखो थाना क्षेत्र के भगवानपुर गांव में छापेमारी कर बच्चे को बरामद कर लिया। पुलिस ने महिला, उसके सहयोगी और गार्ड को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

कांग्रेस एमलए के बिगड़े बोल

मंच से बिहार के अधिकारियों को बताया निकम्मा और घूसखोर

संवाददाता।

बक्सर। बिहार सरकार के अधिकारियों पर राजपुर से कांग्रेस विधायक विश्वनाथ राम ने हमला बोला। मंच से कांग्रेस विधायक विश्वनाथ राम ने कहा कि 'बिहार सरकार के जितने भी अधिकारी हैं, सभी निकम्मे हैं। मैं कहता हूं घूसखोर हैं।' इस दौरान कांग्रेस विधायक ने अमर्यादित भाषा का भी प्रयोग किया। विधायक विश्वनाथ राम ने कहा कि बिहार में अधिकारी पूरी तरह बे-लगाम हैं। बिना घूस लिए एक भी काम नहीं करते हैं।

विधायक विश्वनाथ राम ने बिहार के पूर्व मंत्री और राजपुर विधानसभा के पूर्व विधायक संतोष निराला पर भी चुटकी ली। उन्होंने कहा कि यहां पहले जो विधायक थे, वे अधिकारियों से अपना हिस्सा लेते हैं। राजपुर विधानसभा इलाके की छह पंचायत में जनता का कोई काम उन्होंने नहीं किया है। क्योंकि वह 6 पंचायत के लोग के साथ भेदभाव की नीति रखते हैं।

मंच से ही कांग्रेस विधायक ने बिहार सरकार के पूर्व मंत्री संतोष निराला के ऊपर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि राजपुर विधानसभा की जनता ने उन्हें विधायक बनाया था, लेकिन इलाके के विकास की जगह पूर्व विधायक करोड़ों रुपये की कमाई कर गए। कांग्रेस विधायक ने बिहार के ईमानदार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मांग करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी आप अपने पूर्व परिवहन मंत्री संतोष निराला की सम्पति को सार्वजनिक रूप से घोषित कराएं तो पता चल जाएगा कि आपके कार्यकाल के विधायक मंत्री कितने ईमानदार हैं।

बक्सर जिले के राजपुर विधानसभा जिला के मूंगाव गांव में विश्वनाथ राम विधायक के लिए नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया था। इसमें विधायक ने जमकर अधिकारियों, बिहार सरकार के पूर्व मंत्री संतोष निराला का नाम लिए बगैर जमकर चुटकी लेते हुए कई आरोप लगाए।

बिहार में 17 प्रतिशत वोटबैंक के लिए कांग्रेस ने नीतीश और चिराग पर फेंका जाल

दोनों के लिए कुआं-खाई वाला हाल

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को देखते हुए कांग्रेस ने बिहार में बढ़ती सियासती हरकत के बीच मुस्लिमों के 17 प्रतिशत वोट बैंक के लिए सियासी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। अपनी इस मुहिम में कांग्रेस ने सेक्युलर राजनीति का कसीदा पढ़ने वाले राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लोजपा (आर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की राजनीति को ही कठघरे में खड़ा कर डाला है।

वक्फ बोर्ड के संयुक्त संसदीय समिति में कांग्रेस के तरफ से नामित सदस्य डॉ. सैय्यद नासिर हुसैन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) वक्फ बोर्ड को बर्बाद करना चाहती है और पूरे देश में प्रोपगैंडा चला रही है। बिल में संशोधन बेहतरी के लिए होता है, लेकिन यहां विवाद खड़ा करने के लिए किया जा रहा है। हर बिल को सांप्रदायिक रंग दे रहे हैं। जेपीसी में हमने जब मांग रखी तो उनके पास जवाब नहीं है। संविधान ने जो हमें समानता का अधिकार दिया है उसको बर्बाद करने पर भाजपा तुली हुई है। हर धर्म के निजी मामलों में विवाद पैदा करने में भाजपा सरकार लगी है। लोकसभा चुनाव का अभी खुमार कमा भी नहीं कि बिहार विधान सभा चुनाव को लेकर बिहार की सभी पार्टियां मिशन वोट जुटाओ में लग गई है। राष्ट्रीय कांग्रेस भी इस मुहिम में पीछे नहीं है। कांग्रेस ने वक्फ संशोधन बिल पर एनडीए के तमाम घटक दल खासकर जनता दल यू और लोजपा (आर) से अपना स्टैंड स्पष्ट करते यह बताने की मांग कर दी कि आखिर वह इस संशोधन में भाजपा के साथ और वक्फ बोर्ड के खिलाफ खड़े हैं या नहीं? कांग्रेस ने इस स्पष्टीकरण के साथ उनकी सेक्युलर राजनीति पर हमला बोल डाला है। दरअसल, जेपीसी के नाम पर जदयू और लोजपा (आर) मुस्लिमों में यह विश्वास जगाने में लगे हैं कि मुस्लिमों के हित का ख्याल रखा जायेगा। कांग्रेस इस मसले पर नीतीश कुमार और चिराग पासवान से पब्लिक फोरम पर स्पष्टीकरण की मांग कर उनकी मुस्किलें बढ़ा दी हैं।

आगामी बिहार विधान सभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा में सचेतक और वक्फ बोर्ड के संयुक्त संसदीय समिति में कांग्रेस की तरफ से नामित सदस्य डॉ. सैय्यद नासिर हुसैन ने सवालों की झड़ी लगाते राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सेक्युलरिज्म पर ही सवाल उठाया। उनके सबक उठाने के आधार में जदयू के केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह का वह बयान है, जिसने उन्होंने कहा कि वक्फ बोर्ड संशोधन बिल मुस्लिम विरोधी नहीं है और मैं इस बिल का समर्थन करता हूं। हालांकि इस बयान के बाद जदयू के मुस्लिम नेता मंत्री जमा खान में नेतृत्व में नीतीश से मिल कर वक्फ संशोधन बिल की कमियों के बारे में बताया भी था।

दरअसल, कांग्रेस का यह हमला इसलिए भी है कि सीमांचल के अधिकांश क्षेत्रों में जदयू उनके विरुद्ध खड़ी होती है। सेक्युलरिज्म के नाम पर जेडीयू मुस्लिम वोट का कुछ प्रतिशत हासिल करती है। लोकसभा चुनाव में ही किशनगंज, कटिहार में कांग्रेस के सांसद हैं। इसलिए वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर जनता दल यू को घेरना चाहती है ताकि विधान सभा चुनाव में मुस्लिम मतों का बंदरबांट न हो।

लोजपा ऐसी पार्टी है जो कभी यह कहा करती थी कि उसकी सरकार बनेगी तो उप मुख्यमंत्री मुस्लिम से होंगे। एनडीए में रहकर मोदी का हनुमान कहलाने वाले चिराग पासवान भी मुस्लिम मतों में सेंधमारी कर जाते हैं। वक्फ बोर्ड संशोधन बिल पर कांग्रेस ने जदयू और लोजपा (आर) से स्पष्टीकरण मांग कर मुस्लिम समुदाय के बीच उनकी भाजपा परस्तगी को मुस्लिम विरोधी तस्वीर उजागर करने के लिए की है।

बिहार में 'काम' और 'नाकामी' में फंसी सियासत

2025 के लिए नीतीश-तेजस्वी का एक ही दांव

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की यात्रा का साल पूरा होने जा रहा है। 2 अक्तूबर 2023 को उन्होंने गांधी की कर्मभूमि चंपारण से जन सुराज यात्रा शुरू की थी। इस साल 2 अक्तूबर को यात्रा पूरी करने के बाद प्रशांत किशोर अपनी पार्टी की विधिवत घोषणा करेंगे। आरजेडी नेता और पूर्व डेप्युटी सीएम तेजस्वी यादव 10 सितंबर से बिहार में आभार यात्रा पर निकले हुए हैं। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने 25 सितंबर से बिहार यात्रा निकालने की घोषणा की है। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार भी यात्रा प्लान कर रहे हैं। हालांकि जेडीयू ने इसकी तारीख अभी तक घोषित नहीं की है।

नीतीश की यात्रा जब हो, लोकेन जिस तरह सरकारी योजनाओं के उद्घाटन, शिलान्यस या निरीक्षण के लिए नीतीश राज्य भर में घूम रहे हैं, वह उनकी किसी सुनियोजित यात्रा से कम नहीं है। भाजपा नेता भी सदस्यता अभियान के लिए जिलों का दौरा कर रहे हैं। लोजपा (आर) के नेता चिराग पासवान ने तो बिना कोई नाम दिए अपनी यात्रा शुरू कर दी है। रुक-रुक कर होने वाली उनकी यात्रा में सभी 243 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करने की योजना है। अभी तक वे बेगूसराय के मटिहानी और शेखपुरा का दौरा कर चुके हैं।

दरअसल बिहार में राजनीतिक दलों की सरगर्मी इसलिए बढ़ गई है कि सबको समय से पहले विधानसभा चुनाव की उम्मीद है। नीतीश कुमार तो यह मांग लोकसभा चुनाव के वक्त से ही कर रहे हैं। नीतीश की सक्रियता देख सबको यह लगने लगा है कि शायद चुनाव जल्द हो जाए। हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर इस तरह का कोई संकेत नहीं मिला है। यात्राओं में सबसे अधिक चर्चित प्रशांत किशोर का दौरा रहा है। साल भर में उन्होंने तकरीबन बिहार के सभी जिलों की यात्रा कर ली है। यात्रा के क्रम में ही उन्होंने संगठन का ढांचा भी खड़ा कर लिया है। अभी तक उनके कई सम्मेलन भी पटना में हो चुके हैं। बड़ा कार्यक्रम वे 2 अक्टूबर को करने वाले हैं। उसी दिन वे 'जन सुराज' को पार्टी के रूप में लांच करेंगे। दूसरी चर्चित यात्रा तेजस्वी यादव की बन रही है। यात्रा के क्रम में तेजस्वी, नीतीश कुमार की आलोचना तो कर ही रहे हैं, कई विस्फोटक बयानों से उन्होंने सियासी हंगामा खड़ा कर दिया है।

उन्होंने यात्रा के दौरान ही उन्होंने भाजपा से तंग आकर लालू यादव और राबड़ी देवी के सामने नीतीश कुमार के गिड़गिड़ाने की बात कह दी। इसके बाद बिहार में आरजेडी और जेडीयू के बच वीडियो वार शुरू हो गया है। चिराग की यात्रा भी विस्फोटक ही है। वे अपनी यात्रा में अभी तक दो जगहों पर गए हैं और वहां विधानसभा के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा भी कर दी है। एनडीए के दोनों प्रमुख घटक दल-जेडीयू और भाजपा उस तरह से आक्रामक अभी नहीं हुए हैं, जैसे दूसरे दलों में सुगबुहाट शुरू हो गई है। सच यह है कि हर दल के सिरमौर जनता के बीच जाकर परसेप्शन बनाने की कोशिश कर रहे हैं कि सबसे बढ़िया वे ही हैं। मूल रूप से बिहार में परसेप्शन की लड़ाई नीतीश कुमार, तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर के बीच है।

चिराग पासवान भी एक ध्रुव बनने की कोशिश कर रहे हैं। परसेप्शन की इस लड़ाई में नीतीश लगातार सीएम रहने के कारण अब भी सब पर भारी हैं, लेकिन शराबबंदी, जमीन सर्वे और अफसरशाही जैसे मुद्दे उनके लिए सिरदर्द साबित हो सकते हैं। यही वजह है कि प्रशांत किशोर जमीन सर्वे का विरोध कर रहे हैं। शराबबंदी को विफल बता कर वे उसे खत्म करने की बात कह रहे हैं। प्रशांत इस तरह लोगों से वादे कर रहे हैं, जैसे उनको अपनी सरकार बनने का पूरा भरोसा है। तेजस्वी अभी कोई वादा तो नहीं कर रहे हैं, लेकिन जिस तरह रोजगार और अपराध को उन्होंने मुद्दा बनाया है, उससे लगता है कि वे 'इंडिया ब्लॉक' की सरकार बन जाने के प्रति पूरी तरह आश्वस्त हैं।

नीतीश कुमार को अब तक बिहार के लिए किए अपने काम पर भरोसा है। उन्हें आधी आबादी पर भी पूरा यकीन है, जिसकी बात मान कर पहले उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए पंचायतों के प्रतिनिधि बनने से लेकर नौकरी तक में अच्छा खासा आरक्षण दिया। महिलाओं की बात मान कर ही उन्होंने शराबबंदी की। दलितों की दो श्रेणी बना कर उनके लिए सरकारी योजनाएं बनाईं। पसमांदा मुसलमानों पर डोरे डालने के लिए दो बार उन्होंने इस जमात के नेता अली अनवर को राज्यसभा भी भेजा था। सड़क, बिजली, पानी, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए नीतीश के काम सभी याद करते हैं। पर, नीतीश के सामने एनडीए के नेता ही संकट खड़ा करते रहे हैं। जीतन राम मांझी लगातार शराबबंदी का मखौल उड़ाते रहे हैं। चिराग पासवान तो साथ रह कर भी उनसे दुश्मनी का शाश्वत भाव बनाए हुए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में तो उन्होंने नीतीश को नुकसान पहुंचाया ही, इस बार भी वे वैसा ही करते दिख रहे हैं।

उपेंद्र कुशवाहा को एनडीए से मिला टास्क,बिहार घूमिए और 2025 से पहले रूठों को मनाइए

संवाददाता।

पटना/औरंगाबाद। कभी नीतीश कुमार की सत्ता के विरुद्ध विरासत बचाओ, नमन यात्रा निकालने वाले उपेंद्र कुशवाहा अब बिहार भर में विशेष तौर पर मध्य बिहार के इलाकों में निर्णायक वोट साबित होते रहे कुशवाहा वोटरों को एनडीए की छतरी तले लाने को बिहार यात्रा पर निकालेंगे। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान कुशवाहा की नाराजगी झेल चुके एनडीए के साथ पार्टी हित में हुए नुकसान की इस भरपाई मिशन के नायक उपेंद्र कुशवाहा की 25 सितंबर से यात्रा की शुरूआत करने जा रहे हैं।

दरअसल, लोकसभा चुनाव 2024 में कुशवाहा की झेल चुके नाराजगी के बाद एनडीए के रणनीतिकार विधान सभा चुनाव के पहले डैमेज कंट्रोल कर लेना चाहते हैं। इस डैमेज कंट्रोल के तहत दक्षिण बिहार के साथ मध्य बिहार एनडीए के टारगेट में है। इन इलाकों में कई जिले ऐसे हैं, जहां हर विधान सभा में कुशवाहा की मिनिमम 30 से 40 हजार वोट हैं। ऐसे जिलों में पटना, जहानाबाद, अरवल, औरंगाबाद, नवादा, कैमूर, रोहतास, आरा और भोजपुर के अंतर्गत आने वाले विधान सभा क्षेत्र हैं। इसके अलावा उत्तर के जिलों में समस्तीपुर, सीतामढ़ी जिलों में कुशवाहा का विशेष प्रभाव है। इसके अलावा भी कुछ जिले हैं, जहां के एक दो विधान सभा में कुशवाहा वोट का महत्व है, उनमें- मधुबनी, सहरसा, भागलपुर, मुंगेर, पूर्णिया और मधेपुरा भी शामिल है।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा अपने मिशन की शुरूआत अमर शहीद जगदेव बाबू की पावन धरती कुर्था से 25 सितंबर से शुरू कर एक स्पष्ट संदेश भी देना चाहते हैं। कुर्था शाहिद जगदेव महतो की जन्मभूमि है और जगदेव बाबू कुशवाहा राजनीति के सबसे मजबूत और प्रथम नायक रहे हैं। अब तक मिली जानकारी के अनुसार उपेंद्र कुशवाहा 25 सितंबर से यात्रा शुरू करेंगे और पहले दिन अरवल और औरंगाबाद की जनता के बीच जाएंगे। अगले दिन 26 सितंबर को औरंगाबाद और रोहतास की यात्रा करेंगे। 27 सितंबर को रोहतास और भोजपुर के 29 सितंबर को सारण जाएंगे। प्रथम चरण के टारगेट को पूरा कर संभव है दशहरा के बाद दूसरे चरण की यात्रा पर निकालेंगे।

उपेंद्र कुशवाहा किसी न किसी मिशन के साथ यात्रा पर निकलते रहें हैं। 2016-17 में बिहार की बदहाल शिक्षा के सवाल पर जिलों में संपर्क यात्रा निकाली। सीएनआरसी के तहत समझो समझाओ, देश बचाओ यात्रा वर्ष 2020 में निकाली। 2023 में तो उपेंद्र कुशवाहा ने जदयू के तमाम पदों से इस्तीफा देने के बाद विरासत बचाओ, नमन यात्रा नीतीश सरकार के विरुद्ध ही निकली। तब लोहिया और कपूरी ठाकुर और जेपी के सामाजिक मूल्यों को लेकर विरासत बचाओ यात्रा निकाली तो इस यात्रा की शुरूआत भितिहरवा से बापू के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित कर शुरू की थी।

बिहार से पाकिस्तान भेज दिए 30 करोड़ ,मासूम सोनू के 'सिंगल सिम' कनेक्शन से यूपी एटीएस भी हैरान!

संवाददाता।

सीतामढ़ी। बिहार के सीतामढ़ी का सोनू ग्रामीणों की नजर में सोनू काफी भोला भाला युवक था। हर कोई गांव के शांत-स्वभाव युवकों में सोनू का भी नाम लेते थे। इसके पीछे कारण था की वह कोई ऐसा काम नहीं किया था, जिससे लोगों की नजरों में गिरे। रविवार की शाम जब ग्रामीणों को सोनू के कारनामे की जानकारी मिली, तो मानो उनके होश ही उड़ गए। किसी को एक पल के लिए भी यकीन नहीं हो रहा था कि उनके बीच रहने वाला सोनू अंतराष्ट्रीय साइबर अपराधी है।

सूत्रों ने बताया कि यूपी एटीएस ने विदेशों में करोड़ों रुपये की हेराफेरी करने के आरोप में जिले के भिट्ठा थाना के श्रीखंडी भिट्ठा गांव के ऋषिकेश उर्फ सोनू साह को गिरफ्तार किया है। एटीएस के साथ पटना की आईबी और सीतामढ़ी की डीआईयू की टीम भी थी। सोनू का तार अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर आपराधिक संगठन से जुड़ा हुआ है। इसके पुख्ता सबूत टीम को हाथ लगे हैं। टीम ने इस हेराफेरी के धंधे में कथित रूप से संलिप्त सोनू के पिता को भी गिरफ्तार की है। दोनों को रविवार की शाम में ही यूपी एटीएस लेकर चली गई।

पुलिस के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि टीम को इस बात का पुख्ता सबूत मिला है कि सोनू साह बिटकॉइन के माध्यम से पाकिस्तान और नेपाल समेत अन्य देशों में करोड़ों रुपये भेज चुका है। खबर यहां तक मिली है कि उसने सिर्फ पाकिस्तान में अपराधियों के पास अबतक 30 करोड़ भेज चुका है।

टीम को सोनू के घर से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण मिले है, जिसकी मदद से वह साइबर अपराध करता था। इसके आलावा सोनू के कमरे से मोबाइल के कई खाली डिब्बे, लैपटॉप और डेस्कटॉप आदि बरामद हुए हैं।

सूत्रों पर यकीन करें, यह अंतर्राष्ट्रीय साइबर बड़ा ही शातिर तरीके से घर बैठे बिटकॉइन का खेल, खेल रहा था। वह जांच एजेंसियों से बचने के लिए एक सिम का एक ही बार उपयोग करता था। हालांकि सोनू की चालाकी अधिक समय तक नहीं चली और वह पकड़ा गया। यूपी एटीएस ने उसे गिरफ्तार कर उसके तमाम खेल को बिगाड़ दी है। खास बात यह के उक्त कार्रवाई की स्थानीय पुलिस को भनक तक नहीं लग सकी। दरअसल, यूपी एटीएस और आईबी की टीम छापेमारी की कोई पूर्व सूचना स्थानीय पुलिस को नहीं दी थी।सोनू और उसके पिता मोहन साह की गिरफ्तारी के बाद यूपी एटीएस की टीम स्थानीय पुलिस को सिर्फ इतना ही सूचना दी कि इस गांव से दो की गिरफ्तारी की गई है। किस मामले में गिरफ्तरी की गई है, की भी सूचना पुलिस को नहीं दी गई। गांव के कुछ लोगों ने बताया कि सोनू नशे का आदी था। वह दिन भर अपने घर के एक कमरे में बंद रहता था। उसके पड़ोसी भी उसे घर के बाहर निकलते नहीं देखते थे। ऋषिकेश के पिता मोहन साह भिट्ठामोड़ चौक पर वसुधा केंद्र का संचालन करते हैं। पिता-पुत्र की गिरफ्तारी पर श्रीखंडी भिट्ठा गांव सहित आसपास के क्षेत्र में लोग विभिन्न तरह की चर्चा कर रहे हैं।

चरण सिंह

विचार

इसलिए सुनीता को मुख्यमंत्री बनाएंगे केजरीवाल !

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के सीएम पद से इस्तीफा देने की घोषणा के बाद अब चर्चा इस बात को लेकर हो रही है कि आखिरकार अरविंद केजरीवाल किसे मुख्यमंत्री बनाएंगे ? मुख्यमंत्री बनाना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि छह महीने से पहले दिल्ली में विधानसभा चुनाव नहीं होने जा रहे हैं। यदि सीएम पद की बात करें तो आतिशी का नाम सबसे आगे चल रहा है। पर समीकरण के हिसाब से अरविंद केजरीवाल अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनाना चाहेंगे, जिस तरह से मुख्यमंत्री परिवार से अलग हटकर मुख्यमंत्री बनाने के बाद पार्टी के नेता को बड़ी समस्या का सामना करना पड़ा है।

दरअसल राजनीति में जिस मुख्यमंत्री ने भी परिवारवाद से अलग हटकर किसी अपने करीबी को मुख्यमंत्री बनाया तो उसने उसके लिए कांटे ही बिछाए। एक बार नीतीश कुमार ने अपने साथी जीतन राम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया था कि उन्हें पद से हटाना मुश्किल हो गया। उन्होंने जदयू छोड़कर अपनी हम पार्टी अलग से बना ली। हेमंत सोरेन ने जेल जाने से पहले अपनी पत्नी कल्पना सोरेन को मुख्यमंत्री बन बनाकर अपने करीबी सीनियर लीडर चंपई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया था। चंपई सोरेन अब बीजेपी में हैं। उनका कहना है कि उनका अपमान किया गया है। हां लालू प्रसाद ने जेल जाने से पहले अपनी पत्नी राबड़ी देवी को जरूर मुख्यमंत्री बना दिया था। तो क्या केजरीवाल लालू प्रसाद का रास्ता अख्तियार कर अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनवाएंगे।

सुनीता केजरीवाल को मुख्यमंत्री बनवाने की पीछे एक वजह यह भी है कि मुख्यमंत्री आवास नहीं छिनेगा। जहां तक परिवारवाद के आरोप की बात है तो बीजेपी भले ही इसे मुद्दा बनाये पर आम आदमी पार्टी में किसी नेता की मजाल नहीं है कि केजरीवाल के फैसले का विरोध कर दे। दरअसल आम आदमी पार्टी में जो मीटिंग चल रही हैं। यह सब औपचारिकता है। केजरीवाल ने नये मुख्यमंत्री के नाम का चयन कर ही इस्तीफा देने की योजना बनाई होगी। यदि केजरीवाल को सुनीता के अलावा किसी ओर को मुख्यमंत्री बनाना होता तो जेल में 177 दिन नहीं काटते। केजरीवाल ने अपनी पत्नी को राजनीति से हिसाब से तैयार किया है। दरअसल सुनीता केजरीवाल विभिन्न कार्यक्रमों में जाती रही हैं। केजरीवाल के जेल जाने के बाद सुनीता केजरीवाल ने मोर्चा संभाल लिया था। केजरीवाल की अनुपस्थिति में सुनीता केजरीवाल उनकी कुर्सी पर बैठकर संदेश देती रही हैं।

क्योंकि केजरीवाल पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस चल रहा है। वह जमानत पर जेल से बाहर आये हैं। वह नहीं चाहेंगे कि कोई और मुख्यमंत्री पद पर बैठकर अपनी लोकप्रियता बढ़ाए और उनके लिए दिक्कत पैदा करे। वैसे भी मुख्यमंत्री पद की कुर्सी पाकर कोई भी नेता बदल सकता है। केजरीवाल नहीं चाहेंगे कि उनके जेल जाने क बाद आप का कोई नेता पार्टी पर होल्ड करे। यही वजह रही कि संजय सिंह और मनीष सिसोदिया के जेल से बाहर आने के बाद केजरीवाल ने आतिशी को बढ़ावा दिया।

अब जनता के उपहास के सौ दिन

-राकेश अचल-

देश में मोदी सरकार-3 ने अपने कार्यकाल के सौ दिन पूरे करने के साथ ही अपनी उपलब्धियों का ढिंढोरा पीटना शुरू कर दिया है लेकिन दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार के बेल-कीपर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की घोषणा से ये उपलब्धियों का शोर न जाने कहाँ दब गयीं। अब देश में चरों तरफ उपलब्धियों का नहीं हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभाओं के चुनावों में हो रहे आरोप-प्रत्यारोपों का शोर ज्यादा तेज है।

बैशाखियों के सहारे 100 दिन सरकार चलने के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी के लिए बधाई बनती है। मै मोदी जो को उनकी इस कामयाबी के लिए बधाई देता हूँ, हालाँकि मेरी बधाई उनके किसी काम की नहीं है। उन्हें तो अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बधाई चाहिए। जो अभी तक आई नहीं है। आसपड़ोस के किसी देश से 100 दिन की सरकार के लिए बधाइयों का न आना उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना महत्वपूर्ण माननीय प्रधानमंत्री द्वारा झारखण्ड की जनता को झारखंड के तीन दुश्मनों के नाम गिनाना है।

जिस समय मोदी जी को अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाना था उस समय वे हरियाणा, जम्मू-कश्मीर और झारखण्ड में उलझे हैं और इन राज्यों में कांग्रेस, आरजेडी, झामुमो और नेशनल कांफ्रेंस तथा दीगर विरोधी दलों की कमियां गिना रहे हैं, लेकिन मै ऐसा नहीं हूँ। मै आपको बताऊंगा कि मोदी जी की सरकार ने 100 दिन में देश के लिए क्या किया और क्या नहीं किया? सरकार की और से दावा किया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में तीन लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है। सरकार ने कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को सुविधाजनक बनाने के लिए बुनियादी ढांचे में 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है. पीएम मोदी ने 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है।

पिछले महीने के अंत में, पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में 76, 000 करोड़ रुपये की लागत वाली मेगा वधवन पोर्ट परियोजना और कई अन्य विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी, क्योंकि वहां विधानसभा कि चुनाव होना हैं। इसके पूरा होने पर, इससे देश में 12 लाख नौकरियां और लगभग 1 करोड़ अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। भगवान करे कि ऐसा हो। मोदी जी तो सब कुछ करना चाहते हैं लेकिन उनकी योजनाओं पर काम करने वाली तमाम एजेंसियां सब गुड़- गोबर कर देतीं है। वे हवाई अड्डे बनाती है तो टपकने लगते है। पुल बनातीं है तो वे बह जाते हैं। सड़कों में गड्ढे हो जाते हैं।

आपको मोदी सरकार के सौ दिन की उपलब्धियों कि साथ ही सरकार की नाकामियों कि बारे में भी जानना चाहिए। सरकार को इन सौ दिन में संसद में और संसद कि बाहर बार-बार मुंह की भी खाना पड़ी। सरकार वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक पारित नहीं करा पायी। सरकार को लैटरल एन्ट्री पर अपने कदम वापस लेने पड़े, सरकार मीडिया से जुड़े विधेयक पर भी पीछे हट गयी। सरकार बंगाल और दिल्ली में सरकारों को नहीं हिला सकी। सरकार मणिपुर की आग नहीं बुझा पायी। लेकिन इस सबसे क्या? सरकार ने इन सौ दिनों में बैशाखियों पर चलना सीख लिया। मणिपुर जलता रहा लेकिन सरकार यूक्रेन को बचने निकल पड़ी। बांग्लादेश में तख्ता पलट के बाद सरकार वहां कि हन्दू अल्पसंख्यकों कि लिए सीना तानकर खड़ी नहीं हो पायी, लेकिन सरकार ने अमेरिका में राहुल कि बयानों को लेकर मोर्चा जरूर लिया।

सौ दिन की सरकार कि मुखिया झारखण्ड में चुनाव पूर्व की रैलियों में दावा कर रही है कि झामुमो के लोग बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के साथ खड़े हैं। ये घुसपैठिए और कट्टरपंथी झामुमो को भी अपने कब्जे में लेते जा रहे हैं। इनके लोग झारखंड मुक्ति के भीतर भी घुस गए हैं। जानते हैं ऐसा क्यों हुआ? क्योंकि झामुमो में कांग्रेस का भूत घुस गया है, लेकिन मोदी जी कि पास इस बात का कोई जबाब नहीं है कि उनकी सरकार तो बांग्लादेश की पूर्व मुख्यमंत्री शेख हसीना को ही अपना मेहमान बनाये बैठी है, जबकि उनके खिलाफ उनके अपने देश में हत्या जैसे जघन्य आरोपों कि 58 मामले दर्ज हैं।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

-राकेश अचल-

अब बिहार में शराब की सियासत

आजकल शराबबंदी को लेकर बिहार एक बार फिर से चर्चा में है। केंद्रीय मंत्री जीतनराम माझी ने बिहार में शराबबंदी को लेकर सवाल किये खड़े हैं। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का एक बयान वायरल हो रहा है जिसमें वो दावा कर रहे हैं कि राज्य में शराबबंदी होने के बावजूद भी वो शराब पीते हैं। उन्होंने 4-5 लाख गरीबों के जेल जाने का दावा किया। मांझी ने शराबबंदी की समीक्षा की मांग की। माझी की स्पष्टवादिता के हम तो कायल हैं। उन्होंने कहा है कि –हम शराबबंदी के पक्षधर हैं, लेकिन जिस तरीके से यह कानून लागू है वह गलत है। माझी ने कहा कि शराबबंदी कानून के बारे में हम हमेशा कहते रहे हैं कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। हम सबने मिलकर शराबबंदी कानून बनाया है।

शराब और सियासत का बड़ा नजदीकी रिश्ता है। शराबबंदी करके कोई नेता बड़ा सुधारवादी बन जाता है और कोई नेता शराब घोटाले में फंसकर जेल की हवा खाता है, लेकिन लोग हैं कि शराब पीने से बाज नहीं आते। आ भी नहीं सकते, क्योंकि शराब चीज ही ऐसी है। शराब पीना अगर पुण्य नहीं है तो पाप भी तो नहीं है। हम तो सनातनी हैं, इसलिए शराब को समुद्र मंथन का उपहार मानते हैं, और चाहते हैं कि शराब हर जगह मिले और हर जगह पी जाये। चचा गालिब ने तभी तो शायद कहा है कि-

जाहिद शराब पीने दे मस्जिद में बैठ कर

या वो जगह बता दे जहाँ पर खुदा न हो

भारत में शराबबंदी कि मांग नयी नहीं है। महात्मा गाँधी के समय से लोग शराबबंदी की मांग करते आ रहे हैं। जहाँ तक मुझे याद आता है कि 1960 में राज्य के गठन के बाद से ही गुजरात में शराबबंदी लागू है। यहां गांधी जी के सिद्धांतों का कड़ाई से पालन किया जाता है। साथ ही कड़े कानून लागू हैं। हालांकि यहां भी चोरी छिपे शराब बिकने की खबरें आती रहती हैं। गुजरात के बाद बिहार में अप्रैल 2016 से राज्य भर में शराबबंदी लागू कर दी गई। बिहार की तत्कालीन सरकार ने अपराधों पर लगाम लगाने के मकसद से शराबबंदी लागू की थी। हालांकि न अपराध रुके न सरकार शराब की तस्करी को रोक पाई। आए दिन पड़ोसी राज्यों से बिहार में शराब आने की खबरें आती रहती हैं। वैसे बिहार में शराब की बिक्री पूरी तरह से प्रतिबंधित है।

कहते हैं कि चर्च, महिला समूहों के नेतृत्व में मिजोरम ने 1997 में शराबबंदी लागू की थी। यहां वर्ष 2015-2019 के बीच प्रतिबंध हटा लिया गया था हालांकि, बाद में फिर से प्रतिबंध लागू कर दिया गया है। शराबबंदी को लेकर यहां आज भी पक्ष-विपक्ष में चर्चा होती रहती है। लक्षद्वीप में शराब को लेकर बेहद सख्त कानून हैं। यहां सिर्फ कुछ रिसॉर्ट्स में ही शराब की बिक्री होती है और सेवन सीमित है। लक्षद्वीप पर्यटन स्थल है इस कारण कुछ रिसॉर्ट्स में शराब मिलती है लेकिन स्थानीय स्तर पर शराब बिक्री पूरी तरह से प्रतिबंधित है। महाराष्ट्र के भी तमाम शहरों में शराब आसानी से नहीं मिलती।

आजकल शराबबंदी को लेकर बिहार एक बार फिर से चर्चा में है। केंद्रीय मंत्री जीतनराम माझी ने बिहार में शराबबंदी को लेकर सवाल किये खड़े हैं। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का एक बयान वायरल हो रहा है जिसमें वो दावा कर रहे हैं कि राज्य में शराबबंदी होने के बावजूद भी वो शराब पीते हैं। उन्होंने 4-5 लाख गरीबों के जेल जाने का दावा किया। मांझी ने शराबबंदी की समीक्षा की मांग की। माझी की स्पष्टवादिता के हम तो कायल हैं। उन्होंने कहा है कि -हम शराबबंदी के पक्षधर हैं, लेकिन जिस तरीके से यह कानून लागू है वह गलत है। माझी ने कहा कि शराबबंदी कानून के बारे में हम हमेशा कहते रहे हैं कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है। हम सबने मिलकर शराबबंदी कानून बनाया है। हम इसे बुरा क्यों कहेंगे? लेकिन इसके पालन में अनियमितताएं हैं। गरीब लोग भी अगर थोड़ा सा भी शराब पीते हैं तो उन्हें जेल भेज दिया जाता है लेकिन हजारों-लाखों लीटर शराब की तस्करी करने वाले छूट रहे है।

बिहार में शराबबंदी की तीन बार समीक्षा हो चुकी है और सरकार चौथी बार भी शराबबंदी की समीक्षा करने के लिए तैयार है, ये सरकार की दरियादिली है। अब समीक्षा होती है या नहीं, ये बाद की बात है, लेकिन इसी मुद्दे पर बिहार में सरकार बनाने का सपना देख रहे प्रशांत किशोर का कहना है कि यदि वे सत्ता में आये तो बिहार में शराबबंदी को तत्काल समाप्त कर देंगे। लगता है कि प्रशांत किशोर गांधीवादी नहीं बल्कि गालिबवादी हैं। अब उनकी इस घोषणा से बिहार के मदिराप्रेमी कितने उत्साहित होंगे, इसका पता तो बिहार विधानसभा चुनाव के समय पता चलेगा। फिलहाल सब कुछ हवा-हवाई है।

अनेक राजनीतिक दलों को चुनाव लड़ा चुके प्रशांत किशोर ने दावा किया है कि अगर जन सुराज की सरकार बनती है तो वो एक घंटे के भीतर शराबबंदी खत्म कर देंगे। प्रशांत किशोर ने शराबबंदी कानून को महज एक दिखावा करार दिया। मौजूदा शराबबंदी को अप्रभावी बताते हुए पीके ने कहा कि इस कानून के कारण राज्य के हर कोने में शराब की अवैध होम डिलीवरी हो रही है और बिहार को हजारों करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है।

प्रशांत किशोर उर्फ पीके के शराबबंदी खत्म करने वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जेडीयू ने कहा, ह्लप्रशांत किशोर पटना में बेली रोड पर एक हवेली में रहते हैं। उसके ठीक बगल में जेडी वीमेंस कॉलेज है। उसके आगे वीमेंस कॉलेज है। प्रशांत किशोर में हिम्मत है तो वहां लड़कियों के हुजूम के बीच आकर बोले दें कि हमारी सरकार बनी तो शराबबंदी हटाएंगे? छात्राएं उनके होश ठिकाने लगा देंगी।

भाजपा प्रवक्ता अरविन्द सिंह ने तंज कसते हुए कहा, ह्लकौन हैं प्रशांत किशोर? नहीं जानते हम लोग। एक प्रशांत किशोर का नाम सुने हैं जिन्होंने ममता बनर्जी, कांग्रेस, आरजेडी को जिताने का टेंडर लिया था। वे राजनीतिक दलों को जिताने-हराने का टेंडर लेते हैं। जिस राजनीतिक दल का जन्म नहीं हुआ है उसके नेता बिहार बदलने की बात कर रहे हैं। यह मुंगेरीलाल के हसीन सपने हैं। ह्ल आरजेडी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, ह्लप्रशांत किशोर कह रहे मदिरालय खोलेंगे, लोगों को वह शराब पिलाएगे। वह लोगों को शराबी बनाएंगें। आज तक प्रशांत किशोर वार्ड पार्षद तक का चुनाव नहीं लड़े है। वे सरकार बनाने का दिवास्वप्न देख रहे हैं। रोज अनाप-शनाप बयान देकर सुर्खियों में बने रहना चाहते हैं। जनता प्रशांत किशोर को खारिज करेगी तब उनको पता चल जाएगा कि जनता राजनीतिक रूप से कितनी जागरूक है. मदिरालय नहीं पुस्तकालय, विद्यालय, महाविद्यालय चाहिए। ह्ल

मै प्रशांत किशोर से बड़ा सत्यवादी ही नहीं बल्कि गांधीवादी भी हूं और पूरी ईमानदारी से कहता हूँ कि मैंने दुनिया के तमाम देशों की मदिरा का स्वाद चखा है, लेकिन मैं शराबी नहीं हूँ। मुझे पता है कि भारत में शराब पीने की कानूनी उम्र तय है और शराब की बिक्री तथा खपत को नियंत्रित करने वाले कानून प्रत्येक राज्यों में अलग-अलग हैं। भारत में मुख्य रूप से बिहार, गुजरात, नागालैंड, और मिजोरम राज्यों के अलावा केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में शराब का सेवन प्रतिबंधित है। मणिपुर के कुछ जिलों में शराब पर आंशिक रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। इसके अलावा अन्य सभी भारतीय राज्य शराब की बिक्री की अनुमति देते हैं लेकिन शराब पीने की कानूनी उम्र को भी तय करते हैं, जो प्रत्येक क्षेत्र में अलग-अलग निर्धारित होती है।

विदेशों में न गांधीवाद के नाम पर शराबबंदी है और न शराब को लेकर कोई सियासत होती है। वहां शराब एक उपभोक्ता वस्तु है और हर जगह उपलब्ध है। विदेशों में शराब, किराने और दवाएं एक ही छत के नीचे मिलती हैं। शराब से सरकार को राजस्व मिलता है। कहीं कम तो कहीं ज्यादा। कहीं शराब घोटाले हो जाते हैं और कहीं होकर भी नहीं होते। हर सरकार में एक आबकारी मंत्री होता है। कहीं-कहीं तो मुख्यमंत्री खुद आबकारी मंत्री होता है, क्योंकि आबकारी राजस्व ही सरकारों की आय का प्रमुख मद होता है। बिहार में शराब को लेकर सियासत नकली है।

ऊषा शुक्ला

अर्धनग्न कपड़ों में आखिर कैसी आधुनिकता

महिलाओं का आज का दौर बड़ा अजीबोगरीब हो गया हैं। आधुनिकता की आड़ में महिलाएँ या कहे लड़कियाँ अर्ध नग्न कपड़े पहनकर सड़कों पर घूमती नजर आती है । शर्म आती हैं ऐसे माताओं पर जो अपने मासूमो को ऐसे कपड़ों में घर के बाहर निकालती है। महिलाओं का आज का स्वभाव भी उनके कपड़ों की तरह फटाफटा सा हो गया है।हम जो कपड़े पहनते हैं, उसका प्रभाव हमारे मन, बुद्धि, आत्मा हमारे स्वभाव तथा चरित्र पर पड़ता है।अर्धनग्न केवल लड़कियां और औरतें ही ऐसे सूट साड़ी या ड्रेस जिसमें पूरी पीठ, पूरी टांगे, पूरा वक्ष क्यों दिखाती है? मॉडर्न दिखने के चक्कर में लड़कियां केवल अर्ध नग्न कपड़े को ही आधुनिकता क्यों समझ रही है? 'मेरी जिंदगी, मेरा फैसला' अगर सही है तो नग्नता का फैसला ही क्यों लेती है? ' अपनी कला, या अपना पुरोगामित्व सिद्ध करने के लिए ऐसे करते क्यूं नही नजर आते? यह भेदभाव क्यों? यह तो एक नही , हमको अर्धनग्न लड़के क्यों नही नजर आते? क्यों नहीं लड़के अपने शरीर का प्रदर्शन करते हुए रास्ते पर दिखते ? चाहे पार्टी हो, या शादी, हर आदमी बढ़िया सर से पांव तक पूरा ढका रहता है, चाहे जितना मॉडर्न हो।आप किसी भी फिल्मी समारोह को देखिए चाहे ऑस्कर हो या हमारा फिल्मफेयर, आदमी पूरे बढ़िया सूट बूट वाले और सारी औरतें ऊपर से, पेट से, कमर से कटे कपड़े पहनकर नजर आएंगी। ये क्यों है दोगला पन है।अपना शरीर लोगों को दिखाना यह एक साधारण लड़की के मन में तब तक नही आएगा जब तक की वह हमारी मीडिया से एक्सपोज नही होगी। हम अपने आप को ही पुरुषप्रधानता का और शिकार बना रहे है। लड़के लो कट टी शर्ट, टांगे दिखानेवाल जीन्स या जिन में गर्मी से जान जा रही हो ऐसे चुस्त जीन्स में क्यों नजर नहीं आते? उनकी जींस बढ़िया आरामदेह , ।उनका तैराकी का पोशाक भी पूरा बॉटम ढकता है, महिलाओं का बस त्रिकोण , बाकी शरीर खुला। क्यों? क्या यह नैसर्गिक है?खेल खेलते समय भी देखिए, लड़के आरामदेह और अच्छी ढ़ीली ढाली शॉर्ट्स पहनते है पर लड़कियां वहा पर भी पूरा शरीर दिखाती है तो यह बात की आराम के लिए लड़कियां ऐसे करती है यह बात समझ नही आती।।फैशन के इस युग में अनचाहे ही लड़कियां अपने आप को आधुनिक और नई पीढ़ी की सीखने के चक्कर में दलदल में और फंसती जा रही है।मुझे स्वतंत्रता है तो मैं अपना शरीर दिखाऊंगी? यह काहे की स्वतंत्रता। मन चाहे कपड़े सब लोगों के अर्ध नग्न ही क्यों होते है?अपनी सिनेमा में काम करनेवाली लड़कियां ऐसे करे तो समझ में आता है। उनको काम उनके शरीर के सुंदरता की वजह से मिल है, लोग वही देखन चाहते है, तो निमार्ता उनका शरीर बेच रहे है, लोग वही देखने जा है इसलिए अर्ध नग्न नायिका केवल पैसे कमाने के लिए दिखाई जाती है। चाहे लोग उसे कुछ भी नाम दे, कला कहें या अस्तित्व वादी कहें या जो भी यह सच है की औरतों को अपना देह दिखाने के पैसे मिलते है। चलो, मान लिया यही वहा का दस्तूर है और पैसे के लिए कुछ भी कर लेती है लड़कियां । पर जब असहज होकर अपना शरीर सारी दुनिया के सामने रखती लड़की देखने से अचरज होता है। समाज के बड़े समूह के बारे में यह कह सकती हूं के राह चलते लोग हमारे शरीर को देखे तो हम सब को असहज लगेगा। ना केवल स्त्री को पुरुष को भी। किसी को भी लगेगा।फिर कौन सी बात है जा केवल अपने आपको मॉडर्न समझने वाली लड़कियां ही समझ पाती है और वह अपना शरीर सबके सामने खुला कर रखना चाहती है? यह पुरुषप्रधान संस्कृति की सबसे बड़ी जीत लगती है जिन्होंने लड़कियों को वही करने के लिए मजबूर किया भाई जो वह खुद चाहते है। ।अगर आप सचमुख आधुनिक लड़कियां या महिलाएं देखना चाहेंगे तो दुनिया भरी पड़ी है उनसे। जो हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ काम करती है, सही में आधुनिक है पर उनकी आधुनिकता अपना शरीर खुला करने में नही है। वह भी पुरुषों की तरह आराम देय अपने काम के अनुसार कपड़े पहनती है। एक आईएएस अधिकारी, एक डॉक्टर, एक अभियंता, एक अध्यापिका, एक शेफ, एक पुलिस कर्मी, इनको क्यों नही ऐसे कपड़े पहनने की इच्छा होती? यह तो स्वतंत्र है, इनपर समाज का दबाव भी नही है, अपना कमाती है, कई तो शादिसुदा भी नही है फिर भी अपना शरीर ढकना ही पसंद करती है।कपड़े एक जरूरत है अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए। यह जो किस्म की बातें है वह केवल एक व्यवसाय है। केवल पैसा बनाने का माध्यम और साधन। हर साल कुछ फिल्म वाली लड़कियों को अजीब , छोटे छोटे कपड़े पहना कर फोटो डाल दी जाती है ।हर व्यक्ति को अपनी पसंद के कपड़े पहनने का अधिकार है। पर अगर यह सोच मौलिक होती तो विचार भी किया जा सकता था। मै रूढ़िवादी नही हूं। मुझे कपड़ों से आपत्ति नहीं है। मुझे खुद हर किस्म के कपड़े पहनना पसंद है लेकिन मैं ही नही, मेरी बिटिया भी जो भी पहने तो लोग हमें घूरें या देखें यह भाव उसमे नही होता। हम समाज के कई रूढ़ियों के प्रति विरोध प्रदर्शित करते हैं पर उसमे कम कपड़े पहनना शामिल नहीं है। वैसे तो मैं यह भी जानते हो कि सड़क पर चलने वाली महिलाओं को लोग साड़ी और सूट में भी गंदी नजर से देखते हैं फिर भी मैं यह कहना चाहूंगी कि बहुत अधिक अर्ध नग्न कपड़े पहनकर सड़क पर नहीं घूमना चाहिए।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)

-अशोक मधुप-

चीन पर कभी यकीन नहीं किया जा सकता

लगातार चार साल से चले आ रहे भारत चीन के बीच तनाव के कम होने के संकेत हैं। भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंधों को लेकर हाल में घटनाक्रम बहुत तेजी से घटा है। चीन भारत सीमा से सेना का पीछे हटना बहुत अच्छा है किंतु चीन की बात पर आंख मुंदकर यकीन नही किया जा सकता। समझौते करने के बाद अपनी बात से मुकरना उसकी आदत रही है। धोखा देना चीन का चरित्र है। उसपर पूरी तरह से नजर रखनी होगी। उसकी चाल के अनुरूप हमें अपना व्यवहार और तैयारी करना होंगी।

भारत चीन सीमा विवाद के सुलझने के संकेत गुरुवार को ही सेंट पीटर्सबर्ग में ब्रिक्स एनएसए लेवल की समिट के साइडलाइन्स पर हुई उस बैठक के दौरान ही दिख गए थे जो एनएसए अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई थी। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से बैठक के बाद जारी प्रेस नोट में इस बात का जिक्र था कि दोनों देशों ने बचे हुए क्षेत्रों में भी पूर्ण डिसएंगेजमेंट की दिशा में काम करने को लेकर सहमति जताई है। जानकार मानते हैं कि गतिरोध दूर करने करने की दिशा में ले जाने की प्रक्रिया एकाएक नहीं होती। इसके लिए बैकग्राउंड में काम होता रहता है।

ओआरएफ में फेलो और चीन मामलों के जानकार कल्पित मणकिकर कहते हैं कि 'ऐसा एक लंबी प्रक्रिया के तहत होता है। दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और दोनों देशों के विदेश मंत्री लगातार मुलाकात करते आ रहे हैं। पिछले चार सालों से बॉर्डर मुद्दों को सुलझाने को लेकर कोशिशें लगातार हो रही है। सेना के कमांडर स्तर पर बातें अलग से होती रही हैं। भारत और चीन दोनों की ओर से इस तरह की कोशिशें की जा रही थी। हालांकि अब जो दिख रहा है, उसके मद्देनजर इस तरह की कोशिशें क्या दिशा लेंगी, इसे लेकर अभी वेट एंड वॉच की स्थिति में ही रहा जा सकता है। बॉर्डर पर आए गतिरोध के मद्देनजर विदेश मंत्रियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की बैठकें किए जाने का एक मैकेनिज्म तैयार किया गया है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पूर्वी लद्दाख में सीमा मुद्दे पर गुरुवार को कहा कि सैनिकों की वापसी से संबंधित मुद्दे लगभग 75 प्रतिशत तक सुलझ गए हैं लेकिन बड़ा मुद्दा सीमा पर बढ़ते सैन्यीकरण का है। जिनेवा में थिंकटैंक के एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि जून 2020 में गलवन घाटी में हुए टकराव ने भारत-चीन संबंधों को समग्र रूप से प्रभावित किया।

जयशंकर ने कहा कि विवादित मुद्दों का समाधान ढूंढ़ने के लिए दोनों पक्षों में बातचीत चल रही है। हमने कुछ प्रगति की है। मोटे तौर पर सैनिकों की वापसी संबंधी करीब तीन-चौथाई मुद्दों का हल निकाल लिया गया है। लेकिन इससे भी बड़ा मुद्दा यह है कि हम दोनों ने अपनी सेनाओं को एक-दूसरे के करीब ला दिया है और इस लिहाज से सीमा का सैन्यीकरण हो रहा है।

सूत्रों का कहना है कि भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख में कुछ टकराव वाले बिंदुओं पर गतिरोध बना हुआ है। भारत कहता रहा है कि सेना के पूर्व स्थान पर पहुंचे बिना सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति नहीं होगी, चीन के साथ संबंध सामान्य नहीं हो सकते। जयशंकर ने कहा कि 2020 में जो कुछ हुआ, वह कुछ कारणों से कई समझौतों का उल्लंघन था जो अभी भी हमारे लिए पूरी तरह से स्पष्ट नहीं हैं। चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बहुत बड़ी संख्या में सैनिकों को तैनात किया और स्वाभाविक रूप से जवाबी तौर पर हमने भी अपने सैनिकों को भेजा।

2020 की झड़प के बाद से दोनों देश सीमा पर बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, जिसे वास्तविक नियंत्रण रेखा के रूप में भी जाना जाता है। भारत द्वारा उच्च ऊंचाई वाले हवाई अड्डे तक एक नई सड़क का निर्माण चीनी सैनिकों के साथ 2020 में होने वाली घातक झड़प के मुख्य कारणों में से एक माना जा रहा है।

इस बार चीनी सेना के सीमा से पीछे हटने का कारण चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य वांग काबयान भी है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अशांत विश्व का सामना करते हुए, दो प्राचीन पूर्वी सभ्यताओं और उभरते विकासशील देशों के रूप में चीन और भारत को स्वतंत्रता पर दृढ़ रहना चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि एकता और सहयोग का चयन करना चाहिए तथा एक-दूसरे को नुकसान पहुंचाने से बचना चाहिए। वांग ने उम्मीद जताई कि दोनों पक्ष व्यावहारिक दृष्टिकोण के जरिए अपने मतभेदों को उचित ढंग से हल करेंगे और एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करने का उचित तरीका ढूंढेंगे। चीन-भारत संबंधों को स्वस्थ, स्थिर और सतत विकास के रास्ते पर वापस लाएंगे।

इतना सब हो रहा है पर जरूरी यह है कि दोनों का मई 2020 की यथास्थिति पर वापस लौटना ही समाधान है। निश्चित रूप से पीछे हटना समाधान नहीं है। यदि निश्चित रूप से समाधान के रास्ते पर चले तो भारत नुकसान में ही रहेगा। इन सब को देखकर भारत को चलना होगा। मई 2020 की स्थिति पर चीन सहमत होगा, ऐसा नही लगता।

सीमा विवाद के चार साल के दौरान समाचार आए की चीन सीमा पर नए हवाई अड्डे-सैनिक छावनी उनके लिए बंकर बना रहा है। अपने सीमा से सटे क्षेत्र में गांव विकसित कर रहा है। भारतीय क्षेत्र के स्थानों क नाम बदल रहा है। हालाकि विवाद की अवधि में भारत ने भी सीमा पर सुरक्षा ढांचा विकसित किया है। नए एयरबेस तैयार कर रहा है। ठंडे स्थानों में रहने के लिए सैनिकों को प्रशिक्षित करने के साथ ही उनके लिए बर्फ के दौरान भी रहने के लिए सौलर से गर्म करने वाले उनके टैंट बना रहा है। इस प्रक्रिया को भारत का और तेज करना होगा। सीमा रेखा के सटाकर गांव विकसित करने होंगे तोकि चीन की गतिविधि पर नजर रखी जा सके। एक तरह से चीन की प्रत्येक कार्रवाई का उत्तर उसके कदम ही से आगे बढकर देना होगा।

एक बात और चीन कभी का काबू में आ गया होगा, काश हम भारतीय सही अर्थ में देशभक्त होते। मई 2020 में चीन से विवाद होने पर भारतीयों की फेसबुक पर बड़ी देशभक्ति दिखाई दी। लगाकि अब भारत में चीन का बना सामान नही आएगा। दीपावली पर व्यापारियों के आंकड़े भी आए कि चीन से बना कोई सामान नही मंगाया गया। जबकि आंकड़े इसके विपरीत हैं। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के अनुसार वित्त वर्ष 2023-24 में भारत और चीन के बीच कुल 118.4 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। वहीं, अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार 118.3 अरब डॉलर रहा। 2021-22 और 2022-23 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार अमेरिका रहा था। अब चीन है। अमेरिका से हम अस्त्र- शस्त्र जैसे महंगे सामान लेते हैं। इसलिए वहां से आयात जयादा होना चाहिए था। चीन जानता है कि भारतीय और भारतीय व्यापारी सस्ते के लालच में उसका ही माल खरीदेंगे। इसलिए वह हठधर्मी पर है, यदि चीन का आयात दस प्रतिशत भी घट गया होता तो चीन कभी का भारत के आगे झुककर समझौता करने को मजबूर हो जाता।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

हरियाणा में इमोशनल कार्ड खेलेंगे केजरीवाल लेकिन 'आप' के लिए इतनी आसान नहीं डगर

चंडीगढ़। आबकारी नीति घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद मुख्यमंत्री का पद छोड़कर अब दिल्ली के अरविंद केजरीवाल हरियाणा के विधानसभा चुनाव पर फोकस करेंगे। रणनीति के तहत वह यहां इमोशनल कार्ड खेलेंगे। एक तो केजरीवाल मूलरूप से हरियाणा के रहने वाले हैं, दूसरा जेल में रहने के बाद सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद वह मतदाताओं की सहानुभूति हासिल करने की कोशिश करेंगे। कांग्रेस से गठबंधन नहीं होने की सूरत में इस बार आम आदमी पार्टी हरियाणा की सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

प्रत्याशियों को मैदान में उतारकर आप नेताओं ने प्रचार तेज कर दिया है। हालांकि, जमीनी स्तर पर मजबूत संगठन नहीं होने के चलते आम आदमी पार्टी के लिए यह चुनाव इतना आसान नहीं है। लेकिन केजरीवाल के बाहर आने के बाद आप नेता और कार्यकर्ता उत्साहित हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री का पद छोड़कर केजरीवाल सीधे हरियाणा का रुख करेंगे। संभावना है कि केजरीवाल की हरियाणा में 5 से 6 बड़ी रैलियां होंगी और दर्जनभर से अधिक रोड शो होंगे। इससे पहले केजरीवाल की पत्नी भी अरविंद को हरियाणा का लाडला कहकर हरियाणा के लोगों को साधने की कोशिश कर चुकी हैं। अब खुद केजरीवाल हरियाणा के दौरे पर रहेंगे तो लोगों से भावुक अपील करेंगे। इनके अलावा, पंजाब और दिल्ली में आप की सरकार द्वारा कराए जा रहे कार्यों का भी बखान करेंगे। केजरीवाल मुख्य रूप से शिक्षा और स्वास्थ्य के साथ-साथ मुफ्त बिजली-पानी को मुद्दा बनाने की कोशिश करेंगे।

केजरीवाल से एक बार फिर से दिल्ली को चौंकाया...मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का एलान कर अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर दिल्ली को चौंका दिया है। लेकिन ये पहला मौका नहीं है जब केजरीवाल ने इस तरह की सियासी सनसनी पैदा की है। इससे पहले 2013 में पहली बार दिल्ली की सत्ता हासिल करने वाले केजरीवाल ने कई चौंकाने वाले फैसले लिए हैं। पहली बार 49 दिन तक सरकार चलाकर अचानक से केजरीवाल ने इस्तीफा दे दिया था। उस वक्त मुख्यमंत्री ने इसकी वजह जनलोकपाल बिल पास न हो पाना बताया था। इसके बाद जब विधानसभा के चुनाव हुए तो केजरीवाल की पार्टी ने अकेले बहुमत हासिल किया।

जनता की अदालत में जाने का फैसला, नवंबर में चुनाव कराने की मांग...तिहाड़ जेल से दो दिन पहले जमानत पर बाहर निकले दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एलान किया है कि वह दो दिन में इस्तीफा देंगे।

वह दिल्ली विधान सभा भंग करने की सिफारिश नहीं करेंगे। इसकी जगह मंगलवार आम आदमी पार्टी (आप) विधायक दल की बैठक में नए नेता का चुनाव होगा। इसके बाद दिल्ली में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया शुरू होगी।

अब भाजपा में मुख्यमंत्री पद को लेकर घमासान कांग्रेस में भी सीएम पद के ये चार दावेदार, छिड़ी रार

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद को लेकर कांग्रेस के बाद अब भाजपा में भी रार छिड़ गई है। पूर्व गृह मंत्री अनिल विज द्वारा मुख्यमंत्री पद पर दावा जताने के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया है। इससे पहले 2014 और 2019 के चुनाव में भी विज सीएम पद की दौड़ में शामिल रहे थे, लेकिन हाईकमान ने उनके नाम पर मुहर न लगाकर मनोहर लाल को कमान सौंपी थी।

अब खुलकर सीएम पद पर दावा जताकर विज ने बड़ा सियासी दांव खेला है। हालांकि, राजनीतिक लोगों का मानना है कि यह दावा सोची-समझी रणनीति के तहत दिया गया है। क्योंकि लगातार विधायक बनने के चलते यहां पर एंटीइंकम्बेंसी है, इसका तोड़ निकालने के लिए यह दावा किया गया है। भाजपा हाईकमान पहले से ही मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को सीएम पद का चेहरा घोषित कर चुका है। शाह ने पंचकूला में हुए भाजपा के सम्मेलन में इसका एलान किया था। इसके बावजूद, केंद्रीय राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी मुख्यमंत्री पद को लेकर इच्छा जाहिर कर चुके हैं।

राव पहले भी इस प्रकार के बयान दे चुके हैं, लेकिन हाईकमान ने इनको कभी गंभीरता से नहीं लिया। अब विज के बयान के बाद से राजनीतिक घमासान मच गया है। क्योंकि भाजपा में इस प्रकार की संस्कृति नहीं रही है कि कोई खुद को ही सीएम पद का दावेदार घोषित करे। विज इस समय अंबाला कैंट से भाजपा के प्रत्याशी हैं।

सैनी के सीएम बनने का किया था खुला विरोध...अनिल विज मनोहर लाल के कार्यकाल में कैबिनेट मंत्री रहे। लेकिन हाईकमान के फैसले के बाद मनोहर लाल के बाद नायब सैनी को सीएम बनाया गया था। उस समय भी विज ने इसका विरोध किया था। जब सैनी के नाम का प्रस्ताव रखा गया तो विज बैठक छोड़कर निकल गए थे। हाईकमान उनको कैबिनेट में शामिल करना चाह रहा था, लेकिन विज ने इससे साफ इन्कार कर दिया था। इसलिए उनको तीसरी बार कैबिनेट में शामिल नहीं किया गया था और उनकी जगह अंबाला सिटी से विधायक असीम गोयल को मौका मिला था।

कांग्रेस में सीएम पद के चार दावेदार...कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के चार दावेदार हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का नाम सबसे पहले आता है। इसके बाद सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा और इसके बाद रणदीप सुरजेवाला का नाम है।

ये दोनों भी हाईकमान दरबार के विश्वसनीय चेहरे हैं। कुमारी सैलजा इस बार खुलकर कह भी रही हैं कि प्रदेश का सीएम दलित बनना चाहिए और समाज इसकी अपेक्षा करता है। इसी प्रकार, सुरजेवाला प्रदेश का नेतृत्व करने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं।

वहीं, हुड्डा खेमे ने इन दोनों द्वारा दावा जताने के बाद सांसद दीपेंद्र हुड्डा का नाम आगे कर दिया है। दीपेंद्र चार बार के सांसद और पूर्व सीएम हुड्डा के बेटे हैं। पहली बार दीपेंद्र हुड्डा ने हरियाणा मांगे हिसाब अभियान पूरे प्रदेश में चलाया है।

भाजपा एससी मोर्चे के जिलाध्यक्ष ने मंच से फेंकी कुर्सी

बहादुरगढ़। सोमवार को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल बीजेपी प्रत्याशी दिनेश कौशिक के समर्थन में प्रचार के लिए बहादुरगढ़ पहुंचे। हरि गार्डन में लोगों को संबोधित करने के बाद निकल गए। मंच पर बीजेपी के पूर्व विधायक नरेश कौशिक, प्रत्याशी दिनेश कौशिक, जिला अध्यक्ष राजपाल जांगड़ा के अलावा कई भाजपा नेता भी मौजूद रहे। इसी दौरान एससी मोर्चे के जिला अध्यक्ष राजेश मकड़ौली का मंच पर बैठने को लेकर किसी नेता से विवाद हो गया। बताया गया है कि राजेश को किसी नेता ने मंच से नीचे जाकर बैठने के लिए कह दिया।

इससे राजेश नाराज हो गए और गुस्से में मंच से कुर्सी फेंकते हुए नीचे उतर गए। इसके बाद नेताओं ने उन्हें मनाने की कोशिश की और पीछे-पीछे दौड़े, लेकिन वह कार्यक्रम से निकल गए। इस घटनाक्रम के दौरान भाजपा के केंद्रीय और हरियाणा के बड़े नेता भी मौजूद रहे।

नीट टॉपर नवदीप ने किया सुसाइडः मुक्तसर में अंतिम संस्कार, सदमे में परिवार

मुक्तसर। वर्ष 2017 में नीट परीक्षा में पूरे देश में टॉप करने वाले पंजाब के नवदीप सिंह ने दिल्ली में आत्महत्या की है। हालांकि परिजनों का आरोप है कि उनका बेटा सुसाइड नहीं कर सकता पुलिस मामले की गंभीरता से जांच करे। दिल्ली की पारसी धर्मशाला में मृत पाए गए डॉ. नवदीप सिंह का सोमवार को मुक्तसर में अंतिम संस्कार कर दिया गया। परिवार इस घटना से काफी सदमे में है। डॉ. नवदीप का परिवार मुक्तसर की ग्रीन एवेन्यू कालोनी में रहता है। मृतक नवदीप के पिता गोपाल सिंह अध्यापक हैं। छोटा भाई अभी एमबीबीएस कर रहा है।

मृतक के पिता गोपाल सिंह ने बताया कि उसका बेटा मुक्तसर के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत था। वह दिल्ली में सात साल से रह रहा था। वह मौलाना आजाद मेडिकल कालेज से रेडियोलॉजी विभाग से एमडी कर रहा था। बेटे की मौत से हैरान हूं कि आखिर ऐसे कैसे हो गया। गोपाल सिंह ने बताया कि वह रोजाना सुबह बेटे से फोन पर बात करते थे। शनिवार को सुबह बात हुई थी, लेकिन जब रात को फोन किया तो नवदीप ने फोन नहीं उठाया। उन्होंने गार्ड को फोन कर बोला तो उसने बताया कि दरवाजा अंदर से बंद है। पुलिस दरवाजा तोड़ कमरे में गई तो उनका बेटा मृत हालत में मिला। गोपाल सिंह ने कहा कि बेटे को अगर कोई समस्या थी तो वह उनसे जरूर शेयर करता।

मगर बेटे की आत्महत्या की खबर सुन कर यकीन नहीं हो रहा। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि नवदीप का मोबाइल फोन और लैपटाप कब्जे में लेकर गंभीरता से जांच की जाए और मौत के कारणों का पता लगाया जाए। क्योंकि इसके पीछे जरूर कोई कारण होगा। उनका बेटा आत्महत्या नहीं कर सकता। गौरतलब है कि 2017 में नीट परीक्षा में नवदीप सिंह ने 700 में से 697 अंक लेकर देश में पहला रैंक हासिल किया था।

जिससे वह देश भर में काफी चर्चा में रहा था। स्थानीय अकाल अकेडमी में दसवीं पास की और बारहवीं में उसने मुक्तसर के ही शिवालिक पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल से 88 फीसद अंक हासिल किए थे। उसके निधन से शहर में शोक की लहर है।

रोहतक में भूपेंद्र हुड्डा ने की प्रेसवार्ता, बोले- सैलजा हमारी बहन है, वायरल वीडियो पर कही ये बात

रोहतक। हरियाणा के रोहतक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि कुमारी सैलजा हमारी बहन है, कुमारी सैलजा कांग्रेस की सम्मानित नेता हैं। कोई कांग्रेस ऐसी टिप्पणी नहीं कर सकता। टिप्पणी के पीछे गहरी साजिश लग रही है। वे सोमवार को अपने डी पार्क स्थित आवास पर मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे। इस मौके पर पूर्व विधायक ओमप्रकाश बेरी व बेरी से टिकट न मिलने से नाराज विक्रम कादियान और हांसी से आई गायत्री कांग्रेस में शामिल हुई।

हुड्डा ने कहा कि भाजपा ही कभी धर्म तो कभी जाति के नाम पर राजनीति करती है। कांग्रेस ने हमेशा नारा दिया है जात पर न पात पर, मोहर लगेगी हाथ पर। उन्होंने कहा कि पूरे हरियाणा में घूम चुके हैं। माहौल कांग्रेस के पक्ष में है। 10 साल भाजपा सरकार ने प्रदेश को पीछे धकेला है। प्रदेश बेरोजगारी में नंबर एक हो गया है।

कुमारी सैलजा को लेकर हुए सवाल पर हुड्डा ने कहा कि सैलजा हमारी बहन है। कांग्रेस का आदमी ऐसी बात नहीं कह सकता। ये तो मेनूपलेटिड लगते हैं। ऐसा बहुत आसान हो गया है। अगर कोई कांग्रेसी ऐसा करता तो उसके लिए कांग्रेस में कोई स्थान नहीं है। टिकट बंटवारे के समय सैलजा को किनारे करने के सवाल पर हुड्डा ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है। सैलजा पार्टी की महासचिव हैं और प्रदेश की सम्मानित नेता हैं।

अनिल विज पर हुड्डा ने कहा कि विज के साथ पहले भी ज्यादती हुई और आगे भी कोई उम्मीद नहीं है। तंवर से मारपीट के सवाल पर हुड्डा ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है। ऐसा था तो उस समय क्यों नहीं बोले। कांग्रेस छोड़ने के बाद ये बात करते हैं।

कांग्रेस का मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर बोले हुड्डा...उन्होंने कहा कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री चुनने की प्रक्रिया है। विधायक बहुमत से अपना नेता चुनेंगे। फिर पार्टी के आब्जर्वर आएंगे और आला कमान को बताएंगे। आला कमान मुख्यमंत्री तय कर देगा। मंच पर भाजपा नेता पूर्व विधायक ओमप्रकाश बेरी व पूर्व झज्जर जिलाध्यक्ष विक्रम कादियान व हांसी से आई गायत्री देवी कांग्रेस में शामिल हुई। विक्रम कादियान बोले, बेरी से एक बाहरी व्यक्ति को टिकट दिया गया है। इसलिए वे भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए हैं। इस मौके पर पूर्व स्पीकर व बेरी से कांग्रेस प्रत्याशी रघुबीर कादियान व रोहतक शहर से विधायक भारत भूषण बतरा भी मौजूद रहे।

सुनाम में भीषण हादसाः खाना खा रहे चार मजदूरों को कैंटर ने कुचला

सुनाम। सुनाम के गांव बिश्नपुरा में काम करने के बाद दोपहर का खाना खा रहे चार मनरेगा मजदूरों को एक कैंटर ने कुचल दिया। इससे चारों मनरेगा मजदूरों की मौत हो गई। इनमें एक महिला मजदूर भी शामिल है। हादसा स्थल पर एक साथ चार लाशें देखकर लोग चीखने चिल्लाने लगे। घटनास्थल का मंजर इस हादसे की भयानकता को साफ तौर पर उजागर कर रहा था।

गांव के पप्पन सिंह ने बताया कि बिश्नपुरा अकालगढ़ के जरनैल सिंह, हरपाल सिंह, छोटा सिंह और गुरदेव कौर मुख्य पटियाला रोड पर मनरेगा के तहत काम कर रहे थे। दोपहर को सड़क के किनारे पर बैठकर चारों खाना खा रहे थे। इसी दौरान पटियाला की तरफ से आ रहे एक कैंटर ने चारों को कुचल दिया। चारों की मौके पर ही मौत हो गई।

मौके पर पहुंचे एसएचओ प्रतीक जिंदल ने कहा कि हादसे में चार लोगों की मौत हो गई है। कैंटर को कब्जे में ले लिया गया है और चालक से पूछताछ की जा रही है। वहीं हादसे से पूरे गांव में मातम पसर गया। ग्रामीण मृतकों के घरों में ढांढस बंधाने पहुंच रहे थे और गांव में हर तरफ विलाप की आवाज सुनाई दे रही थी। एक बुजुर्ग ने कहा कि गांव में एक साथ चार मौतें पहले उन्होंने अपने जीवन में नहीं देखीं। पूरे गांव पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

सोनीपत में भाजपा को राहत..राजीव जैन नहीं लड़ेंगे चुनाव, मनाने में कामयाब हुए नायब सैनी

सोनीपत। सोनीपत विधानसभा क्षेत्र से टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन करने वाले राजीव जैन को कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी मनाने में कामयाब रहे। कार्यवाहक मुख्यमंत्री ने कहा कि राजीव जैन व पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन पार्टी का अहम हिस्सा है। दोनों रास्ता बदलने की कोशिश करेंगे तो मैं खुद उनके पास आ जाऊंगा। नायब सैनी से मुलाकात के बाद राजीव जैन ने नामांकन वापस लेने की बात कही है। सोनीपत विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने तीन माह पहले ही कांग्रेस छोड़कर आए मेयर निखिल मदान को टिकट दिया था। जिसके बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता राजीव व कविता जैन ने बगावती सुर अपना लिए थे। कार्यकर्ताओं संग बैठक के बाद राजीव जैन ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन किया था। उनके चुनाव लड़ने से भाजपा को नुकसान होने का अंदेशा था। जिसके बाद से उन्हें मनाने की चर्चाएं शुरू हो गई थी। मुख्यमंत्री नायब सैनी के रविवार शाम को सोनीपत पहुंचने की चर्चा चली थी, लेकिन वह नहीं आ सके थे। सोमवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी सोनीपत में पूर्व कैबिनेट मंत्री के आवास पर पहुंचे और अंदर बातचीत के बाद पत्रकारों से बातचीत कर राजीव जैन के चुनाव नहीं लड़ने व पार्टी के हित में काम करने की घोषणा की।

नायब सैनी ने कहा कि राजीव जैन और कविता जैन हमारी पार्टी के अहम हिस्सा है। सभी को आलाकमान के निर्णय को स्वीकार करते हुए पार्टी को आगे बढ़ाना है। राजीव जैन और कविता जैन के सम्मान में किसी तरह की कमी नहीं आने दी जाएगी। दोनों पार्टी की मदद करेंगे और प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनेगी।

विज के सीएम बनने की इच्छा पर बोले सैनी-होनी चाहिए...कांग्रेस सांसद जयप्रकाश के बयान पर नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस तरह के बयान देना तो कांग्रेस के डीएनए में है। इससे समाज पर क्या प्रभाव पड़ेगा वह कभी नहीं सोचते। अनिल विज के मुख्यमंत्री बनने की इच्छा रखने वाले बयान पर कहा कि सभी को मुख्यमंत्री बनने की इच्छा होनी चाहिए। इस दौरान राजीव जैन ने कहा कि पार्टी ने जहां हमारी ड्यूटी लगाई हमने वहां काम किया है।

घर के बाहर खेल रही दो साल की मासूम को कुत्तों ने नोचा

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में अवारा कुत्तों ने बच्ची पर हमला कर बुरी तरह से नोच दिया। चंडीगढ़ रोड की राजगढ़ फ्यूजन कालोनी इलाके में घर के बाहर खेल रही दो साल की मासूम को कुत्तों ने बुरी तरह से नोच डाला। बच्ची के चीख पुकार सुन वहां से गुजर रहे किसी राहगीर ने पत्थर मार कुत्तों को भगाया और शोर मचाया। इसके बाद बच्ची के परिवार वाले घर से बाहर निकले। बच्ची के शरीर पर कुत्तों के काटने के निशान हैं। बच्ची को इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया है। जहां बच्ची की हालत गंभीर बताई जा रही है। कुत्तों ने बच्ची के सिर, मुंह और शरीर के अन्य हिस्सों पर काटा है। कुत्तों के बच्ची के काटने के बाद इलाके के लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

बच्ची के पिता नरेश कुमार ने बताया कि उनका ट्रांसपोर्ट का कारोबार है। उनकी एक बच्ची है जो घर के बाहर खेल रही थी। तभी अचानक से कुत्तों के झुंड ने उसे घेर लिया और बच्ची को बुरी तरह से नोच डाला।

नरेश कुमार ने बताया कि कालोनी में अक्सर आवारा कुत्ते झुंड में घूमते रहते हैं। कुत्ते आए दिन किसी न किसी को काट लेते हैं। कालोनी के लोगों ने बताया कि कुत्तों के हमले के बाद इलाके के बच्चों के साथ साथ बड़ों में भी डर बना हुआ है।

एक लालच में फेंका गया था हैंड ग्रेनेड आरोपियों से पूछताछ में बड़े खुलासे

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के सेक्टर-10 स्थित कोठी नंबर-575 में हैंड ग्रेनेड से हमले के मामले में गिरफ्तार दोनों आरोपियों ने पंजाब पुलिस की पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। दोनों आरोपियों ने विदेश जाने के लालच में इस घटना को अंजाम दिया था।

आरोपी रोहन पासिया को यूएसए बेस्ड आतंकी हैप्पी पासिया ने पाकिस्तान और दूसरे आरोपी विशाल को दुबई के रास्ते कनाडा भेजने का वादा किया था। विशाल को कनाडा भेजने के लिए बाकायदा एक एजेंट का नंबर भी दिया गया था लेकिन विदेश भागने से पहले ही सुरक्षा एजेंसियों ने उसे दबोच लिया।

आतंकी रिंदा ने ड्रोन से भिजवाए थे हथियार...जांच एजेंसियों की पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया है कि अगस्त महीने के आखिरी के दिनों में पाकिस्तान में सेटल आतंकी हरविंदर रिंदा ने हैप्पी के अनुसार हथियारों की खेप बॉर्डर के पास धनोया गांव में ड्रोन के जरिए भेजी थी। इस खेप में करीब 8 से 10 पिस्टलें, जिंदा कारतूस, आईईडी सहित हैंड ग्रेनेड शामिल थे। रोहन अपने दो अन्य दोस्तों के साथ अमृतसर के गांव हरदो रत्न निवासी आकाशदीप व अमरजीत से मिलने के लिए गया था। वहां इन दोनों ने उसे दो पिस्टल, कुछ कारतूस, हैंड ग्रेनेड एचजी-84 व कुछ अन्य सामान भी दिया था। बाकी सामान आकाश और अमरजीत के ही पास था।

रोहन को अमृतसर में स्टेट स्पेशल आप्रेशन सेल की टीम द्वारा गिरफ्तार कर 19 सितंबर तक रिमांड पर लिया गया है। वहीं दूसरे आरोपी विशाल मसीह पुत्र सबी मसीह निवासी गांव रायमल निकट ध्यानपुर थाना कोटली सूरत मल्लियां, बटाला जिला गुरदासपुर को शनिवार देर शाम दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से भी एक पिस्टल, एक फर्जी पासपोर्ट व अन्य सामान सामान मिला है। सूत्रों के मुताबिक वह हैप्पी पासिया द्वारा बताए गए एजेंट का इंतजार कर रहा था जिसने उसे दिल्ली से विदेश के लिए फ्लाइट में बैठाना था। लेकिन उसका फोन स्विच ऑफ था और उससे पहले ही सुरक्षा एजेंसियों ने आरोपी विशाल को भी दबोच लिया और उसे रविवार को पंजाब में अमृतसर ले जाया गया।

पूछताछ में बताया कि बम की घटना को अंजाम देने के बाद उन्होंने हैप्पी पासिया को इस बारे में बता दिया था और वह काफी खुश हुआ। हालांकि उसने पांच लाख रुपये देने के लिए कहा तो हैप्पी टालमटोल करने लगा और बाद में उसने कई बार संपर्क करने पर भी फोन नहीं उठाया। इस मामले में गिरफ्तार आरोपी रोहन को पंजाब पुलिस की जांच टीम उन जगहों पर लेकर गई जहां उन्होंने आकाश व अमरजीत से हथियार बरामद किए थे।

16 शहरों का जीआईएस आधारित डिजिटल मास्टर प्लान तैयार, अब लैंड यूज सर्टिफिकेट लेना होगा आसान

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने 16 शहरों का भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) आधारित डिजिटल मास्टर प्लान तैयार कर लिया है, जिससे अब लोगों के लिए लैंड यूज सर्टिफिकेट (सीएलयू) लेना आसान हो जाएगा।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) इस काम के लिए पोर्टल तैयार कर रहा है, जिससे अब लोगों को अपनी भूमि की जानकारी जुटाने के लिए नगर निकायों के दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही मास्टर प्लान के डिजिटल होने से अब बिल्डर स्वीकृत नक्शे के बाहर जाकर निर्माण नहीं कर पाएंगे।

पंजाब म्युनिसिपल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कंपनी ने इस काम को पूरा किया है। केंद्र सरकार ने अटल कायाकल्प और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) के तहत पंजाब के 16 शहरों को चुना था। ये शहर अबोहर, अमृतसर, बरनाला, बटाला, बठिंडा, फिरोजपुर, होशियारपुर, जालंधर, खन्ना, लुधियाना, मालेरकोटला, मोगा, श्री मुक्तसर साहिब, पटियाला, पठानकोट और मोहाली हैं। इस योजना के तहत ही मास्टर प्लान को डिजिटाइज्ड करने का काम पूरा किया गया है।

अभी लोगों को भूमि के उपयोग संबंधी जानकारी जुटाने और लैंड यूज सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए नगर निकायों के कार्यालयों में जाना पड़ता है, जिसके बाद ही वह सीएलयू के लिए आवेदन करते हैं। डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध न होने के कारण इस प्रक्रिया में कई बार काफी समय लग जाता है, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। पोर्टल तैयार होने के बाद यह एक बड़ी समस्या हल हो जाएगी। लोग ऑनलाइन ही चेक कर सकेंगे कि वे अपनी भूमि का उपयोग किस उद्देश्य के लिए कर सकते हैं। इसके बाद ही सीएलयू के लिए आवेदन कर सकते हैं।

अवैध निर्माण पर रखी जा सकेगी नजर...इसी तरह जीआईएस आधारित मास्टर प्लान से अब अवैध निर्माण पर भी नजर रखी जा सकेगी। अगर बिल्डर स्वीकृत नक्शे से बाहर जाकर किसी भी तरह का निर्माण करेगा तो वह विभाग के नक्शे से पकड़ में आ जाएगा। राजस्व विभाग का पूरा रिकॉर्ड भी इसके साथ जोड़ा जाएगा। जीआईएस की मदद से सैटेलाइट और ड्रोन की इमेज का इस्तेमाल करके मास्टर प्लान को किसी भी समय अपडेट किया जा सकता है।

इससे अब भूमि संबंधित विवादों का भी निपटारा हो जाएगा। लोगों को पता होगा कि मास्टर प्लान के तहत उनकी भूमि किस परियोजना के लिए आरक्षित है। वह उसी के मुताबिक भूमि के उपयोग पर आगे बढ़ सकेंगे और अपना निवेश कर सकेंगे। दरअसल भूमि के उपयोग को लेकर स्पष्टता आ जाएगी। ऑनलाइन ही भूमि मालिक यह जानकारी जुटा सकेंगे कि उनकी जमीन के पास से कोई हाईवे या बड़ी परियोजना की योजना तो नहीं है।

वैकल्पिक योजनाएं बनाई जा सकेंगी...बदलते समय से समस्याएं भी बदल रहीं हैं। जीआईएस बेस्ड मास्टर प्लान से हर समय विभाग इन समस्याओं से अपडेट रह सकेंगे। साथ ही वैकल्पिक योजनाएं भी तैयार कर सकेंगे। साथ ही एक डैशबोर्ड भी तैयार किया जाएगा, जिसकी मदद से टाउन प्लानिंग विभाग निर्णय ले सकेंगे। इससे वह हर समय स्थिति की निगरानी कर सकेंगे और उसी के मुताबिक ही आगे परियोजनाओं व नीति पर काम कर सकेंगे। पंजाब सरकार ने अपने सभी शहरों का मास्टर प्लान तैयार किया है। 2031 तक का मास्टर प्लान बनाया गया है, जिसमें औद्योगिक, व्यावसायिक, आवासीय जोन के बारे में जानकारी दी गई है कि कैसे सरकार की तरफ से ये परियोजनाएं पूरी की जाएंगी। साथ ही अस्पताल, स्कूल, विश्वविद्यालय, इंडस्ट्री, हाईवे समेत अन्य बड़ी परियोजनाओं के बारे में भी इसमें जानकारी शामिल की गई है।

हिन्दी की आत्महीनता के लिए राजनीति जिम्मेदार

समता ट्रस्ट ने हिन्दी दिवस पर आयोजित की परिचर्चा

विद्वान वक्ताओं ने कहा - मिलकर तलाशना होगा संकट का समाधान

भोपाल । हिन्दी – दिवस के अवसर पर समता ट्रस्ट भोपाल द्वारा ' हिन्दी का भविष्य ' विषय पर केन्द्रित आभासीय परिचर्चा में विद्वान वक्ताओं में इस बात पर सहमति रही कि हिन्दी की आत्महीनता के लिए राजनीति जिम्मेदार है।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्रसिद्ध समाजवादी चिंतक श्री रघु ठाकुर ने कहा कि महात्मा गांधी ने तो देश के आजाद होते ही एक पत्रकार को साक्षात्कार देते हुए कह दिया था कि दुनिया से कह दो गांधी को अंग्रेजी नहीं आती। डॉ राम मनोहर लोहिया ने भी हिन्दी सहित भारतीय भाषाओं के पक्ष में आंदोलन चलाते हुए सरकारी और समान शिक्षा लागू करने की जरूरत बताई थी। लेकिन पिछले कुछ दशकों में देश में ऐसे स्कूल विकसित हुए हैं जिनमें हिन्दी बोलना अपराध हो गया है।

श्री रघु ठाकुर ने बोलिओं के प्रति बढ़ते आग्रह को हिन्दी के मार्ग में बाधा बताते हुए कहा कि बोलियों को संरक्षण जरूर मिलना चाहिए लेकिन वे हिन्दी के क्षेत्र में अतिक्रमण करेंगी तो देश को जोड़ने वाली भाषा कैसे मजबूत होगी। जिन प्रांतों में हिन्दी बोली जाती है उसे ' काऊ – बेल्ट ' या गोबर पट्टी कह कर भी अंग्रेजी अखबारों ने हिन्दी के सम्मान को क्षति पहुंचाई है। रघु जी ने कहा कि

हर भारतवासी यदि अपनी मातृभाषा के साथ कोई न कोई दो भारतीय भाषा सीखे तो हिंदी व क्षेत्रीय भाषाओं में परस्पर प्रेम बढ़ेगा, उपनिवेशवादी मानसिकता से मुक्ति मिलेगी और देश की एकता मजबूत होगी। इसी भावना के तहत गांधीजी ने राष्ट्रभाषा प्रचार समिति का पहला केन्द्र तमिलनाडु में स्थापित किया था और डॉ लोहिया ने रामास्वामी नायकर ' पेरियार ' की इस धारणा को बदलने का प्रयास किया था कि हिन्दी साम्राज्यवाद और हिन्दुओं की भाषा है।

हिन्दी को अपनी नमनीयता और पाचन शक्ति बढ़ाने पर जोर देते हुए रघु जी ने कहा कि देश के हर प्रशासक जब संबंधित प्रांत की भाषा सीखेंगे तो हिन्दी व प्रांतीय भाषाओं का द्वंद्व कम होगा। सुप्रसिद्ध पत्रकार श्री राहुल देव ने हिन्दी भाषा के निरंतर सिमटते जाने पर चिंता जताते हुए कहा कि देश के एकीकरण की अपनी ही भाषा का इस तरह सिमटना समूची भारतीय सभ्यता का संकट सिद्ध होगा।

ज्ञान – निर्माण की भाषा के रूप में हिन्दी का विकास बाधित हुआ है। भाषाओं की जीवंतता व संकटग्रस्तता के संबंध में जो वैश्विक रपट आई है उसका अध्ययन किसी को भी चिंता में डाल सकती है। हिन्दी व भारतीय भाषाओं के प्रति जो आग्रह व जुड़ाव उस पीढ़ी में बहुत कम हो रहा है जो अगले कुछ दशक में देश का भविष्य बनने जा रहे हैं। आज अधिकांश संभ्रांत परिवारों के बच्चे अंग्रेजी माध्यम शिक्षा केन्द्रों में पढ़ रहे हैं। नीपा के अध्ययन बताते हैं कि देश के पचास प्रतिशत बच्चे अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में पढ़ रहे हैं। हिन्दी साहित्यकारों के बच्चे तक उनके पाठक नहीं बन पा रहे इससे हिन्दी की गरीबी का पता चलता है।इस संकट के लिए सरकारी व सांस्थानिक नीति जिम्मेदार है।इस समस्या के समाधान सबको मिलकर खोजने होंगे। द्रविड़ प्रदेशों के शेष भारत से अनबन की शुरूआत सन् १८८० से बताते हुए कहा कि सुमति रामास्वामी की पुस्तक ' पैशन आफ टंग्स ' में आर्य– द्रविड़ व ब्राह्मण– श्रमण संघर्ष की सूक्ष्म पड़ताल की गई है। इसी भावना का परिणाम था कि अन्नादुरई ने

' द्रविड़नाडु ' की मांग उठाई थी। तमिल भाषा को तो दक्षिण में देवी की तरह पूजा जाता है। जाने– माने साहित्यकार व ' वनमाली कथा ' पत्रिका के प्रधान सम्पादक श्री मुकेश वर्मा ने कहा कि हर साल १४ सितम्बर को हिन्दी का मर्सिया या शोकगीत पढ़ा जाता है । हिंदी बाजार की भाषा बनेगी तो अपने आप बढ़ेगी। तकनीक ने इस दिशा में हिन्दी की मदद ही की है। यह बात सही है कि हिन्दी भावों की भाषा है, गरीबों की भाषा है और अंग्रेजी अभिजात वर्ग की भाषा है, परंतु शुद्धता का आग्रह त्याग कर यदि अन्य भाषाओं के शब्दों को भी आत्मसात करेंगे तो इससे हिन्दी मजबूत ही होगी। भाषा वही चलती है जिसमें शासक वर्ग संवाद करता है। भारत का प्रभुवर्ग हिन्दी व भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देगा तो उप– राष्ट्रीयताओं पर भी विराम लगेगा।

इस आभासीय परिचर्चा में अतिथियों व सुधी श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापन समता ट्रस्ट की ओर से श्री मदन जैन ने किया। समन्वय व प्रस्तावना का दायित्व जयंत सिंह तोमर ने निभाया। श्री जयंत तोमर ने अपनी प्रस्तावना में कहा कि खड़ी बोली या हिन्दी का प्रस्थान बिन्दु भारतेन्दु हरिश्चन्द्र ने यह कहकर तय किया था कि – हिन्दी नई चाल में ढली। बीते लगभग डेढ़ सौ वर्ष में जो भाषा तेजी से विकसित हुई, जिसे बालकृष्ण भट्ट, प्रताप नारायण मिश्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी से लेकर राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन सहित अनगिनत लोगों ने परिश्रम से संवारा उसके प्रति जो उदासीनता अब दिखाई देती है वह आश्चर्यजनक भी है और चिंताजनक भी।

लम्बे समय तक यह माना ही नहीं गया कि हिन्दी में ब्रजभाषा की तरह कविता की रचना सम्भव है, परंतु मैथिलीशरण गुप्त से लेकर जयशंकर प्रसाद, निराला, पंत महादेवी वर्मा सहित अनेक कवियों ने सिद्ध किया कि हिन्दी में कविता रचने की सामर्थ्य है। परिचर्चा में तकनीकी सहयोग पर्यावरण विशेषज्ञ हरे कृष्ण ने किया।

जहानाबादः भाजपा ओबीसी मोर्चा ने चलाया सदस्यता अभियान

संवाददाता।

जहानाबाद। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा द्वारा जहानाबाद जिला के अमेर पंचायत के अंतर्गत पिंजौर शाहपुर गांव में सदस्यता अभियान चलाया गया। जिसमे प्रदेश प्रवक्ता सह जिला प्रभारी प्रद्युम्न रंजन राणा ने सदस्यता अभियान के संयोजक अबोध कुमार साह के साथ जिला अध्यक्ष संजय बिद की उपस्थिति में सदस्यता अभियान को चलाया। प्रद्युम्न राणा ने कहा कि यह सदस्यता अभियान एक ऐतिहासिक अभियान होगा ।उन्होंने कहा कि ओबीसी मोर्चा इसबार पिछले बार के सारे रिकॉर्ड को सदस्यता अभियान में तोड़ देगी।लोगो का भाजपा में भरोसा है ।

उन्होंने आमेर पंचायत के दलित बस्ती में भी सदस्यता अभियान चलाया और उनके समस्याओं को भी सुना। दलित बस्ती के लोगों में सदस्यता अभियान को लेकर उत्सुकता दिखा। वहा 78 लोगो का सदस्यता हुआ। सदस्यता अभियान के संयोजक अबोध साह ने कहा कि ओबीसी मोर्चा जगह जगह स्टॉल लगाकर सदस्यता अभियान चलाएगी। इस सदस्यता अभियान में विजय महतो,रवि कुमार,आतिश कुमार मुकुल कुमार समेत दर्जनों पदाधिकारी थे।

नेपाल : जातीय गोलबंदी पर भारी पड़ा समावेशी,सुरेन्द्र भंडारी बने अध्यक्ष

दीपक/मधुकर।

जनकपुरधाम। धार्मिक नगर जनकपुरधाम के बाणिज्य संघ के चुनाव में जाति गोलबंदी पर भारी पड़ा समावेशी। जनकपुरधाम उद्योग बाणिज्य संघ में 12सदस्य वाली माली जाति के सुरेन्द्र भंडारी जनकपुरधाम उद्योग बाणिज्य संघ के अध्यक्ष पद पर काबिज हो गए हैं। उन्होंने मनीष रमण साह को 76वोट की मात दी है।बैश्य बहुल जनकपुरधाम में एक अल्पसंख्यक जाति के सुरेन्द्र भंडारी ने अध्यक्ष में जीतकर बैश्य जाति के ठीकेदार को कड़ा तमाचा लगा है। मतदान ने जाति समीकरण को ध्वस्त कर दिया है। 3600से अधिक वोटर में महज 14वोट माली जाति का हैं। इसी तरह बरिष्ठ उपाध्यक्ष में मनोज कुमार साह बिजयी हुए हैं। इसी तरह उपाध्यक्ष में लक्ष्मण साह निर्विरोध निर्वाचित घोषित पहले हो चुके हैं। महिला उपाध्यक्ष में रिंकू साह ने विजय प्राप्त की हैं। इसी तरह महासचिव पद में फूलदेव पंडित ने जीत दर्ज की हैं। सचिव में नरेंद्र बिक्रम साह विजय दर्ज किया है। सदस्य पद की गिनती जारी है।

विना राजनीति के चुनाव में राजनीति हावी हो गया। नेकपा एमाले के घोषित उम्मीदवार सुरेन्द्र भंडारी थे। वहीं मनीष रमण साह को नेपाली कांग्रेस ने समर्थन का ह्वीप जारी किया था।अध्यक्ष के उम्मीदवार जीतेन्द्र साह भी नेपाली कांग्रेस के थे। इसलिए नेपाली कांग्रेस भी दो गुटों में बंट गयी थी। अंततः सुरेन्द्र भंडारी ने जीत दर्ज कर नेकपा एमाले को हरा भरा कर दिया। रघुवीर महासेठ तथा जूली महासेठ इस नतीजा से गदगद हैं। प्रदेश सांसद जिसका 90फीशदी जनकपुरधाम उप महानगरपालिका से जुड़ा है। नेकपा एमाले के दीपेंद्र ठाकुर है। वहीं संसदीय क्षेत्र तीन और चार से पूर्व उप प्रधानमंत्री रघुवीर महासेठ तथा पूर्व मंत्री जूली महासेठ नेकपा एमाले के सांसद हैं। दोनो पति– पत्नीहैं। अव नेकपा एमाले का अगला लक्ष्य जनकपुरधाम के मेयर की कुर्सी पर टिका हैं। एमाले जनकपुरधाम उप महानगर पालिका के मेयर ले पाते हैं या नहीं? यह समय बतायेगा। फिलहाल अभी से ही गणितीय गुणा भाग जनकपुरवासी कर रहे हैं।

नेपालः बारा में पुल से नीचे गिरा बस, एक की मौत; 42 घायल

दीपक/मिश्रीलाल।

जनकपुरधाम। बीती रात बारा में बस दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जिला पुलिस कार्यालय बारा ने बताया कि हादसे में 42 अन्य लोग घायल हो गये। बारा के पुलिस उपाधीक्षक प्रकाश सपकोटा ने बताया कि बस कल रात साढ़े बारह बजे पूर्व–पश्चिम राजमार्ग पर स्थित उनासी पुल से नीचे गिर गयी. सपकोटा ने कहा, "दांग के गढ़वा गांव पालिका–5 के निवासी 45 वर्षीय चेतन राय यादव की दुर्घटना में मृत्यु हो गई।" सापकोटा ने कहा, "यादव की आज सुबह इलाज के दौरान बीरगंज के बायोधा अस्पताल में मृत्यु हो गई।"

उन्होंने बताया कि बस संख्या 8 बी 1164, जो विराटनगर से दांगजा रही थी, अनियंत्रित होकर पुल से नीचे गिर गयी. 42 घायलों में से 7 की हालत गंभीर है. सापकोटा के

पुलिस उपाधीक्षक ने कहा, "गंभीर रूप से घायल सात लोगों का वर्तमान में बयोधा अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। "मामूली चोटों वाले 36 लोगों का इलाज निजगढ़ के विभिन्न अस्पतालों में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शुरूआती जांच में पता चला कि बस का अगला पैनल टूटने से वह अनियंत्रित हो गई और पुल से नीचे गिर गई. घायलों में 27 लोगों की हालत सामान्य है।

14 घंटे तक मौत से जूझते रहे 11 लोग

संवाददाता।

कैमूर। रोहतास जिले के कोचस के 11 लोग कैमूर पहाड़ी पर स्थित करकटगढ़ जलप्रपात में पिकनिक मनाने गए थे। अचानक पानी बढ़ने से ये लोग फंस गए। 14 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया। बताया गया है कि रविवार को कोचस के रहने वाले सभी पर्यटक कैमूर पहाड़ी पर स्थित करकटगढ़ जलप्रपात घूमने गए थे। नहाते वक्त अचानक बारिश होने लगी और जलप्रपात का जलस्तर बढ़ गया। देखते ही देखते पानी का बहाव इतना तेज हो गया कि सभी लोग फंस गए।

सभी सैलानियों ने अपनी जान बचाने के लिए एक पेड़ को पकड़ लिया और रात वहीं गुजारी। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग और जिला प्रशासन ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। लेकिन पानी

का स्तर बहुत ज्यादा होने के कारण बक्सर से और पटना से रेस्क्यू टीम को बुलाया गया।

लगभग 14 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी 11 लोगों को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। सभी को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाया गया और उनका मेडिकल चेकअप कराया गया। फंसे हुए लोगों में सरोज कुमार, अजीत कुमार, मोहम्मद फिरोज, अरमान अली, निर्भय पांडे, पिंटू चौहान, रोहित कुमार, लाल बाबू सिंह, अरविंद कुमार, वसीम शाही और सरोज कुमार शामिल थे।

डीएफओ चंचल प्रकाश ने बताया कि रविवार को अक्सर सैलानी करकटगढ़ जलप्रपात घूमने आते हैं। कल तेज बारिश होने से जलप्रपात का जलस्तर काफी बढ़ गया था। जैसे ही सूचना मिली, वन विभाग की स्थानीय टीम और पुलिस ने रेस्क्यू शुरू कर दिया। स्थिति को देखते हुए बक्सर से एसडीआरएफ और पटना से एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। 14 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी 11 सैलानियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। सभी सैलानी एक पेड़ को पकड़कर सुरक्षित थे। सभी का मेडिकल चेकअप कराया गया, सभी स्वस्थ हैं।

दिल के छेद के मरीजों का इलाज

जिलास्तर पर बेहतर कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मी होंगे सम्मानित : डॉ श्रवण पासवान

संवाददाता।

मोतिहारी। सदर अस्पताल मोतिहारी से 03 बजे सुबह के समय में 10 एम्बुलेंस से दिल के छेद के मरीजों को इलाज के लिए रवाना किया गया। जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के तहत सदर अस्पताल परिसर से डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन, आरबीएस के डीसी डॉ शशि ने हरी झंडी दिखाते हुए जिले के 70 बाल हृदय रोगियों को स्क्रिनिंग के लिए एम्बुलेंस द्वारा बजते हुए सायरन की आवाज के साथ पटना भेजा। इसके लिए जिले के स्वास्थ्य विभाग एवं आरबीएसके समन्वयक 02 माह पूर्व से ही जोर शोर से तैयारी की जा रहीं थी। जिसका परिणाम हुआ की पूरे बिहार में सबसे ज्यादा पूर्वी चम्पारण जिले के 70 बाल हृदय रोग के मरीजों की मेडिकल कैंप में हिस्सेदारी हुई।इस सम्बन्ध में जिले के प्रभारी सिविल सर्जन डॉ श्रवण कुमार पासवान ने बताया की हृदय रोग से पीड़ित जिले के विभिन्न प्रखंडो के 70 बच्चों को उनके अभिभावकों के साथ 14 एवं 15

सितंबर को आईजीआईसी, पटना में लगने वाले मेडिकल कैंप में भेजा गया, जहां श्रीसत्य साई अस्पताल, अहमदाबाद के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ की टीम द्वारा बिहार के सभी जिलों से आए दिल के मरीजों की जांच कर चिकित्सकीय परामर्श दी गईं।

डॉ पासवान ने बताया की गंभीर बाल हृदय के रोगियों को मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना अन्तर्गत शल्य चिकित्सा हेतु श्री सत्य साई अस्पताल अहमदाबाद भेजा जाएगा।उन्होंने बताया की अभी तक के इतिहास मे बाल हृदय योजना शिविर में जाने वाले मरीजों की सबसे बड़ी संख्या है। पूर्वी चम्पारण बाल हृदय योजना शिविर में सबसे अधिक मरीज भेजने वाला बिहार का जिला बन चुका है।इसके लिए उन्होंने जिले के स्वास्थ्य विभाग एवं समन्वयक डॉ शशि मिश्रा व सभी आरबीएसके टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा बाल हृदय मरीजों की सेवा करने वाले चिकित्सक फरमासिस्ट व सहयोगियों को " कर्मवीर" का दर्जा देते हुए प्रशस्ति पत्र देकर जिलास्तर पर सम्मानित किया जाएगा। शिविर में जाने वाले मरीजों की सुविधा के लिए डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन ने मरीजों को उसके निवास स्थान से एंबुलेस द्वारा सदर अस्पताल बुलवाने एवं ठहरने के इंतजाम किए थे।

जमीन सर्वे को लेकर स्थानीय से ज्यादा 'परदेशी हैं बेचैन'

दीपक तिवारी।

मुजफ्फरपुर/बन्दरा। जमीन सर्वे को लेकर प्रखंड क्षेत्र के लोगों की बेचैनी बढ़ी हुई है । लिहाजा पंचायत के अमीन से लेकर अंचल कार्यालय तक रोजाना लोग चक्कर लगा रहे हैं। सर्वे कार्य में उपयोग के लिए वंशावली बनाने को लेकर भी लोगों में आपाधापी मची है। परदेसी लोग भी घर पहुंचने लगे हैं। स्थानीय लोगों से ज्यादा बेचैनी परदेसी लोगों में है। ऐसे बेचैन लोग प्रदेशों से काम–रोजगार–नौकरी छोड़कर या छुट्टी लेकर घर पहुंच रहे हैं और अंचल का चक्कर लगा रहे हैं। वहीं स्थानीय स्थाई लोगों में सर्वे को लेकर बेचैनी नहीं देखी जा रही है। खबर मिल रहे हैं कि प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में वंशावली बनाने के नाम पर भी अवैध वसूली का खेल शुरू हो गया है।

हालांकि इस मामले को लेकर कोई लिखित शिकायत प्रशासनिक अधिकारियों तक नहीं पहुंची है, लेकिन कथित तौर पर कई तरह के मामले पहुंचने लगे हैं। बन्दरा प्रखंड मुख्यालय परिसर में मिले विभिन्न पंचायत के लोगों ने बताया की वंशावली बनाने के नाम पर

पंचायत क्षेत्र में हजार से डेढ़ हजार रुपए तक की वसूली की जा रही है। वहीं कुछ लोगों ने बताया कि शेड्यूल बनाने के नाम पर प्राइवेट अमीन के द्वारा मुंह मांगी कीमत मांगी जा रही है।मुन्नी–बैंगरी पंचायत के एक व्यक्ति ने बताया कि शेड्यूल बनवाने एक प्राइवेट अमीन के घर पर गए थे। वहां उनसे 21हजार की मांग की गई। हालांकि किसी भी मामले की शिकायत आधिकारिक तौर पर लोग नहीं कर रहे हैं। बन्दरा अंचल परिसर में हत्था,मुन्नी बैंगरी, पटसारा, तेपरी,रतवार आदि पंचायत से पहुंचे लोगों ने बताया कि आखिर काम निकालना है। शिकायत करेंगे तो काम अटक सकता है। ऐसे लोग खुलकर कुछ बोलने से भी परहेज कर रहे हैं।

सीओ बोले,वंशावली जमा करने या बनाने की जरूरत नहीं:

इन मामलों के संदर्भ में बन्दरा सीओ अंकुर राय ने बताया कि उनके यहां जमीनी मामलों, सर्वे कार्यों आदि को लेकर रोजाना पहुंचने वाले लोगों को स्पष्ट तौर से जानकारी दी जा रही है। जहां परेशानी हो रही है उनके निपटारे किया जा रहे हैं। प्राथमिकता एवं गंभीरता के साथ मामले निपटाए जा रहे हैं। किसी तरह का कोई मामला है तो लिखित तौर से लोग शिकायत कर सकते हैं। संबंधित लोगों पर कार्रवाई होगी।

उन्होंने बताया की वंशावली बनवाने की तत्काल कोई जरूरत हीं नहीं है। लोग स्वयं घोषित वंशावली फॉर्म भरकर अपने हस्ताक्षर के साथ जमा कर सकते हैं। आवेदक के स्वयं के हस्ताक्षर के अलावे किसी अतिरिक्त हस्ताक्षर की तत्काल कोई जरूरत नहीं है।किसी संशय की स्थिति में सर्वे कार्यालय कक्ष में जानकारी ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि बन्दरा अंचल के रिकॉर्ड रूम कक्ष को सर्वे कार्यालय के लिए अंचल स्तरीय स्पेशल कक्ष बनाया गया है। सम्बंधित कर्मी एवं अधिकारी की यहां डिवटी लगाई गई है।

अरेराज : बाबा सोमेश्वर नाथ मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम

दीपक/राजन।

मोतिहारी । बिहार का काशी कहे जाने वाला प्रसिद्ध अरेराज बाबा सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर में तेरस और अनंत चतुर्दशी को लेकर लाखों की संख्या में शिव भक्त और डाक बम आज पहुंचे और जलाभिषेक किया। गेरुआ रंग में रंगे भक्तों की भीड़ जैसे ही हर हर महादेव के जयघोष के साथ पहुंची पूरा माहौल भक्ति मय हो गया। बता दें कि हर साल अरेराज सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर में तेरस और अनंत चतुर्दशी को लेकर दो दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है। जहां पर सिर्फ पूर्वी चंपारण ही नहीं बल्कि पश्चिम चंपारण, शिवहर, गोपालगंज और पड़ोसी देश नेपाल से भी बड़ी संख्या में शिव भक्त यहां जल चढ़ाने आते है। इस संबंध में मंदिर के महंत रविशंकर गिरी ने बताया कि शिव भक्तों की भीड़ को देख कर मंदिर का पट 12.30 में ही खोल दिया गया, ताकि डाक बम को परेशानी न हो। महंत ने बताया

कि महिलाओं और पुरुषों का अलग अलग गेट बनाया गया है।

शांति से लोग आकर भगवान पर चल चढ़ा रहे है। मंदिर में आए भक्तों के लिए सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया गया है। जगह जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है। महिला और पुरुष पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसके अलावा मंदिर प्रशासन की ओर से सुरक्षा गार्ड भी लगाया गया है।

152 मरीजों की जांच से सामने आया सच

संवाददाता।

पटना। बिहार में गंगा के मैदानी इलाकों में आर्सेनिक युक्त पानी पीने से गॉल ब्लैडर कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। महावीर कैंसर संस्थान के वैज्ञानिकों ने इस पर शोध किया है और अब जापान के साथ मिलकर इसका समाधान ढूंढ रहे हैं। महावीर कैंसर संस्थान, पटना के वैज्ञानिकों ने एक शोध में पाया है कि बिहार में गंगा के मैदानी इलाकों में आर्सेनिक युक्त पानी की वजह से गॉल ब्लैडर कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। यह बीमारी खासकर महिलाओं में ज्यादा देखने को मिल रही है। इस समस्या का समाधान खोजने के लिए महावीर कैंसर संस्थान के वैज्ञानिक अब जापान के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

इस शोध के लिए महावीर कैंसर संस्थान के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार घोष और डॉ. अरुण कुमार जापान के टोक्यो गए हैं। यह शोध जापान सरकार द्वारा एक करोड़ रुपये के अनुदान से किया जा रहा है। महावीर कैंसर संस्थान के एक अध्ययन में पहले ही पता चल चुका है कि गंगा के मैदानी इलाकों में पानी में आर्सेनिक की मौजूदगी की वजह से गॉल ब्लैडर कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। साल 2023 में हुए इस अध्ययन में 152 मरीजों के पित्ताशय के ऊतकों की जांच की गई थी। इसमें पाया गया कि उनके पित्ताशय में बहुत ज्यादा आर्सेनिक जमा था। मरीजों के पित्ताशय के साथ-साथ उनके खून और बालों में भी आर्सेनिक की मात्रा ज्यादा पाई गई। पिछले 10 सालों में गंगा के मैदानी इलाकों में कैंसर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है। शोध में यह भी सामने आया है कि महिलाओं में इस बीमारी का खतरा पुरुषों से 10% ज्यादा है।

महावीर कैंसर संस्थान और जापान की संस्था ने इस समस्या का हल निकालने के लिए साथ मिलकर काम करना शुरू कर दिया है। इस शोध के नतीजों को जापान के फुकुओका में होने वाली जापान कैंसर एसोसिएशन की 83वीं वार्षिक बैठक में पेश किया जाएगा। इस रिसर्च के लिए जापान सरकार ने एक करोड़ रुपये का अनुदान दिया है। इससे दोनों देशों के वैज्ञानिक मिलकर आर्सेनिक से होने वाले गॉल ब्लैडर कैंसर के कारणों और इलाज पर काम करेंगे।

हाल ही में हुए अध्ययनों में यह भी पता चला है कि गंगा के मैदानी इलाकों में जमीन के नीचे मौजूद पानी (भूजल) और खाने के जरिए आर्सेनिक शरीर में चला जाता है, जिससे गॉल ब्लैडर कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। यह शोध 'नेचर–साइंटिफिक रिपोर्ट्स' नाम के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुआ है। पित्ताशय के कैंसर के खतरे में आर्सेनिक के अलावा दूसरे कारक भी शामिल हैं जैसे कीटनाशक, रहने का तरीका और भारी धातुएं। महावीर कैंसर संस्थान ने इस संयुक्त शोध के लिए एक आधुनिक प्रयोगशाला भी बनाई है। इस अध्ययन का उद्देश्य पित्ताशय के कैंसर के असली कारणों को जानना और इसे रोकने के उपाय खोजना है। इस शोध परियोजना की अवधि 3 साल की है और इसके जरिए बिहार के गंगा के इलाकों में कैंसर के बढ़ते मामलों पर काबू पाया जा सकेगा।साल 2023 में किए गए शोध के अनुसार आर्सेनिक पित्ताशय की थैली के कैंसर का एक प्रमुख कारण है। आर्सेनिक शरीर की लाल रक्त कोशिकाओं से जुड़ जाता है और पित्ताशय में जाकर पथरी बनाता है, जिससे लम्बे समय तक इलाज न कराने पर कैंसर हो सकता है।

मोतिहारीः कांवरियों की सेवा में जुटे रहे शहरवासी एवं गांव-गांव के लोग

संवाददाता।

मोतिहारी । जिले के पताही प्रखंड क्षेत्र के देवापुर संगम घाट के पथ पर कल देर रात तक डाक बाम कांवरियों की भीड़ लगी रही। कांवरियों की भीड़ चलती रही और मार्ग पर शिविर लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा की जाती रही। जिसका नेतृत्व समाजसेवी संजय कुमार व संतोष राउत कर रहे थे। यहां बता दें कि अरेराज सोमेश्वर नाथ महादेव पर तेरस तिथि एवं अनंत चतुर्दशी के अवसर पर जलाभिषेक

के लिए कांवरिया बम एवं डाक बम देवापुर संगम घाट से जलबोझी करते हैं। जहां कांवरिया पथ में यह शिविर लगाकर डाक कांवरियों की सेवा की जाती है। इस दौरान समाजसेवी इंजिनियर संजय कुमार और संतोष राउत ने देवापुर स्थित सेवा शिविर पहुंच कर घंटों डाक बम कांवरियों की सेवा की।

इस शिविर में डाक बम व कांवरियों के लिए गरम पानी, शरबत, फल, दवाई आदि की व्यवस्था की गई। ग्रामीण क्षेत्र से पहुंचे शिव भक्तों का उत्साह चरम पर था। वाहनों से कांवरियों का अलग अलग जत्था डीजे पर शिव के भक्ति गीत पर कांवरिया झूमते पैदल जा रहे थे।

संक्षिप्त खबरें

अदाणी समूह ने फर्जी प्रेस विज्ञप्ति जारी करने वालों को चेताया

नई दिल्ली। अदाणी समूह ने बयान जारी कर उसके नाम से फर्जी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर प्रसारित करने वालों को चेताया है। समूह ने एक बयान में कहा, "दुर्भावनापूर्ण इरादे वाले कुछ निहित स्वार्थी तत्व कई धोखाधड़ी वाली प्रेस विज्ञप्तियाँ प्रसारित कर रहे हैं। इनमें में से एक का शीर्षक यह केन्या में हमारी उपस्थिति से संबंधित है। अदाणी समूह ने कहा, "हम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि न तो अदाणी समूह और न ही इसकी किसी भी कंपनी या सहायक कंपनी ने केन्या से संबंधित कोई प्रेस विज्ञप्ति जारी की है।हम इस धोखाधड़ीपूर्ण कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं और सभी से इन फर्जी धोखाधड़ी वाली विज्ञप्तियों को पूरी तरह से नजरअंदाज करने का आग्रह करते हैं। हम झूठी कहानियां फैलाने में शामिल किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे।

शेयर बाजार में हरियाली लौटी; सेंसेक्स 98 अंक चढ़ा, निफ्टी 25350 के पार पहुंचा

नई दिल्ली। सीमित दायरे में कारोबार के बावजूद, प्रमुख भारतीय सूचकांक सोमवार को अपने नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने में सफल रहे। जहां निफ्टी 25,445.70 अंक पर पहुंचा और सत्र के अंत में 25,384 पर 27 अंक या 0.11% की बढ़त के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स भी 83,184.34 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा। सत्र के अंत में यह 98 अंक या 0.12% की बढ़त के साथ 82,989 पर बंद हुआ। बैंकिंग सूचकांक निफ्टी बैंक शुक्रवार के मुकाबले 215.10 अंक या 0.41% की बढ़त के साथ 52,153.15 पर बंद हुआ।

सोमवार के कारोबारी सत्र के दौरान बाजार में तेजी और मंदी का लगभग बराबर-बराबर बंटवारा रहा। 26 शेयर हरे निशान पर बंद हुए, जबकि शेष 24 लाल निशान पर बंद हुए। सबसे ज्यादा लाभ पाने वाले शेयरों में एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील , हिंडाल्को इंडस्ट्रीज , श्रीराम फाइनेंस और लार्सन एंड टूब्रो (एलएंडटी) शामिल रहे, जबकि सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाले शेयरों में बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, बजाज फिनसर्व, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज शामिल रहे।

निफ्टी के 16 सेक्टोरल इंडेक्स में से 11 हरे निशान में बंद हुए, जबकि निफ्टी मीडिया 1% की बढ़त के साथ शीर्ष प्रदर्शन करने वाला रहा। इस बीच निफ्टी मेटल, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स शेयरों में 0.61% तक की तेजी दिखी निफ्टी एफएमसीजी में सबसे ज्यादा नुकसान रहा और इसमें 0.72% की गिरावट आई।

बजाज फाइनेंस दिन का सबसे बढ़िया स्टॉक रहा, जिसने शानदार शुरूआत के साथ सुर्खियां बटोरीं। शेयर को एनएसई पर 70 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले 150 रुपये पर लिस्ट किया गया। इस पर निवेशकों को करीब 114% का प्रीमियम मिला। इसकी बढ़त यहीं नहीं रुकी, शेयर ने सत्र के अंत में 165 रुपये की अतरिक्त बढ़त हासिल की, जो लिस्टिंग प्राइस की तुलना में 10% अधिक है।

चीन का शंघाई कम्पोजिट इंडेक्स और जापान के निक्केई 225 सहित कई प्रमुख एशियाई सूचकांक सोमवार को बंद रहे। हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.31% ऊपर बंद हुआ जबकि सिंगापुर का ऋठ्ठरए स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स भी 0.22% की वृद्धि के साथ सकारात्मक क्लोजिंग हुई।

भारतीय समयानुसार शाम 4 बजे यूरोपीय शेयर बाजार में मिश्रित ढंग से कारोबार होता दिखा। ब्रिटेन के ऋठ्ठरए में 0.06% की गिरावट दिखी जबकि जर्मनी का डैक्स भी 0.23% नीचे फिसलता दिखा। फ्रांसीसी उअउ 40 और स्टॉक्स 600 में सपाट कारोबार दिखा। वहीं स्पेन का क्चहए इंडेक्स में 0.31% की बढ़त के साथ कारोबार होता दिखा।

मोमेंटम इंडेक्स फंड बाजार की तेजी में बेहतर विकल्प, रणनीति बनाकर करें शेयरों का चयन

नई दिल्ली। बाजार की तेजी में कुछ शेयरों ने अपनी वृद्धि में दूसरों को पीछे छोड़ दिया है। यह स्थिति स्मार्ट बीटा फंड जैसे रणनीति वाले उत्पादों के माध्यम से बाजार की गति को भुनाने का अवसर पैदा करती है। एनएसई डाटा से पता चलता है कि 2023-24 में रिटर्न के मामले में ब्रॉड बेस्ड निफ्टी50 ने रणनीति आधारित इंडेक्सों से कम प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी50 ने 31 फीसदी का मुनाफा दिया है। कुछ रणनीति आधारित इंडेक्स जैसे निफ्टी500 वैल्यू50 ने 65 फीसदी का रिटर्न दिया। निफ्टी अल्फा50 ने 61 फीसदी और निफ्टी100 अल्फा 30 ने 67 फीसदी का फायदा दिया है।

कई रणनीतियों के जरिये करें शेयरों का चयन

स्मार्ट बीटा फंड गति, अस्थिरता, क्वालिटी और मूल्य रणनीतियों का उपयोग करके स्टॉक का चयन करते हैं। निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड का निप्पॉन इंडिया निफ्टी500 मोमेंटम50 इंडेक्स फंड एनएफओ 25 सितंबर को बंद होगा। कम कीमत पर खरीदें, ऊंची कीमत पर बेचें की रणनीति पारंपरिक है। इसके उलट, निफ्टी500 मोमेंटम50 इंडेक्स निवेशकों को ज्यादा भाव पर खरीदें और बेचें की रणनीति का उपयोग करके मध्यम से लंबी अवधि में धन बनाने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।

पैसिव निवेश की विशेषताओं का जोड़

इस तरह के फंड पैसिव निवेश की विशेषताओं को जोड़ते हैं। इसमें नियम आधारित होना और मोमेंटम फैक्टर जैसे तकनीकी कारकों का उपयोग करके एक्टिव निवेश के साथ चयन किया जाता है। निप्पॉन इंडिया निफ्टी500 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड निफ्टी500 मोमेंटम 50 टीआरआई को ट्रैक करता है। इसमें अस्थिरता के लिए समायोजित छह और 12 महीने के मूल्य रिटर्न के आधार पर उच्चतम गति स्कोर वाले शीर्ष 50 स्टॉक शामिल हैं। सूचकांक में 13 क्षेत्रों के स्टॉक शामिल हैं। हार साल जून और दिसंबर में इनका पुनर्गठन किया जाता है। मोमेंटम इंडेक्स फंड को नियंत्रित करने वाला मूल सिद्धांत यह है कि स्टॉक हाल के दिनों में अपेक्षाकृत मजबूत प्रदर्शन करते हैं। सख्त चयन मानदंड निवेशकों के हितों की रक्षा करने में काफी मदद करते हैं। सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा यह है कि इंडेक्स में कम तरलता वाले स्टॉक शामिल नहीं हैं। ऐसी कंपनियां जहां प्रमोटरों के गिरवी स्टॉक 20 फीसदी से अधिक हैं और गैर-फ्यूचर एंड ऑप्शन स्टॉक एक कारोबारी दिन में 20 फीसदी से अधिक सर्किट लगाते हैं, वे भी इससे बाहर होते हैं।

भारत पेट्रोलियम को सीपीसीबी का नोटिस, वाष्प रिकवरी प्रणाली स्थापित करने में विफल रहने का मामला

नई दिल्ली। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) को नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई बीपीसीएल की ओर से 28 भंडारण टर्मिनलों पर कैंसरकारी बेंजीन और अन्य वाष्पशील यौगिकों के उत्सर्जन की रोकथाम के लिए वाष्प रिकवरी सिस्टम स्थापित करने में विफल रहने के कारण की गई है। इस मामले में बीपीसीएल की ओर से फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की गई है। 4 सितंबर को जारी नोटिस में कहा गया है कि यदि बीपीसीएल 19 सितंबर तक संतोषजनक जवाब देने में विफल रहती है तो उस पर एक करोड़ रुपये का मुआवजा लगाया जा सकता है। 18 सितंबर, 2020 को सीपीसीबी ने बीपीसीएल को दस लाख से अधिक निवासियों वाले शहरों में 100 किलोलीटर प्रति मिनट (केएलपीएम) से अधिक ईंधन बेचने वाले पेट्रोल पंपों पर और एक लाख से 10 लाख की आबादी वाले शहरों में 300 केएलपीएम से अधिक ईंधन बेचने वाले पंपों के साथ-साथ भंडारण टर्मिनलों पर वाष्प रिकवरी सिस्टम स्थापित करने का निर्देश दिया था।

दिसंबर 2021 में, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सीपीसीबी को वाष्प रिकवरी सिस्टम (वीआरएस) स्थापित करने में विफल रहने वाले पेट्रोलियम आउटलेट और डिपो के खिलाफ उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके बाद बीपीसीएल ने सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और इस पर स्थगन आदेश प्राप्त कर लिया। हालांकि, पिछले साल मार्च में सर्वोच्च न्यायालय ने सीपीसीबी को एनजीटी के आदेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था।

नोटिस में कहा गया है, "मेसर्स भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 10 मई, 2024 और 27 जून, 2024 की तारीखों वाले ईमेल के माध्यम से प्रस्तुत स्थिति से पता चलता है कि सीपीसीबी की ओर से निर्धारित समयसीमा का उल्लंघन करते हुए 28 भंडारण टर्मिनलों पर वीआरएस चरण 1ए की स्थापना में देरी हुई है। नोटिस में बीपीसीएल को यह बताने का निर्देश दिया गया है कि निर्धारित समयसीमा के भीतर वीआरएस स्थापित नहीं करने के लिए उस पर एक करोड़ रुपये का पर्यावरण मुआवजा क्यों न लगाया जाए।

बीपीसीएल को इस नोटिस की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का अवसर दिया जाता है, ऐसा न करने पर कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

सीपीसीबी ने कहा कि कई कस्बे और शहर, जहां राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी कार्यक्रम के तहत वायु गुणवत्ता की निगरानी की जाती है, राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों को पूरा नहीं करते हैं। विशेष रूप से कण प्रदूषण के मामले और नाइट्रोजन ऑक्साइड, बेंजीन व ओजोन चिंता का विषय बन गए हैं। नोटिस में बताया गया है कि पेट्रोल ईंधन भरने वाले स्टेशन बेंजीन उत्सर्जन का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं, यह एक कैंसरकारी यौगिक है। इससे आस-पास के निवासियों और श्रमिकों को जोखिम रहता है। भंडारण टर्मिनलों पर लोडिंग कार्यों के दौरान और पेट्रोल स्टेशनों पर ईंधन भरने व उतारने के कार्यों के दौरान उत्सर्जित होने वाले बेंजीन और अन्य वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (विशेष रूप से बेंजीन और ओजोन के संबंध में) को नियंत्रित करना वायु गुणवत्ता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत का कोयला उत्पादन 5.85 प्रतिशत बढ़ा, मजबूत बना

नई दिल्ली। खनन कार्यों को चुनौती देने वाली प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों के बावजूद, भारत ने चालू वित्त वर्ष में अब तक कोयला उत्पादन में 5.85 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जो इस क्षेत्र की दक्षता और तैयारियों को और उजागर करता है। 1 अप्रैल से 12 सितंबर तक, कोयला मंत्रालय ने कोयला उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की, जो 411.62 मिलियन टन (एमटी) के अनंतिम आंकड़े तक पहुंच गया। यह पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान उत्पादित 388.86 मीट्रिक टन से उल्लेखनीय वृद्धि दशार्ता है, जो एक सराहनीय वृद्धि दर को दशार्ता है।

12 सितंबर तक, कोयला कंपनियों के पास कोयले का स्टॉक बढ़कर 76.49 मीट्रिक टन हो गया है, जो 49.07 प्रतिशत की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर दशार्ता है। घरेलू कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्रों में कोयले का स्टॉक 36.58 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है, जो 43.68 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दशार्ता है। कोयला मंत्रालय के अनुसार, कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) इस क्षेत्र में प्रमुख खिलाड़ी बना रहा, जिसका उत्पादन इसी अवधि के दौरान बढ़कर 311 मीट्रिक टन हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 302.53 मीट्रिक टन की तुलना में 2.80 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ता है।भारी बारिश के कारण सीआईएल की सहायक कंपनियों में खनन गतिविधियों में रुकावटों को देखते हुए यह वृद्धि और भी उल्लेखनीय है।

सेबी ने कर्मचारियों के विरोध के लिए बाहरी तत्वों को दोषी ठहराने वाला बयान लिया वापस

मुंबई। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को अपनी उस प्रेस विज्ञप्ति को वापस लेने का एलान किया, जिसमें खुद के कर्मियों के गैर-पेशेवर कार्य संस्कृति में शामिल होने की बात कही गई थी। इस प्रेस विज्ञप्ति को चार सितंबर को जारी किया गया था। प्रेस विज्ञप्ति जारी होने के एक दिन बाद 5 सितंबर को नियामक के मुख्यालय के बाहर बड़ी संख्या में सेबी कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान नाराज कर्मियो ने कर्मचारियों ने बयान वापस लेने और सेब प्रमुख माधबी पुरी बुच के इस्तीफे की मांग की थी।

सेबी ने अपने नए बयान में कहा है कि भारत प्रतिभूति बाजार को आकार देने में 36 वर्षों से अपने कर्मचारियों की ओर से निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका और सेवाओं को महत्व देता है। साथ ही सेबी ने कहा कि वह कर्मचारियों से जुड़े मामलों को सही प्रकार से आंतरिक तंत्र के तहत सुलझा रहे हैं। नियामक ने कहा, "सभी ग्रेड के अधिकारियों के प्रतिनिधियों के साथ रचनात्मक चर्चा के बाद, सेबी और उसके कर्मचारियों ने पुष्टि की है कि ऐसे मुद्दे पूरी तरह से आंतरिक हैं और संगठन के उच्च मानकों के अनुसार और समयबद्ध ढांचे के भीतर उनका प्रबंधन किया जाएगा।

इसके बाद, 4 सितंबर को जारी प्रेस विज्ञप्ति वापस ले ली गई है। प्रेस विज्ञप्ति को वापस लेने का निर्णय कर्मचारियों द्वारा आंतरिक संचार के अनधिकृत प्रसार की कड़ी निंदा के बाद लिया गया।

सेबी कर्मचारियों ने पहले से स्थापित आंतरिक चैनलों के माध्यम से सौहार्दपूर्ण ढंग से चिंताओं को हल करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। कर्मचारियों ने यह सुनिश्चित करने पर भी सहमति जताई है कि ऐसे मामले आंतरिक ही रहें और समयबद्ध ढांचे के भीतर उनका प्रबंधन किया जाए। बयान में कहा गया, "कर्मचारियों ने आंतरिक संचार के अनधिकृत प्रकाशन की कड़ी निंदा की है तथा पुष्टि की है कि सभी चिंताओं का समाधान स्थापित आंतरिक चैनलों के माध्यम से सौहार्दपूर्ण ढंग से किया जाएगा।

सेबी अध्यक्ष माधबी पुरी बुच का विरोध और आंतरिक कलह के मुद्दे ऐसे समय पर सामने आए हैं जब वह अपने कार्यकाल के सबसे चुनौतीपूर्ण समय का सामना कर रहीं हैं। उन पर अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च और भारत की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने कई अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। दूसरी ओर, सेबी के इतिहास में पहली बार लगभग 500 कर्मचारियों ने 6 अगस्त 2024 को शीर्ष प्रबंधन के खिलाफ वित्त मंत्रालय को पत्र लिखा। इस पत्र में सेबी के कार्य वातावरण को "विषाक्त" बताया गया और सार्वजनिक रूप से अपमान करने और चिल्लाने के उदाहरण दिए गए।

पीएम ने चौथै वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन का किया उद्घाटन, गुजरात सीएम भी रहे मौजूद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गांधीनगर स्थित महात्मा मंदिर में चौथे वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन और एक्सपो (री-इनवेस्ट) का उद्घाटन किया। इस दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 60 साल के बाद भारत की जनता ने किसी सरकार को तीसरा कार्यकाल दिया है। हमारी सरकार को दिया गया तीसरा कार्यकाल भारत की महान आकांक्षाओं को दशार्ता है। आज युवाओं और महिलाओं सहित 140 करोड़ भारतीयों को विश्वास है कि पिछले 10 वर्षों में जो आकांक्षाएं अलग रखी गई थीं, वे इस तीसरे कार्यकाल में नई ऊंचाइयों पर पहुंचेंगी।

चौथै वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन में शामिल होने के लिए कई अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी गुजरात के गांधीनगर पहुंचे हैं। कार्यक्रम में शामिल होने गुजरात पहुंचे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी मुलाकात की। गांधीनगर में मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने कहा, "पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रही है। पीएम मोदी के गुजरात मॉडल ने विभिन्न क्षेत्रों, खासकर ऊर्जा क्षेत्र में विकास सुनिश्चित किया है... इसके तहत गुजरात में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के प्रयास में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल विद्युत ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है...दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के 'मैं 2 दिन बाद सीएम पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं' वाले बयान पर उन्होंने कहा, "यह एक ड्रामा है और अरविंद केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट की ओर से उन पर लगाए गए प्रतिबंधों से अवगत हैं। वह जनता के बीच जाना चाहते हैं लेकिन वह एक हारी हुई लड़ाई की ओर बढ़ रहे हैं। जनता सब जानती है। चौथे वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन और एक्सपो (री-इन्वेस्ट) में जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, डेनमार्क और नॉर्वे भागीदार देशों के रूप में भाग ले रहे हैं। गुजरात मेजबान राज्य है और आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश भागीदार राज्यों के रूप में भाग ले रहे हैं।

बचत-निवेश और खर्च के बीच रखें संतुलन, वरना हो सकती है परेशानी

नई दिल्ली। अधिकांश भारतीयों के सामने एक सामान्य स्थिति है। हम अपने फाइनेंस को लेकर संघर्ष करते हैं। संघर्ष करने और आर्थिक रूप से सुरक्षित स्थिति वाले लोगों के बीच अंतर मुख्य रूप से कुछ चीजों पर निर्भर करता है। इसमें योजना, संसाधन और वित्तीय साक्षरता। ज्यादातर लोगों का सवाल होता है कि हम अधिक पैसे कैसे कमा सकते हैं। इसका उत्तर व्यक्ति-दर-व्यक्ति और जीवन की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। ऐसे में इस सवाल का मतलब यह भी हो सकता है कि लोग यह चाहते हैं कि वे अपने पैसे को कैसे बढ़ा सकते हैं। इसका एक सीधा जवाब हो सकता है। जैसे...किसी छात्र से पूछा जाए कि वह ज्यादा अंक कैसे प्राप्त कर सकता है। कोई शिक्षक यह बताए कि सभी छात्र उच्चतम अंक कैसे प्राप्त कर सकते हैं या कोई डॉक्टर एक ऐसी दवा बताए, जो सारी बीमारी ठीक कर दे।

स्थितियों पर निर्भर होते हैं सवालों के जवाब

उपरोक्त सवालों के अलग-अलग जवाब होंगे। यह हर व्यक्ति पर अलग-अलग तरीके से लागू होगा। कोई एक ऐसी दवा नहीं होगी जो सभी बीमारी का इलाज कर सके। ठीक उसी तरह से कोई ऐसा तरीका नहीं है, जो सभी के लिए पैसा बढ़ाने का काम कर सके। चूंकि, हर व्यक्ति की स्थिति अलग होती है, इसलिए धन को अधिकतम करने या अपनी बचत को बढ़ाने का दृष्टिकोण भी अलग होता है। हमारी वित्तीय साक्षरता को बढ़ाने की जरूरत इसलिए है क्योंकि हमें इस बात का एहसास नहीं है कि क्या मायने रखता है और क्या नहीं। उदाहरण के लिए, मैंने लोगों को प्याज और आलू की कीमत प्रति किलोग्राम 50 पैसे कम करने के लिए सब्जी विक्रेता से मोलभाव और बहस करते देखा है। लेकिन, जब किसी बीमा एजेंट या बैंक से कोई ?भी पॉलिसी खरीदने या फंड में निवेश करने की बात आती है तो वे आंख मूंदकर सहमत हो जाते हैं।

आय-बचत: होम लोन के लिए उम्र की बड़ी भूमिका, 40 साल में लेना चाहते हैं कर्ज तो इन चार बातों का रखें ध्यान

नई दिल्ली। होम लोन की मदद से आप घर खरीदने का सपना पूरा कर सकते हैं। हालांकि, होम लोन के मामले में उम्र की काफी बड़ी भूमिका होती है। उम्र जितनी ज्यादा होगी, होम लोन चुकाने के लिए समय उतना कम मिलेगा और आप पर ईएमआई का बोझ बढ़ जाएगा।

बैंक अधिकतम 30 साल तक की अवधि के लिए होम लोन देते हैं। अगर आपकी उम्र 40 साल या उसके आसपास है और घर खरीदना आपके वित्तीय लक्ष्यों में से एक है, तो शुरूआत करने में देर नहीं हुई है। इस उम्र तक आप करियर में अच्छी तरह से स्थापित हो चुके होंगे। आय-बचत ज्यादा होगी। अगर आप इस उम्र में होम लोन चाहते हैं तो चार बातों का ध्यान जरूर रखें।

क्रेडिट स्कोर जांचें और बेहतर बनाएं...होम लोन दिलाने में क्रेडिट स्कोर की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अगर आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा है, तो आपको कम ब्याज दर और आसान शर्तों पर होम लोन मिल जाएगा। क्रेडिट स्कोर 750 या उससे ज्यादा होना यह बताता है कि आप अपने कर्जों (क्रेडिट कार्ड, कार लोन आदि) का प्रबंधन बेहतर करते हैं और आपको उधार देने पर कोई जोखिम नहीं है। क्रेडिट स्कोर अच्छा नहीं होने पर बैंक आपको इस उम्र में होम लोन देने से मना कर सकता है।?ऐसे में लोन के लिए आवेदन से पहले अपना क्रेडिट स्कोर सुधारें।

कम ईएमआई के लिए ज्यादा डाउन पेमेंट...ज्यादा डाउन पेमेंट आपकी ईएमआई का बोझ कर सकता है। अगर आपके पास अतिरिक्त पैसे या बचत है, तो कर्ज की राशि और ईएमआई के बोझ को कम करने के लिए डाउन पेमेंट में उनका इस्तेमाल करें। आमतौर पर बैंक प्रॉपर्टी के बाजार मूल्य का 80-85 फीसदी कर्ज देते हैं। शेष 15-20 फीसदी उधारकर्ता को चुकाना पड़ता है। इसके लिए छोटी बचत का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि, अन्य वित्तीय लक्ष्यों के लिए अलग रखी बचत-निवेश से समझौता न करें। आपात फंड से पैसे निकालने से बचें।

संयुक्त ऋण लेने पर करें विचार...40 साल की उम्र में अन्य वित्तीय जिम्मेदारियों को देखते हुए बैंक कई बार होम लोन देने से इन्कार कर देते हैं। इससे बचने के लिए अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर जॉइंट होम लोन ले सकते हैं। इसके कई लाभ हैं। आवेदन जल्द स्वीकृत हो जाता है और कर्ज की राशि के भी बढ़ने की संभावना रहती है। साथ ही, ईएमआई का बोझ साझा करने की भी सहूलियत मिलती है।

क्या खाद्य तेलों पर आयात शुल्क में 20% का इजाफा त्योहारों के दौरान जायका बिगाड़ेगा?

मुंबई। केंद्र सरकार ने कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेल पर लगने वाले आयात शुल्क को 20 प्रतिशत बढ़ा दिया है। पाम ऑयल, सोया ऑयल और सूरजमुखी तेल पर सीमा शुल्क बढ़ने से त्योहारों से पहले इनकी कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका बढ़ गई है। इसका असर त्योहारी सीजन के दौरान सीधे आम लोगों के जायके पर पड़ेगा।

अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ का कहना है कि इस फैसले से किसानों को राहत मिलेगी और उनकी कमाई भी बढ़ेगी, लेकिन दूसरी ओर आम जनता पर इसका बोझ बढ़ेगा। इससे पहले भी सरकार ने किसानों को राहत देने के लिए सोयाबीन की खरीदारी समर्थन मूल्य पर खरीदने का निर्देश दिया था। अब 20 प्रतिशत तक आयात शुल्क बढ़ाने की कोई आवश्यकता यहां नजर नहीं आती है। इसके असर से खाद्य तेलों के भाव 15 से 22 प्रतिशत प्रति किलो तक बढ़ जाएंगे। महासंघ के अनुसार इस फैसले से छोटे किसान तो नहीं बल्कि स्टॉक करने वाले बड़े व्यापारियों को अधिक फायदा होगा। पिछले एक से दो हफ्ते पहले खाद्य तेलों के दामों 10 से 12 प्रतिशत की वृद्धि पहले ही देखी जा चुकी है। जिसमें रिफाइंड ऑयल के दाम 10 प्रतिशत और सरसों का तेल 12 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं।

अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर ठक्कर बताते हैं कि इस साल देश भर में अच्छे मॉनसून की वजह से चार राज्यों महाराष्ट्र, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और तेलंगांना में सोयाबीन की अच्छी फसल होने की उम्मीद है। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोयाबीन के सबसे बड़े उत्पादक देश अर्जेंटीना और ब्राजील तथा अमेरिका में भी फसल अच्छी आने की संभावना है। रूस और यूक्रेन द्वारा सूरजमुखी के तेल बेचने की होड़ के चलते खाद्य तेलों के दाम नीचे आ गए थे। इस वजह से सोयाबीन के दाम भी समर्थन मूल्य के नीचे चले गए थे। वे कहते हैं कि महाराष्ट्र में वर्ष के अंत में विधानसभा चुनाव और अन्य राज्यों के किसान संगठनों द्वारा सरकार पर बनाए गए दबाव के कारण कुछ दिन पहले ही इन चार राज्यों में समर्थन मूल्य पर सोयाबीन खीदने के आदेश सरकार ने जारी किय थे।

ग्रेन एसोसिएशन के सदस्य और खाद्य तेल व्यापारी अतुल शाह बताते हैं कि गत दो महीनों से खाद्य तेलों का भारत का आयात कम रहा है। आगामी त्योहारों को देखते हुए मांग को पूरा करने के लिए भी व्यापारियों ने स्टॉक कर लिया है। वहीं दूसरी ओर सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीदी गई सरसों की बिक्री का आदेश दिया गया, तब पता चला कि सरसों की गुणवत्ता एवं उपलब्धता दोनों की मात्रा में अंतर पाया गया। जिसकी वजह से खाद्य तेलों के दामों पिछले कुछ सप्ताह में 10 से 15 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं और अब 20 प्रतिशत की ड्यूटी की वृद्धि महंगाई को बढ़ाएगी।

मुंबई के होलसेल व्यापारी गणेश गणत्रा बताते हैं कि सरकार के इस फैसले से किसानों को राहत मिलेगी, हम इसके विरोध में नहीं है, लेकिन वे बड़े व्यापारी या स्टॉकिस्ट जिन्होंने पहले कम ड्यूटी देकर खाद्य तेल खरीदा है अब वे उसे अधिक मुनाफा कमाते हुए बाजारों में बेंचेगे। इससे उनकी जेबें तो भरेगी, लेकिन आम लोगों के लिए बड़ी परेशानी होगी। त्योहार आने वाले है, ऐसे में नमकीन, मिठाइयां और तेलों से सभी चीजें महंगी होगी। इससे लोगों पर भार बढ़ेगा। नवी मुंबई एपीएमसी उद्योग संगठन के सदस्य कीर्ती राणा कहते है कि देश में 40 प्रतिशत किसान है जिसमें केवल 5 से 6 प्रतिशत किसान ही तिलहन यानी सरसों, सोयाबीन, मूंगफली व अन्य फसलों की खेती करते है। सरकार ने यह फैसले चुनावों और कुछ किसान संगठनों के दबाव में लिया है। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि कच्चे पाम तेल, कच्चे सोया तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर 20 प्रतिशत मूल सीमा शुल्क लगाया गया है। इसमें तीनों तेलों पर कुल आयात शुल्क 5.50 प्रतिशत से बढ़कर 27.5 प्रतिशत हो जाएगा। रिफाइंड पाम तेल, रिफाइंड सोया तेल और रिफाइंड सूरजमुखी तेल के आयात पर 13.75 आयात शुल्क के मुकाबले अब 35.75 प्रतिशत आयात शुल्क लगेगा ।

खुश रहना है तो दौलत कमाने के लिए नहीं

खुद के लिए निकालें ज्यादा समय

अगर आपको लगता है कि धन से अधिक खुशी मिलती है, तो आप सच्चाई से काफी दूर हैं। एक नए शोध से यह बात सामने आई है कि धन कमाने की बजाए अगर आप अपने समय की अहमियत को समझते हैं तो इससे आपको अधिक प्रसन्नता मिलती है।

कनाडा स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया में हुए इस शोध का नेतृत्व करने वाले एशले व्हीलान्स ने कहा, 'यह बात सामने आई है कि लोगों में अधिक धन कमाने के बजाए अपने समय के महत्व के प्रति स्थाई प्राथमिकता होती है और समय को प्राथमिकता देना बड़ी खुशी से जुड़ा हुआ है।' शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि युवा लोगों की तुलना में उम्रदराज लोग यह कहते हुए अधिक पाए जाते हैं कि उन्हें अपने समय का मूल्य पता है। व्हीलान्स ने कहा, 'बढ़ती उम्र के साथ लोग केवल धन कमाने के बजाए अपने समय को अधिक सार्थक रूप से बिताना पसंद करते हैं।'यह परिणाम 4,600 से भी अधिक प्रतिभागियों के साथ किए गए छह से भी अधिक अध्ययन पर आधारित है। कई अध्ययनों में असल जीवन के उदाहरणों का इस्तेमाल किया गया है, जिसमें प्रतिभागियों से कई तरह के सवाल पूछे गए।

इसमें प्रतिभागियों से एक सवाल में पूछा गया कि वह कम दूरी पर महंगे मकान लेना पसंद करेंगे या अधिक दूरी पर सस्ते मकान? यह सवाल भी प्रतिभागी से पूछा गया कि वह कौन से स्नातक कार्यक्रम को चुनेंगे-जो उन्हें अधिक वेतन के साथ अधिक घंटों तक काम करने वाली नौकरी की तरफ ले जाए या जिसमें कम वेतन के साथ कम घंटों तक काम करना पड़े? व्हीलान्स ने कहा, 'खुशी पाने के लिए अधिक धन की तुलना में स्वयं के साथ बिताने के लिए खाली समय अधिक मिलना अधिक महत्वपूर्ण होता है।' अगर लोग अपने जीवन में धन कमाने के बजाए समय पर अधिक ध्यान देना चाहते हैं, तो उन्हें अपने नजरिए में थोड़ा बदलाव करना होगा। इसके तहत वह दान कार्य कर सकते हैं या कम घंटे काम करके घर की सफाई में अपना योगदान दे सकते हैं। इस शोध के परिणामों को 'सोशल साइकोलॉजिकल एंड पर्सनालिटी साइंस' जरनल में ऑनलाइन प्रकाशित किया गया।

जल्द मोबाइल में होगा पैनिक बटन, दबाते ही महिलाओं को मिलेगी पुलिस मदद

अब संकट के समय महिलाओं को पुलिस की मदद उनके मोबाइल फोन पर एक बटन दबाने से उपलब्ध होगी, क्योंकि केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी मोबाइल फोन कंपनियों को इसके लिए तैयार करने में सफल हो गई हैं कि अगले वर्ष मार्च तक हैंडसेट में एक 'पैनिक बटन' मुहैया कराया जाए जो आपात अलर्ट भेजेगा।

मोबाइल फोन में मिलेगी सुविधा: गांधी ने कहा कि इस संबंध में अनिवार्य नियमन जल्द ही दूरसंचार विभाग द्वारा जारी किए जाएंगे। योजना को मोबाइल फोन निर्माताओं की सहमति से अंतिम रूप दिया गया है। यह महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे के समाधान में मदद करेगा, क्योंकि नए एवं वर्तमान फोन दोनों में यह परिष्कृत सुविधा लगाई जा सकेगी।

मेनका गांधी का बयान: महिला एवं बाल विकास मंत्री गांधी ने कहा, हमें इस पहल को अंतिम रूप देने में एक वर्ष का समय लगा। हमने मोबाइल कंपनियों के साथ कई बैठकें कीं और वे अंततः मोबाइल फोन में 'पैनिक बटन' लगाने को तैयार हो गए हैं। उन्होंने समझाया, यदि कोई महिला महसूस करती है कि वह मुसीबत में है, उसे बस केवल यह करना है कि उस बटन को दबा देना है और यह तत्काल पुलिस को संदेश भेज देगा।

कभी तेज व धीमी धड़कन महिलाओं के लिए ज्यादा खतरनाक

डॉक्टरों ने एक अध्ययन में पाया है कि अगर किसी महिला के दिल की धड़कन सामान्य नहीं है तो उसे दिल की बीमारी होने का खतरा पुरु षों से ज्यादा है। अध्ययन में देखा गया कि जिन महिलाओं को ''एट्रियल फाइबर्लेशन' (एएफ) की बीमारी थी, उनमें पुरु षों की तुलना में दिल का दौरा पड़ने या दूसरे बीमारी की आशंका दोगुनी थी। यह भी पाया गया कि ''एट्रियल फाइबर्लेशन' की दवा देने पर महिलाओं को ठीक होने में पुरु षों के मुकाबले ज्यादा समय लगा।''ऑक्सफड विविद्यालय' की कॉनर एमडिन और उनके सहयोगी डॉक्टरों की टीम ने इस पर काफी शोध किया है। कॉनर ने बताया, ''एक संभावना तो यह भी है कि ''एएफ' बीमारी से ग्रस्त महिलाएं उन पुरु षों की रिश्तेदार हैं, जिनका इलाज नहीं हुआ है।'

ब्रिटेन में दस लाख से ज्यादा लोगों को ''एट्रियल फाइबर्लेशन' का रोग है। इस रोग की जांच आप महज 30 सेकेंड में कर सकती हैं। कभी-कभी दिल की धड़कन थोड़ा कम या ज्यादा होना खास चिंता की बात नहीं है, ऐसा हो सकता है। पर यदि आपके दिल की धड़कन बार-बार अनियमित हो जाती है और वह भी बगैर किसी निश्चित पैटर्न के, तो चिंता की बात है। आपको डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए। यह भी हो सकता है कि आप के दिल की धड़कन काफी तेज हो जाए, मसलन, एक मिनट में सौ से अधिक। ऐसा होने पर आपको चक्कर आ सकता है या दम फूल सकता है। ''एएफ' में होता यह है कि दिल का ऊपरी चैंबर यानी एट्रिया (अलिंद) अनियमत रूप से सिकुड़ता है। कभी-कभी तो वह इतनी तेजी से सिकुड़ता है कि दिल की मांसपेशियां उसके हिसाब से नहीं सिकुड़ पाती हैं और उनकी क्षमता कम हो जाती है। दवा लेने से ''एएफ' पर काबू पाया जा सकता है और दिल के दौरे से बचा जा सकता है। ''ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन' की जून डेवीसन का मानना है कि स्त्री और पुरु ष, दोनों मामलों में ही ''एएफ' का ठीक से पता नहीं चल पाता था। वे कहती हैं, ''यह महत्वपूर्ण है कि दिल के इलाज में लगे लोग ''एएफ' का पता लगाने, उसकी रोकथाम करने और उसके इलाज करने में स्त्री-पुरु ष के अंतर पर अध्ययन करें।'

कमर दर्द से है परेशान, जानिये निजात पाने के आसान तरिके

क्या आपको कमर में दर्द है तो क्या आप जानते हैं इस पेनफुल और कमजोर बनाने इस स्थिति से कैसे निपटा जाय। कमर दर्द या आपके पैर में दर्द जो आपके पीठ की नसों के द्वारा आपको इरिटेट करता है। यह दर्द आपके पैर में अकड़ना और झुनझुनी पैदा कर सकता है। यह आपके बैठने, ड्राइव करने, टहलने, और काम पर जाने की क्षमता को कम कर सकता है। इस दर्द से निजात पाने के लिए हर किसी के लिए एक इलाज नहीं है लेकिन सेल्फ केयर ट्रीटमेंट से इसका इलाज संभव है।

इससे निजात पाने के लिए इन टिप्स का उपयोग करें-

*** बैठने के दौरान इस बात का ध्यान रखें कि आपके घुटने 90 डिग्री पर हों और कमर सीधी हो।**

*** बैठने के लिए आरामदायक कुर्सी का चयन करें।**

*** बैठने के दौरान अपनी मुद्राओं को बदलते रहें और बीच-बीच में जब थकान महसूस हो तो उठकर बॉडी को स्ट्रेच करें।**

*** पैर के ऊपर पैर रखकर बैठने से बचें। इससे कमर सीधी रखने में दिक्कत होती है और कमर दर्द होने लगता है।**

*** उठते वक्त अपने वजन को बैलेंस कर उठें।**

*** कम्प्युटर के सामने लंबे वक्त तक बैठने से बचें।**

*** हर एक घंटे में कम से कम पांच मिनट का ब्रेक लेकर टहलें।**

*** पेट के बल सोना चाहिए।**

*** केहुनी को फर्श पर सटा कर हाथ जमीन के बल रख कर सिर को ऊपर की ओर कर थोड़ी देर रखना चाहिये।**

बढ़ते मोटापे से परेशान होने की आवश्यकता नही

बस अपनाएं यह उपाय

मोटापा यानी वजन बढ़ने से सावधान रहने की जरूरत होती है। इस दौरान आप उचित खानपान के जरिए आप एक हफ्ते के अंदर वजन काबू में कर सकते है और फैट को बर्न कर सुडौल काया फिर से पा सकते है। आप एक हफ्ते के अंदर इन आसान उपायों से वजन को काबू में कर सकते है। इस दौरान आप खानपान का काफी ध्यान रखें। आप केक, कुकीज, मफिंस, ब्रेड आदि खाने से परहेज करे। यहीं नहीं आप इस दौरान बेक्ड चिप्स ,बेक्ड स्नैक आदि भी खाने से बचे। अगर आप कुछ मीठा खाना ही चाहते है तो सिर्फ ताजा फल खाए और मिठाई खाने से दूर रहें। वजन कम करने की कवायद करनेवालों को मछली, पॉल्टी फॉर्म प्रोडक्ट या कोई भी वैसा मीट नहीं खाना चाहिए जो तला हुआ हो। साथ ही फेंच फाईज, पोटैटो चिप्स,ब्रेड पकौड़ा,समोसा, फाइड वेजिटेबल खाने से भी बचना चाहिए। फैट बर्न करने के लिहाज से एल्कोहल (शराब, बीयर और कॉकटेल), स्पोर्ट्स ड्रिंक, मीठी चाय ,फ्लेवर्ड कॉफी, सोडा, फ्लेवर्ड पानी ,विटामिन पानी आदि से आप तौबा कर लें तो बेहतर रहेगा। इसलिए आपको कोल्ड ड्रिंक्स से भी बचना चाहिए। इन सात दिनों तक आपको मेहनत करने के लिए कमर कस लेनी चाहिए। आपको टोटल वेट लॉस वर्कआउट प्रोग्राम पर जमकर काम करने की जरूरत है। इसलिए आपको सात दिनों तक रोजमर्रा की अपनी शारीरिक गतिविधियों को तेज करना होगा यानी बढ़ाना होगा। आपको मॉर्निंग वॉक और जॉगिंग पर भी ध्यान देना चाहिए। मॉर्निंग वॉक और जॉगिंग सेहतमंद रखने और मोटापा कम करने के रामबाण नुस्खों में शुमार होता है।

अगर आप कुछ मीठा खाना ही चाहते है तो सिर्फ ताजा फल खाए और मिठाई खाने से दूर रहें। वजन कम करने की कवायद करनेवालों को मछली, पॉल्टी फॉर्म प्रोडक्ट या कोई भी वैसा मीट नहीं खाना चाहिए जो तला हुआ हो। साथ ही फेंच फाईज, पोटैटो चिप्स,ब्रेड पकौड़ा,समोसा, फाइड वेजिटेबल खाने से भी बचना चाहिए।

आपकी रसोई में छिपा है लंबी उम्र और सुंदरता का राज

लंबा जीवन जीने का कोई भी शॉर्ट-कट नहीं होता है, इसके लिए स?वस?थ दिनचर्या के साथ पौष्टिक आहार का सेवन बहुत जरूरी है। यह सबकी चाहत होती है कि उसकी उम्र पर बुढ़ापा जल्दी हावी न हो साथ ही उसकी सुंदरता या फिर यौवन लंबे समय तक बरकरार रहे। बेहतर खानपान के जरिए ऑस्टियोपोरोसिस, पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस, जोड़ों में दर्द, कमजोर हड्डी में लाभ होता है। यह जरूरी है कि लंबी उम्र और सुंदरता के लिए ये सभी लंबे समय तक स्वस्थ बने रहे।

1. बाल और ज्वाइंट्स: एक रसायरण मेदीसुलफोनीलमीथेन (स्स्रू) कई तरह के फल, सब्जियों और अनाजों में पाया जाता है। यह सल्फर का ऑर्गेनिक कंपाउंड होता है। यह आपके शरीरके ज्वाइंट्स को सक्रिय रखता है। यह आपके बालों की सेहत के लिए भी फायदेमंद है।

2. सोया फूड: सोया फूड के सेवन से दोबारा ब्रेस्ट कैंसर होने का खतरा कम हो सकता है। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने सोयाबीन को गोल्डेनबीन की उपाधि दी, क्योंकि यह पौष्टिक तत्वों से परिपूर्ण है और स्वास्थ्य संबंधी लाभों के लिए उपयुक्त है। इसमें लगभग 40 प्रतिशत प्रोटीन होता है, जो कि दालों में सर्वाधिक है। सोयाबीन का सेवन आपके लिए आपकी दिल की बीमारियों की आशंका को कम करता है । यह आपकी सेहत के लिए बहुत गुणकारी होता है।

3. पौधों का स्टेरॉल्स: कद्दू यानी लौकी के बीज टी सेल्स (किलर सेल्स) को शरीर में बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते है। इसलिए स्वस्थ जीवन के लिए ज्यादा से ज्यादा पौधों का स्टेरॉल्स लेना उपयोगी है। सुंदरता बढ़ाने और बुढ़ापे को लंबे समय तक दूर रखने के लिए यह रामबाण की तरह काम करता है।

4. ऑलिव ऑयल: ऑलिव ऑयल का प्रयोग शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है । यह बालों से डैंड्रफ समाप्त करता है। ऑलिव ऑयल का प्रयोग खाना और सलाद बनाने में किया जाता है। यह ना सिर्फ आपके सौंदर्य को लंबे समय तक बनाए रखता है बल्कि शरीर को स्वस्थ रखने में भी अहम भूमिका निभाता है।

5. अंगूर: फलों में अंगूर सर्वोत्तम माना जाता है। यह निर्बल-सबल, स्वस्थ-अस्वस्थ आदि सभी के लिए समान उपयोगी होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट होता है। यह मस्तिष्क को लंबे समय तक उर्वर और स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाता है। साथ ही अंगूर का सेवन अल्जाइमर जैसी बीमारियों को भी दूर करने में अहम भूमिका निभाता है।

श्रीलंका के दुनिथ और हर्षिता अगस्त माह के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

दुबई, एजेंसी। श्रीलंका के दुनिथ वेलालागे और हर्षिता समरविक्रमा को सोमवार को अगस्त 2024 के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

वेलालागे ने भारत के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया जबकि हर्षिता ने आयरलैंड दौरे पर प्रभावित किया।

इससे पहले सिर्फ एक बार किसी महीने में एक ही देश के दोनों पुरुष और महिला खिलाड़ियों को महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला है। इस साल जून में भारत के जसप्रीत बुमराह और उनकी हमवतन स्मृति मंधाना को महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था।

वेलालागे ने दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज और वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स को पछाड़कर यह

पुरस्कार जीता।

वेलालागे को भारत के खिलाफ श्रीलंका के 2-0 से श्रृंखला जीतने के दौरान श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। बाएं हाथ के इस 31 वर्षीय बल्लेबाज ने नाबाद 67, 39 और दो रन की पारियां खेलने के अलावा तीसरे मैच में 27 रन देकर पांच विकेट सहित श्रृंखला में कुल सात विकेट भी चटकाए।

यह पुरस्कार शुरू होने के बाद यह पांचवां मौका है जब श्रीलंका के पुरुष क्रिकेट को यह पुरस्कार मिला है। इससे पहले एंजेलो मैथ्यूज (मई 2022), प्रबाथ जयसूर्या (जुलाई 2022), वानिंदु हसरंगा (जून 2023) और कामिंदु मेंडिस (मार्च 2024) यह पुरस्कार जीत चुके हैं।

वेलालागे ने कहा कि यह पुरस्कार बहुत प्रोत्साहन देने वाला है। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए बहुत अच्छी खबर है और इससे मुझे बहुत संतुष्टि मिली है क्योंकि यह सम्मान मुझे एक खिलाड़ी के रूप में अच्छा काम जारी रखने और मैदान में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए अपनी टीम में योगदान देने की और ताकत देगा।

वेलालागे ने कहा, आईसीसी से मिलने वाली इस तरह की मान्यता हमारे जैसे युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत अच्छी खबर है और इससे निश्चित रूप से युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

दूसरी तरफ महिला पुरस्कार की दौड़ में हर्षिता ने ओर्ला प्रेंडरगास्ट और गैबी लुईस की आयरलैंड की जोड़ी को पछाड़ा। आयरलैंड दौरे पर हर्षिता एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में शतक जड़ने वाली श्रीलंका की सिर्फ तीसरी महिला क्रिकेटर बनीं।

बाएं हाथ की 26 वर्षीय बल्लेबाज हर्षिता ने दो टी20 अंतरराष्ट्रीय में 169.66 के स्ट्राइक रेट से कुल 151 रन बनाए जिसमें पहले मैच में 45 गेंद में नाबाद 86 रन की मैच विजयी पारी भी शामिल है। उन्होंने बेलफास्ट में तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 82.69 के स्ट्राइक रेट से 172 रन बनाए जिसमें दूसरे मैच में 105 रन की पारी भी शामिल है। हर्षिता आईसीसी की महीने की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी बनने वाली श्रीलंका की सिर्फ दूसरी क्रिकेटर हैं। श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू इस साल मई और जुलाई में दो बार यह खिताब अपने नाम कर चुकी हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ भारत तैयार, विराट-रोहित के अलावा इस खिलाड़ी पर रहेगी नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया और बांग्लादेश के बीच 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज 19 सितंबर से होगा। पहला टेस्ट चेन्नई के मैदान पर खेला जाएगा। सभी खिलाड़ी चेन्नई पहुंच चुके हैं और प्रैक्टिस शुरू कर दी। भारतीय पिचों पर स्पिनरों को मदद मिलती रही है। ऐसे में इस सीरीज में बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान नहीं होगा।

गौतम गंभीर की बतौर कोच ये पहली टेस्ट सीरीज है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि उनके नेतृत्व में टीम इंडिया टेस्ट फॉर्मेट में किस अंदाज में खेलती है। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम अपनी तैयारियों को और पुख्ता करने के लिए पहले ही खूब पसीना बहा रही है, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान को उसके घर में पस्त करने के बाद बांग्लादेश की क्रिकेट टीम भारत को चुनौती देने के लिए आत्मविश्वास से लबरेज होगी।

नजमुल हुसैन की कप्तानी वाली टीम बढ़े हुए मनोबल के साथ चेन्नई पहुंची है। बांग्लादेशी कप्तान ने भारत के खिलाफ सीरीज में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद जताई है। हालांकि टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया का पलड़ा एकतरफा भारी रहा है और बांग्लादेश के लिए भारत को टेस्ट में हराना 'लोहे के चने' चबाना जैसा है।

पाकिस्तान का दौरा करने से पहले बांग्लादेश ने उसे टेस्ट में नहीं हराया था लेकिन इस बार बांग्लादेश ने बड़ा उलटफेर करते हुए सीरीज भी जीत ली। ऐसे में रोहित शर्मा एंड कंपनी भी बांग्ला टाइगर्स को हल्के में नहीं ले सकती। विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर.अश्विन जैसे अनुभवी और उम्रदराज खिलाड़ी अपने करियर के अंतिम पड़ाव में है। हालांकि, तीनों ही खिलाड़ी अपनी फिटनेस और फॉर्म के आधार पर बड़े-बड़े दिग्गजों को छकाने का माद्दा रखते हैं। एकतरफ दोनों ही बल्लेबाज टीम इंडिया के मुख्य बैटर हैं, जबकि विशेषज्ञ ऑफ स्पिनर अश्विन बांग्लादेशी बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी परेशानी का सबब हो सकते हैं। इन तीनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर टीम इंडिया की नजर टिकी होगी।

भारतीय टीम ने अभ्यास सत्र में जमकर बहाया पसीना

चेन्नई, एजेंसी। रोहित शर्मा की अगुवाई में भारतीय टीम के सभी 16 खिलाड़ियों ने बांग्लादेश के खिलाफ खेली जाने वाली दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला से पहले सोमवार को यहां चेपॉक मैदान में अभ्यास सत्र के दौरान जमकर पसीना बहाया।

टीम के खिलाड़ियों ने रविवार को विश्राम के बाद अपने तीसरे अभ्यास सत्र में भाग लिया। बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला का शुरूआती मैच यहां 19 सितंबर से खेला जायेगा।

अभ्यास सत्र में बल्लेबाजी के लिए दिग्गज विराट कोहली सबसे पहले पहुंचे और उनके पास वाले नेट में युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अभ्यास कर रहे थे। इन दोनों बल्लेबाजों ने तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ ज्यादा बल्लेबाजी की।

इन दोनों के बाद कप्तान रोहित, शुभमन गिल और सरफराज खान

बल्लेबाजी अभ्यास के लिए पहुंचे। सरफराज दलीप ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच के बाद टीम से देर से जुड़े हैं। रोहित ने अभ्यास सत्र के दौरान स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ ज्यादा बल्लेबाजी की।

हरफनमौला रविंद्र जडेजा, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भी स्थानीय गेदबाजों और थ्रोडाउन विशेषज्ञों के खिलाफ जमकर बल्लेबाजी अभ्यास की।

अभ्यास पिच से गेंदबाजों को अच्छी उछाल मिल रही थी। दो मैचों की श्रृंखला के शुरूआती मुकाबले से पहले भारतीय टीम दो और अभ्यास सत्र में भाग लेगी।

बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला में सूपड़ा साफ करने के बाद आत्मविश्वास से भरी हुई है।

चेन्नई की पिच आमतौर पर स्पिनरों के लिए मददगार होती है और ऐसे में इस बात की काफी संभावना है कि भारतीय टीम तीन स्पिनरों और दो तेज गेंदबाजों के साथ मैदान में उतरे।

तेज गेंदबाजी का जिम्मा जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज पर होगा जबकि स्पिन विभाग में अश्विन और जडेजा के साथ कुलदीप यादव के अंतिम एकादश में जगह बनाने की संभावना है। ऐसी स्थिति में पिछले कुछ समय से अपने हरफनमौला खेल से लगातार प्रभावित करने वाले अक्षर पटेल को बाहर बैठना पड़ सकता है।

पंत दो साल के अंतराल के बाद टेस्ट टीम में वापसी के लिए तैयार है। पंत के एकादश में आने से इंग्लैंड के खिलाफ पिछली श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करने वाले ध्रुव जुरेल को बेंच पर बैठना होगा।

भारतीय टीम को रहना होगा बांग्लादेश की कड़ी चुनौती के लिए तैयार : गावस्कर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर को लगता है कि रोहित शर्मा एंड कंपनी को बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में सचेत रहने की जरूरत है। दोनों देशों के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज 19 सितंबर से शुरू होने जा रही है।

सुनील गावस्कर का मानना है कि बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान को उसकी ही धरती पर दो मैचों की टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप करने के बाद आ रही है। अब भारत के खिलाफ उनको 19 सितंबर को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में पहला टेस्ट मैच खेलना है। इसके बाद 27 अक्टूबर से कानपुर के ग्रीन पार्क में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा।

सुनील गावस्कर ने मिड डे के लिए अपने कॉलम में लिखा, पाकिस्तान को उसको धरती पर हराकर बांग्लादेश ने साबित किया है वह एक दमदार टीम है। यहां तक जब पिछली बार भारत ने बांग्लादेश का दौरा किया था, तब भी बांग्लादेश ने टीम इंडिया के टक्कर दी थी। अब वह पाकिस्तान को हराने के बाद भारत को

चुनौती देने आ रहे हैं।

लिटिल मास्टर ने आगे लिखा, बांग्लादेश की टीम में अच्छे खिलाड़ी हैं। अब कोई भी टीम उनको हल्के में नहीं ले सकती है। यह निश्चित तौर पर एक रोचक सीरीज साबित होने जा रही है।

यह दोनों टेस्ट मैच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023-2025 का हिस्सा होंगे। फिलहाल भारत 68.52 प्रतिशत अंकों के साथ टेबल में टॉप पर चल रहा है। बांग्लादेश की टीम 45.83 प्रतिशत अंकों के साथ टेबल में चौथे स्थान पर है।

बांग्लादेश के साथ टेस्ट सीरीज के साथ भारत के लिए 10 टेस्ट मैचों का लंबा सीजन भी शुरू होने जा रहा है जहां टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ घर में अक्टूबर-नवंबर में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

इसके बाद भारतीय टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया रवाना हो जाएगी। जहां भारत को पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है।

इस पर गावस्कर ने लिखा, भारत को अगले साढ़े चार महीने में 10 टेस्ट मैच खेलने हैं और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें कम से कम पांच टेस्ट मैच जीतने होंगे। कोई भी मैच आसान नहीं होगा और हम आने वाले सीजन के लिए रोमांचित हैं।

गावस्कर को यह भी लगता है कि इंटरनेशनल सीजन शुरू होने से पहले दलीप ट्रॉफी का आयोजन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का समझदारी भरा फैसला है।

साक्षी मलिक, गीता फोगाट ने की रेसलिंग चैंपियंस सुपर लीग की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व महिला पहलवान साक्षी मलिक और गीता फोगाट ने सोमवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए रेसलिंग चैंपियंस सुपर लीग की शुरूआत की घोषणा की है। रियो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साक्षी और 2010 राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता गीता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक संयुक्त बयान पोस्ट किया।

उन्होंने पोस्ट में लिखा, हमारे गांवों और समुदायों ने हमें बड़ा किया, पूरा देश हमें चैंपियन बनाने के लिए एक साथ आया। तिरंगे के लिए लड़ने से बड़ा कोई सम्मान नहीं हो सकता है। आपके प्यार और प्रेरणा ने इसे संभव बनाया। हम अपने सार्वजनिक और निजी दोनों भागीदारों के योगदान के लिए उनके आभारी हैं, और हम विशेष रूप से सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता और समर्थन के प्रति

आभार जताते हैं।

उन्होंने कहा, आपने हम पर जो भरोसा दिखाया उसके बदले यह जरूरी है कि हम अपनी खेल प्रतिभा, अनुभव, धैर्य और सफलता को खेल की सेवा में समर्पित कर दें। इसलिए हम दोनों मिलकर रेसलिंग चैंपियंस सुपर लीग शुरू करने का ऐलान करते हैं। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत भी इस नए प्रयास में शामिल हो गए हैं, और उन्होंने अपना पूरा समर्थन दिया है।

गुकेश शायद जीत का दावेदार, मेरे खेल में गिरावट आयी है: लिरेन ने विश्व शतरंज खिताबी मुकाबले पर कहा

बुडापेस्ट, एजेंसी। गत चैंपियन डिंग लिरेन का मानना है कि नवंबर में होने वाले विश्व शतरंज के खिताब के लिए उनके भारतीय चैलेंजर डी गुकेश जीत के दावेदार है क्योंकि पिछले एक साल में उनके खेल में काफी ह्यगिरावट आयी है।

लिरेन और गुकेश इस समय यहां 45वें शतरंज ओलंपियाड में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। गुकेश, आर प्रज्ञानानंदा, विदित गुजराती और अर्जुन एरिगैसी की चौकड़ी से सजी भारतीय टीम वर्तमान में लिरेन के चीन और मेजबान हंगरी के साथ शीर्ष स्थान पर है।

लिरेन ने अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के द्वारा आयोजित बातचीत में कहा, मैं अपने प्रतिद्वंद्वी (गुकेश) को इस टूनार्मेंट में बहुत अच्छा खेलते हुए देख रहा हूं। वह विश्व चैम्पियनशिप में शायद मुझ से ज्यादा जीत का दावेदार है। अभी उसकी रेटिंग भी मुझसे अधिक है।

उन्होंने कहा, पिछले साल के मुकाबले में मेरे खेल में काफी गिरावट आयी है लेकिन लेकिन मैं रेटिंग के अंतर को पाटने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा।

चीन का 31 साल का यह खिलाड़ी सर्वकालिक सर्वोच्च रेटिंग हासिल करने वाला शतरंज खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले साल मई में रूस के ग्रैंडमास्टर इयान नेपोमनियाचची को हराकर वैश्विक खिताब का ताज जीता था। उन्हें हालांकि इसके बाद अवसाद से जूझने के कारण खेल से ब्रेक लेना पड़ा। लिरेन ने इस साल की शुरूआत में टाटा स्टील शतरंज टूनार्मेंट में वापसी की और प्रतियोगिता में नौवें स्थान पर रहे।

गुकेश ने अप्रैल में कैंडिडेट्स टूनार्मेंट जीता और 17 साल की उम्र में विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बने थे। वह मई में 18 साल के हो गए।

प्रतिष्ठित खिताब और 2.50 मिलियन डॉलर (लगभग 21 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि के लिए दोनों 20 नवंबर से 15 दिसंबर तक सिंगापुर में भिड़ेंगे।

गुकेश अगर यह खिताब जीतने में कामयाब रहे तो वह महान विश्वनाथन आनंद के बाद चैम्पियन बनने वाले पहले भारतीय बनेंगे। आनंद ने अपने शानदार करियर में पांच बार यह ताज जीता।

गुकेश विश्व चैंपियनशिप के लिए अपनी योजनाओं का खुलासा करने से बचते रहे हैं। उन से जब लिरेन के खिलाफ मैच के बारे मे पूछा गया तो उन्होंने मौजूदा टूनार्मेंट के बारे में बात करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, यह एक महत्वपूर्ण टूनार्मेंट है।

लैमिन यामल के दो गोल की बदौलत बार्सिलोना ने गिरोना को 4-1 से हराया

गिरोना (स्पेन), एजेंसी। लैमिन यामल के दो गोलों की बदौलत स्पैनिश ला लीगा में बार्सिलोना ने फुटबॉल क्लब गिरोना को 4-1 से हराया दिया है। इसी के साथ टूनार्मेंट में यह उसकी लगातार पांचवीं जीत हैं।

रविवार को खेले गये मुकाबले में यामल ने पहले हॉफ के 30वें और 37वें मिनट में गोल कर बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। मध्यांतर के तुरंत बाद दानी ओल्मो ने गोल दागकर अपनी टीम बढ़त को 3-0 कर दिया।

बार्सिलोना के लिए पेड्री ने 64वें मिनट में चौथा गोल किया। गिरोना के लिये स्थानापन्न क्रिस्टियन स्टुआनी ने 80वें मिनट में सांत्वना गोल किया। खेल समाप्त होने से छह मिनट पहले फारवर्ड फेरान टोरेस को यासर एस्प्रीला पर एक खराब स्टड-अप चुनौती के लिए लाल कार्ड दिखाया गया और बार्सिलोना की टीम को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा था। इस जीत के साथ बार्सिलोना 15 अंकों के साथ ला लीगा में शीर्ष पर है, वह रियल मैड्रिड और विलारियल से चार अंक आगे है।

एक नजर

आखिरी क्षणों में गोल कर पंजाब एफसी ने केरल ब्लास्टर्स को हराया

कोच्चि, एजेंसी। पंजाब एफसी ने आखिरी सीटी बजने से ठीक पहले किये गये गोल के दम पर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के मौजूदा सत्र के अपने शुरूआती मुकाबले में केरल ब्लास्टर्स को उनके घरेलू मैदान में 2-1 से शिकस्त दी। मैच के तीनों गोल 85वें मिनट के खेल के बाद हुए। पंजाब की जीत में कप्तान व स्लोवेनिया के स्ट्राइकर लुका माजसेन और क्रोएशियाई मिडफील्डर फिलिप मिर्जलजक ने गोल किए।

मैच का पहला गोल 86वें मिनट में आया जब कप्तान माजसेन ने पेनल्टी किक को गोल में तब्दील करके पंजाब एफसी को 1-0 की बढ़त दिला दी। पंजाब को पेनल्टी किक के रूप में यह मौका 84वें मिनट में मिला, जब लियोन ऑगस्टीन को केरल ब्लास्टर्स के मोहम्मद सहीफ ने पीछे से गिरा कर फाउल कर दिया और रैफरी ने स्पॉट किक देने में कोई देरी नहीं की और साथ ही सहीफ को पीला कार्ड दिखाया। माजसेन ने पेनल्टी किक को गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की।

छह मिनट के स्टॉपेज टाइम के दौरान 90+2वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी जेसुस जिमेनेज ने गोल करके केरल ब्लास्टर्स को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। टीम की यह बढ़त हालांकि तीन मिनट तक ही कामय रही। मैच के 90+5वें मिनट में मिर्जलजक ने माजसेन के पास पर गोल करके पंजाब एफसी को फिर से बढ़त दिला दी। केरल की वापसी की कोशिश करती उससे पहले रेफरी ने मैच की आखिरी सीटी बजा दी।

चोटिल बटलर की जगह ब्रूक को बनाया गया इंग्लैंड टीम का कप्तान

लंदन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली पांच मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से चोटिल जॉस बटलर बाहर हो गए है और उनकी जगह हैरी ब्रूक को इंग्लैंड टीम का कप्तान बनाया गया है। ब्रूक ने इससे पहले भी कई बार कप्तानी की भूमिका निभाई है। वह 2018 में अंडर-19 विश्व कप में भी इंग्लैंड के कप्तान थे। वह 2022 में टी20 ब्लास्ट में यॉकर्शर के लिए चार मैचों में कप्तान बनाये गये थे और इस वर्ष द हंड्रेड में नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स की कप्तानी की।

ब्रुक की कप्तानी में टीम ने छह में से पांच मैच जीते लेकिन नॉकआउट स्टेज से मामूली अंतर से चूक गई। श्रीलंका पर 2-1 से मिली टेस्ट श्रृंखला जीत में भी वह टीम के उपकप्तान थे, टीम प्रबंधन उनको लंबे समय कप्तान के विकल्प के तौर पर देख रहा है। फिल सॉल्ट मौजूदा टी-20 श्रृंखला में कप्तानी संभाल रहे हैं। बटलर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही टी-20 सीरीज में इंग्लैंड टीम के साथ हैं और उनके नवंबर में कैरेबियाई दौरे पर वापसी करने की उम्मीद है। पहले दो टी-20 में लिविंगस्टन के प्रदर्शन को देखते हुए उनकी एकदिवसयी टीम में वापसी हुई है।

इंग्लैंड ने यह भी पुष्टि की कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जॉश हल चोट के कारण एकदिवसीय सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। टीम के प्रवक्ता ने बताया कि हल को एहतियात के तौर पर टीम से बाहर रखा गया है है। उल्लेखनीय है पांच मैचों की एकदिववसीय श्रृंखला गुरुवार से ट्रेंट ब्रिज में शुरू होगी और 29 सितंबर तक चलेगी।

शुभंकर आयरिश ओपन गोल्फ में संयुक्त 42वें स्थान पर रहे

डबलिन, एजेंसी। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा आखिरी नौ होल में खराब प्रदर्शन के कारण आयरिश ओपन गोल्फ में एक ओवर 72 का कार्ड खेल कर संयुक्त रूप से 42वें स्थान पर रहे।

शुरूआती दो दिनों के खेल के बाद शीर्ष 15 में रहे शुभंकर ने कुल चार ओवर 288 का स्कोर बनाया। उन्होंने चौथे दौर में 12वें से 18वें होल के बीच दो बर्डी और तीन बोगी की। रासमस होजगार्ड ने इस बीच आखिरी पांच होल में चार बर्डी के साथ जीत के दावेदार स्थानीय खिलाड़ी रोरी मैक्लरॉय को पछाड़कर खिताब अपने नाम किया।

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टी20 मैच बारिश की भेंट चढ़ा

मैनचेस्टर, एजेंसी। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच रविवार को यहां बारिश के कारण रद्द कर दिया गया। इस तरह से तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर रही। ऑस्ट्रेलिया ने साउथम्पटन में खेला गया पहला मैच 28 रन से जीता था। इंग्लैंड ने कार्डिफ ने खेले गए दूसरे मैच में तीन विकेट से जीत दर्ज करके श्रृंखला बराबर की थी। अब इन दोनों टीम के बीच पांच मैच की वनडे श्रृंखला खेली जाएगी जिसका पहला मैच गुरुवार को ट्रेंट ब्रिज में होगा। इंग्लैंड ने इस श्रृंखला के लिए हैरी ब्रूक को कप्तान नियुक्त किया है क्योंकि नियमित कप्तान जोस बटलर अभी तक पिंडली की चोट से नहीं उबर पाए हैं।

कनाडा से हारकर डेविस कप अंतिम आठ में जगह बनाने से चूका ब्रिटेन

मैनचेस्टर, एजेंसी। कनाडा से आखिरी ग्रुप मैच में 2. 1 से हारने के बाद ब्रिटेन डेविस कप फाइनल्स के अंतिम आठ में जगह बनाने में नाकाम रहा जबकि नोवाक जोकोविच के शानदार प्रदर्शन से सर्बिया ने अगले साल के क्वालीफायर में जगह बनाई। ब्रिटेन को कनाडा पर 2.1 से जीत दर्ज करनी थी लेकिन डेनिस शापोवालोव ने डैन इवांस को 6.0, 7.5 से हराकर उसकी उम्मीदें खत्म कर दी। फेलिक्स आगर एलियास्सिमे ने इसके बाद जैक ड्रैपर को 7.6, 7.5 से हराया। इंग्लैंड ने आखिरी युगल मैच जीता। ग्रुप डी से कनाडा और अर्जेंटीना अगले दौर में पहुंचे। फिनलैंड भी बाहर हो गया। वालेंशिया में स्पेन ने आस्ट्रेलिया को ग्रुप बी में 2. 1 से हराया। दोनों टीमें अंतिम आठ में पहुंच चुकी हैं जबकि फ्रांस और चेक गणराज्य बाहर हो गए। बोलोगना में ग्रुप ए में इटली से 1.2 से हारने के बावजूद नीदरलैंड ने क्वालीफाई कर लिया। इटली भी अंतिम आठ में पहुंच गया है जबकि ब्राजील और बेल्जियम बाहर हो गए। चीन के जुहाइ में ग्रुप सी में चिली ने स्लोवाकिया को हराया। अमेरिका और जर्मनी क्वालीफाई कर चुके हैं। वहीं ब्रेलग्रेड में विश्व ग्रुप वन मुकाबले में जोकोविच की मदद से सर्बिया ने यूनान को 3.1 से मात दी। ओलंपिक चैम्पियन जोकोविच ने हमाद एम को 6.3, 3.6, 6.3 से हराया।

शतरंज ओलंपियाड : भारतीय पुरूष टीम ने अजरबैजान को, महिलाओं ने कजाखस्तान को हराया

बुडापेस्ट, एजेंसी। शानदार फॉर्म में चल रहे विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर डी गुकेश और अर्जुन एरिगेसी के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय पुरूष टीम ने 45वें शतरंज ओलंपियाड के पांचवें दौर में अजरबैजान को 3.1 से हराया। गुकेश ने अइदिन सुलेमानी को और अर्जुन ने रऊफ मामेदोव को हराया। प्रज्ञानानंदा ने ड्रॉ खेला जबकि विदित गुजराती और शखरियार मामेदियारोव की बाजी भी ड्रॉ रही। लगातार पांचवीं जीत के बाद भारतीय पुरूष टीम दस अंक लेकर वियतनाम के साथ शीर्ष पर है। वियतनाम ने पोलैंड को 2.5.1.5 से मात दी। चीन ने स्पेन को और हंगरी ने यूक्रेन को 2.5.1.5 से हराया। नॉर्वे और ईरान नौ अंक लेकर पांचवें स्थान पर हैं। टूनार्मेंट के छह दौर अभी खेले जाने हैं।नॉर्वे ने तुर्की को 3.1 से जबकि ईरान ने कनाडा को 3.5.0.5 से हराया। महिला वर्गमें ग्रैंडमास्टर डी हरिका को बीबीसारा असाउबायेवा के खिलाफ अप्रत्याशित पराजय झेलनी पड़ी। वंतिका अग्रवाल ने अलुआ नूरमैन को हराया जबकि दिव्या

चेतना ने सफेद ड्रेस में समंदर किनारे करवाई फोटो शूट

टेम्पेशन आइलैंड इंडिया फेम चेतना पांडे एक एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक मॉडल भी हैं। चेतना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वहीं, सोशल मीडिया पर उनकी फैन फॉलोइंग भी काफी तगड़ी है। चेतना सोशल मीडिया पर अपनी सुपरहॉट तस्वीरें शेयर करके अपने फैंस को बेकाबू करती रहती हैं।एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से हाल ही में अपनी तस्वीरें शेयर की हैं, जो सोशल मीडिया पर काफी पसंद की जा रही हैं। उनके इस अंदाज को देखकर आप भी उनके स्टाइल और कातिल अदाओं के फैन हो जाएंगे। चेतना ने संमदर किनारे सफेद रंग की शॉर्ट ड्रेस में फोटोज शेयर की हैं। उनका ये लुक बहुत अट्रेक्टिव और खूबसूरत लग रहा है। उनके इस खूबसूरत लुक को देखकर हर कोई उनका फैन हो रहा है। एक्ट्रेस धूप में खिली-खिली नजर आ रही हैं। उनका ये अंदाज बहुत ही अलग है। रेत के बीच इस तरह से वकेशन एंजॉय करती चेतना बहुत ही कमाल की लग रही हैं।डे लुक के लिए एक्ट्रेस ने व्हाइट ड्रेस के साथ बहुत ही मिनिमल मेकअप लुक कैरी किया है। नोमेकअप लुक के साथ उन्होंने ब्लश के साथ चेहरे की खूबसूरती में चार-चांद लगाए हैं। उनका मेकअप बेस बहुत ही क्लीन और स्मूद है। इसके साथ न्यूड लिप शड और मस्कारा उनके फिचर्स को और भी बेहतर तरीके से उभार रहा है। आपको भी उनके इस बीच मेकअप लुक से इंस्पीरेशन जरूर लेनी चाहिए।एक्ट्रेस ने अपने बीच लुक को सिंपल और क्लासी रखने के लिए व्हाइट आउटफिट के साथ सिल्वर कलर की ज्वैलरी पेयर की है। उन्होंने कानों में सिल्वर स्मॉल हुप्स कैरी किए हैं। जिकजैक शेप वाले ये हुप्स उनके लुक में क्लास और एलिगेंस एड कर रहे हैं। अपनी तस्वीरों में एक्ट्रेस रेत के साथ खेलती नजर आ रही हैं। सफेद रेत में खेलती ये सफेद परी किसी अप्सरा जैसी लग रही हैं। एक्ट्रेस की इस फोटो पर इंटरनेट यूजर्स अलग-अलग तरह से रिएक्ट कर रहे हैं। फैंस उनकी टांगों की तारीफ करने से भी पीछे नहीं हट रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'सुंदर सुडौल टांगें और जांघें..सुंदर लड़की के सुंदर पैर।' वहीं, एक दूसरे यूजर ने लिखा, इस पूरी दुनिया में सबसे सुंदर।अपनी एक खूबसूरत सी ड्रेस में चेतना ने कई किलर पोज भी दिए। उनके ये पोज सोशल मीडिया पर कहर बरपा रहे हैं। उनके ये पोज फैंस के भी पसीने छुड़ा रहे हैं। एक्ट्रेस का ये लुक आपके लिए भी इंस्पीरेशन बन सकता है। आप भी बीच वेकेशन पर जाकर इस तरह से रेडी होंगी, तो आपके दोस्त और पार्टनर आपसे नजरें ही नहीं हटा पाएंगे।

बेटी की परवरिश के लिए एक्टिंग छोड़ेंगी दीपिका

ऐश्वर्या की राह पर चलेंगी दीपिका पादुकोण, बेटी के लिए नहीं रखेंगी नैनी

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों मदरहुड एंजॉय कर रही हैं। दीपिका ने 8 सितंबर को बेटी को जन्म दिया था। इस खुशखबरी के सामने आते ही फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई थीं। फैंस दीपिका की नन्हीं परी की एक झलक पाने के लिए बेकरार हैं, हालांकि अभी तक एक्ट्रेस को अस्पताल से छुट्टी नहीं मिली है। बीते दिन शाहरुख खान दीपिका और उनकी नन्हीं गुड़िया से मिलने अस्पताल पहुंचे थे। वहीं अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दीपिका पादुकोण अपनी बेटी के पालन-पोषण के लिए रणबीर और आलिया के पैरेंटिंग स्टाइल को चुन सकती हैं। इसके साथ ही दीपिका ऐश्वर्या के पैरेंटिंग स्टाइल से भी काफी प्रभावित हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि दीपिका पादुकोण अपनी बेटी की परवरिश के लिए ऐश्वर्या राय को फॉलो कर सकती हैं। बता दें कि ऐश्वर्या राय ने अपनी बेटी आराध्या का पालन-पोषण खुद किया है और उन्होंने नैनी का कोई सराहा नहीं लिया था। ऐसे में दावा किया जा रहा है कि दीपिका भी अपनी बेटी के लिए नैनी नहीं रखेंगी और अकेले ही वह उसका पालन-पोषण करेंगी। बता दें कि बेटी आराध्या के लिए ऐश्वर्या राय की पजेसिवनेस को देखकर सास जया बच्चन ने उन्हें %हैंड्स ऑन मॉम% का टैग भी दे दिया था। अगर मीडिया रिपोर्ट्स में किए जा रहे दावों को सच माना जाए तो अटकलें लगाई जा रही हैं कि दीपिका पादुकोण अपनी बेटी की परवरिश के लिए फिल्मी दुनिया से दूर हो सकती हैं। इसके अलावा दीपिका एक्टिंग भी पूरी तरह से छोड़ देंगी। हालांकि बॉलीवुडलाइफ इन दावों की पुष्टि नहीं करता है। वहीं कुछ रिपोर्ट्स में तो ये भी कहा जा रहा है कि दीपिका पादुकोण अपनी बेटी के लिए अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के पैरेंटिंग स्टाइल को अपना सकती हैं। दरअसल रिपोर्ट्स की मानें तो दीपिका अपनी नन्हीं परी को मीडिया से दूर रखना चाहती हैं और उन्होंने पैपराजी से भी ये गुजारिश की है कि उनके बच्चे की कोई तस्वीर ना ली जाए। एंटरटेनमेंट की तमाम खबरों के लिए बने रहे बॉलीवुड लाइफ के साथ।

करीना की फिल्म का हाल बेहाल

कपूर की हालिया रिलीज फिल्म द बकिंघम मर्डर्स बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा कायम करने में नाकाम साबित हुई है. फिल्म 13 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई लेकिन खास कमाल नहीं कर पाई. बल्कि द बकिंघम मर्डर्स करीना कपूर की पिछले 15 सालों में सबसे कम ओपनिंग लेने वाली फिल्म रही. अब दूसरे दिन भी फिल्म का हाल बॉक्स ऑफिस पर बेहाल है.

सैकनिल्क के आंकड़ों की मानें तो द बकिंघम मर्डर्स ने पहले दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 1.15 करोड़ रुपए की ओपनिंग ली थी. अब दूसरे दिन वीकेंड होने के बावजूद भी फिल्म का कलेक्शन नहीं बढ़ पा रहा है.

शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक करीना की मिस्ट्री-थ्रिलर फिल्म ने दूसरे दिन रात 10ः20 बजे तक 1.90 लाख करोड़ का कलेक्शन किया है. फिल्म को कुल कलेक्शन 3.05 करोड़ हो चुका है. ये आंकड़े शुरुआती हैं जिनमें बदलाव हो सकता है.

स्त्री 2 की वजह से द बकिंघम मर्डर्स को नुकसान!श्रद्धा कपूर स्टारर फिल्म स्त्री 2 को रिलीज हुए एक महीना हो गया है और फिल्म अब भी बॉक्स ऑफिस पर हर रोज करोड़ों का कलेक्शन कर रही है. ऐसे में कहा जा सकता है कि स्त्री 2 के आगे द बकिंघम मर्डर्स कहीं गुम हो गई है.जहां करीना कपूर की फिल्म ने दूसरे दिन रात 10ः20 बजे तक 1.90 करोड़ रुपए ही कमाए हैं तो वहीं स्त्री 2 ने 31वां दिन होने के बावजूद 5.25 करोड़ रुपए का बिजनेस कर लिया है. इसके अलावा तुम्बाड भी री-रिलीज हुई है जिसने ओपनिंग डे पर द बकिंघम मर्डर्स तो शिकस्त दे दी थी.द बकिंघम मर्डर्स को बालाजी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले हंसल मेहता ने डायरेक्ट किया है. ये एक मिस्ट्री-थ्रिलर है जिसमें करीना कपूर एक जासूस का किरदार अदा करती दिखाई दी हैं. करीना के अलावा कीथ एलन और रणवीर बराड़ भी फिल्म का हिस्सा हैं।

बिग बॉस 18 को पस्त करेगा करण जौहर का शो द ट्रेटर्स

एक तरफ जहां सलमान खान के कंट्रोवर्शियल शो बिग बॉस 18 को लेकर जबरदस्त बज बना हुआ है तो वहीं दूसरी ओर करण जौहर एक नया शो लेकर आ रहे हैं, जिसका नाम है द ट्रेटर्स। इस शो में 13 सेलेब्रिटीज एक घर में कैद होकर जबरदस्त गेम खेलेंगे। हालांकि वैसे तो द ट्रेटर्स कुछ-कुछ बिग बॉस के जैसा है लेकिन रिपोर्ट्स की मानें तो यह शो बिल्कुल अलग होने वाला है। अब इसी बीच द ट्रेटर्स की कंफर्म कंटेस्टेंट्स लिस्ट सामने आई है। रिपोर्ट्स की मानें तो सुधांशु पांडे से लेकर उर्फी जावेद और करण कुंद्रा जैसे सितारे इस शो में नजर आ सकते हैं। फिलहाल करण जौहर जेसलमेर में इस शो की शूटिंग कर रहे हैं।

रिपोर्ट्स की मानें तो फेमस एक्टर करण कुंद्रा करण जौहर के इस शो का हिस्सा बनेंगे। करण का नाम शो के लिए कंफर्म हो चुका है।ॅद्यह्यश ऋद्बठ्ठस्न - ब्वद्दद्द क्चशह्यह्य 18ू टाइम ट्रेवलिंग पर बेस्ड होगी थीम, सीनियर बनकर मुनव्वर के साथ शो में एंट्री मारेगी ये हसीना

अनुपमा फेम सुधांशु पांडे भी करण जौहर के शो द ट्रेटर्स का हिस्सा बनेंगे। बता दें कि सुधांशु ने हाल ही में ये शो छोड़ा है।

एक्ट्रेस जन्नत जुबैर भी करण जौहर के शो द ट्रेटर्स में नजर आएंगी। इस बात की पुष्टि खुद टेलीचक्कर ने की है।

कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा भी करण जौहर के शो द ट्रेटर्स में नजर आएंगे। इस शो के लिए फैंस बहुत एक्साइटेड हैं।

एक ट्रेस जैस्मिन भसीन भी इस शो का हिस्सा बनेंगी। बता दें कि जैस्मिन भसीन सलमान खान के शो बिग बॉस का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा भी करण जौहर के इस शो में कंटेस्टेंट्स से भिड़ते नजर आएंगे।

फे मस रैपर रफ्तार भी इस शो का हिस्सा बनेंगे। इस शो में रफ्तार को देखने के लिए फैंस बहुत एक्साइटेड हैं।हर्ष गुजरा

फेमस स्टैंडअप कॉमेडियन हर्ष गुजराल भी करण जौहर के शो द ट्रेटर्स का हिस्सा बनेंगे।

एक्ट्रेस उर्फी जावेद भी द ट्रेटर्स में नजर आएंगी। बता दें कि उर्फी फिलहाल अपने शो फॉलो कर लो यार को लेकर काफी चर्चा में हैं।

फेमस एक्टर साहिल सलाठिया भी करण जौहर के शो द ट्रेटर्स में नजर आएंगे।

फिल्मों में विलेन का रोल निभाने वाले एक्टर आशीष विद्यार्थी भी करण जौहर के शो में नजर आएंगे। आशीष की एंट्री को लेकर फैंस बहुत एक्साइटेड हैं।

अर्जुन कपूर की बहन और बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर भी करण जौहर के शो का हिस्सा बनेंगी।

वहीं फेमस सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और फैशन क्रिटिक सूफी मोटीवाला भी करण जौहर के इस शो का हिस्सा बनेंगे।